শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 332 | गुवाहाटी | शनिवार, 1 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

बिहू नृत्य में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले 820 कलाकारों को प्रमाण पत्र पेज 3
डीयू सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं बल्कि एक आंदोलन है : प्रधानमंत्री पेज 4
सांसद मेनका गांधी ने दी 57 करोड़ की सौगात पेज 5
शाह और वसुंधरा का साथ आना बना चर्चा का विषय पेज 8

समान नागरिक संहिता बिल संसद के मानसून सत्र में संभव

नई दिल्ली। यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर केंद्र सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। सरकार जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में ही इसे पेश कर सकती है। संसद की एक स्थायी समिति ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर अलग-अलग पक्षों और हितधारकों के विचार मांगने के लिए लॉ पैनल की ओर से जारी नोटिस कर 3 जुलाई को लॉ कमीशन और कानून मंत्रालय के प्रतिनिधियों को चर्चा के लिए बुलाया है। एक सूत्र ने कहा है कि यूसीसी बिल को मानसून सत्र में पेश किया जा सकता है। इसके बाद बिल को संसद की स्थायी समिति के पास जाएगा जो इस मुद्दे पर अलग-अलग हितधारकों की राय को सुनेगी और फिर उस पर विचार करेगी। लॉ कमिशन ने 14 जून, 2023 को यूसीसी को लेकर एक पब्लिक नोटिस जारी किया था और विभिन्न हितधारकों से उनकी राय मांगी थी। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार शाम तक लॉ पैनल को इस मुद्दे पर करीब 8.5 लाख प्रतिक्रियाएं मिल चुकी थी। सूत्रों के मुताबिक, संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 14 जुलाई से हो सकती है। सत्र की शुरुआत पुराने भवन से होगी और बीच में बैठकों को नए भवन में शिफ्ट कर दिया जाएगा। हालांकि, मानसून सत्र के शुरू होने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भोपाल में भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यूनिफॉर्म सिविल कोड की वकालत की थी। पीएम ने कहा था कि देश के कुछ राजनीतिक दल वोट बैंक की रोटी सेकने के लिए कुछ -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तराखंड में ड्राफ्ट तैयार जल्द होगा लागू : सीएम

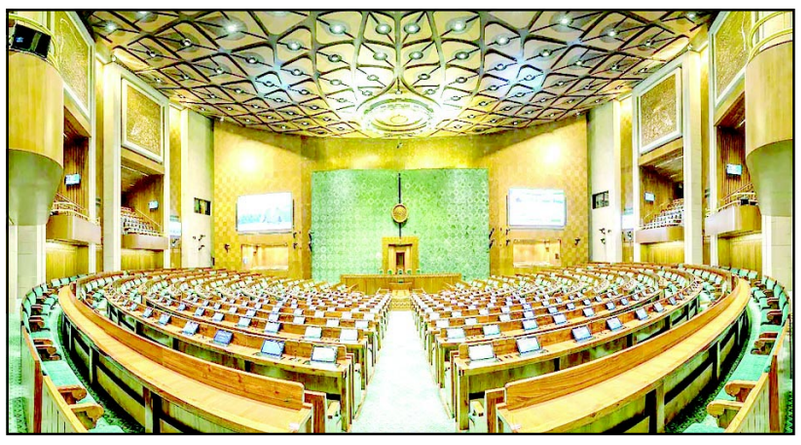

देहरादून। उत्तराखंड से समान नागरिक संहिता को लेकर को लेकर बड़ी खबर आई है। राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर कहा कि इसे जल्द ही लागू किया जाएगा। दरअसल, उत्तराखंड के लिए प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मसौदा तैयार हो गया है। इस बात की जानकारी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई ने दी थी। सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई पांच सदस्यीय पैनल की अध्यक्षता कर रही थी। इसके बाद पुष्कर सिंह धामी ने एक ट्वीट किया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि प्रदेशवासियों से किए गए वादे के अनुरूप आज 30 जून को समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने हेतु बनाई गई समिति ने अपना कार्य पूरा कर लिया है। जल्द ही देवभूमि -शेष पृष्ठ दो पर

1200 बिहू नर्तकों को प्रमाण पत्र, 25 हजार रुपए

शोणितपुर (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज तेजपुर नेहरू मैदान में गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भाग लेने वाले शोणितपुर जिले के लगभग 1200 बिहू नर्तकों को प्रमाण पत्र और 25 हजार रुपए का चेक सौंपा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शहरी विकास तथा गृह विभाग द्वारा शुरू की गई लगभग 100 करोड़ रुपए की परियोजना की वर्चुअल आधारशिला भी रखी। इनमें चौक बाजार हाउस के लिए 43 करोड़ रुपए, धुबड़ी तालाब घाट बाजार के लिए 6 करोड़ रुपए, बोरपुखुरी के विकास के लिए 14.85 करोड़ रुपए और हाजरापार स्टेडियम के लिए 24 करोड़ रुपए और परोवार ऑडिटोरियम के निर्माण के लिए 24 करोड़ रुपए शामिल हैं। निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण को लेकर हो रहे विरोध और निर्वाचन क्षेत्र तय करने के फैसले पर सांसद गौरव गोगोई के विरोध के बारे में संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र गायब है। मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि वे एक अलग निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने से क्यों डर रहे हैं। पिछले 10 दिनों में, किसी भी विधायक ने निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण पर विरोध नहीं किया है। इस बीच, मुख्यमंत्री ने आज मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए लिचुपुखुरी पार्क में पत्रकारों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक की खुलकर आलोचना की।

गर्मी की छुट्टियों में अनिवार्य कक्षाएं नहीं : शिक्षा मंत्री

गुवाहाटी। हालिया रिपोर्टों के जवाब में, असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने 30 जून को स्पष्ट किया है कि शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों को गर्मी की छुट्टियों के दौरान अनिवार्य कक्षाएं आयोजित करने का कोई आधिकारिक निर्देश नहीं है। मंत्री ने इस मुद्दे को संबोधित करने और अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। मंत्री के आधिकारिक हैंडल से एक ट्वीट में कहा गया कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान किसी भी अनिवार्य कक्षा के लिए @School-EdnAssam या @Sam-agra_Assam से कोई निर्देश नहीं है। हालांकि, एसएमसी/एसएमडीसी को संचालन करने की सलाह दी जाती है। गर्मी की छुट्टियों के दौरान उपचारात्मक कक्षाएं और पाठ्येतर गतिविधियां, शिक्षकों/कर्मचारियों के साथ जो स्वेच्छा से ऐसा करते हैं, जैसा कि अतीत में कई स्कूलों ने किया है। यह घोषणा इस बात की पुष्टि -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल के दौरे पर हिमंत का तंज वन डे एपिसोड

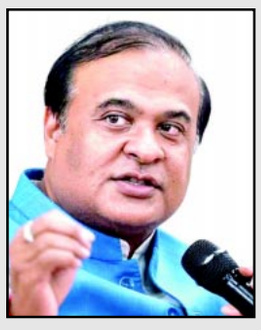

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मणिपुर दौरे को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने निशाना साधा है। असम के सीएम ने कहा कि राहुल गांधी का मणिपुर दौरा राज्य की गंभीर स्थिति में कोई सुधार नहीं लाएगा। उन्होंने इस दौरे को एक दिन का मीडिया कवरेज बताया। राहुल गांधी गुरुवार को हिंसा प्रभावित राज्य मणिपुर के दौरे पर पहुंचे थे। जहां पुलिस ने उन्हें सड़क के रास्ते चुराचांदपुर जाने की जगह हेलीकॉप्टर से जाने को कहा था। पुलिस ने हिंसा भड़कने की आशंका जाहिर की थी। वहीं, पुलिस की चेतावनी को कांग्रेस ने नकारते हुए भाजपा की गंदी राजनीति का खेल करार दिया। खबरों के अनुसार, सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मणिपुर की स्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

बीएआई के कार्यालय में सीएम

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के अध्यक्ष व असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा शुक्रवार सुबह दिल्ली में स्थित बीएआई कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने बीएआई के पदाधिकारियों के साथ असम में बैडमिंटन के बुनियादी ढांचे की समीक्षा और उसे मजबूत बनाने के लिए चर्चा की। शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के बीएआई कार्यालय पहुंचने पर उपाध्यक्ष एस. मुरलीधरन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मुरलीधरन और बीएआई के पदाधिकारियों के साथ धन आवंटन, आगामी कार्यक्रमों, असम और देशभर में बैडमिंटन के बुनियादी ढांचे की स्थिति, बैडमिंटन के प्रति -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : ताजा गोलीबारी में तीन मरे, इंटरनेट पर प्रतिबंध 5 तक

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में एक दिन पहले संदिग्ध दंगाइयों की गोलीबारी में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर तीन हो गई। सुरक्षा सूत्रों बताया कि गोलीबारी में पांच लोगों के घायल होने की खबर है। हथियारबंद दंगाइयों ने गुरुवार को हरावथेल गांव में एकतरफा गोलीबारी की थी। सेना ने कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मामूली कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और आरएएफ की तैनाती की गई। रात 10 बजे तक भीड़ तितर-बितर हो गई। उन्होंने बताया कि दंगाइयों ने शव को लेकर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के आवास तक जुलूस निकाला। अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने की -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम बीरेन सिंह नहीं देंगे इस्तीफा

इंफाल। मणिपुर में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह फिलहाल अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने ट्वीट कर अपने इस फैसले का एलान किया। उन्होंने लिखा कि इस अहम मोड़ पर मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दूंगा। इससे पहले अटकलें थीं कि वे राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात करेंगे और अपना इस्तीफा सौंपेंगे। अटकलें यह भी लगाई जा रही थीं कि केंद्र सरकार राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर सकती है। अब सीएम -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुरियों का आपबीती सुनना हृदय छलनी करने जैसा : राहुल

इंफाल। हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के दौरे पर आए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को बिष्णुपुर जिले के मोइरांग शहर में दो राहत शिविर में गए। गांधी सुबह करीब साढ़ नौ बजे हेलीकॉप्टर से मोइरांग पहुंचे। उन्होंने यहां प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनकी व्यथा सुनी। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि जिन दो शिविरों को राहुल ने दौरा किया, वहां करीब 1000 लोग रहते हैं। लोगों की पीड़ा सुन राहुल गांधी दुखी दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हिंसा के कारण अपने प्रियजनों और घरों को खोने वाले लोगों की दुर्दशा को देखना और सुनना हृदय छलनी करने जैसा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जिस भी व्यक्ति से -शेष पृष्ठ दो पर

टिपरा मोथा अध्यक्ष ने की सीएम साहा से मुलाकात

अगरतला। टिपरा मोथा के अध्यक्ष प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने त्रिपुरा में चल रहे *राजनीतिक और प्रशासनिक* मामलों पर बातचीत करने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा से मुलाकात की। देबबर्मा, माणिक साहा से उनके आधिकारिक निवास पर गुरुवार की रात मिलने पहुंचे। सीएम से मुलाकात के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हमने मलाकात के दौरान राजनीतिक और प्रशासनिक जैसे विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। -शेष पृष्ठ दो पर

गडकरी और दिग्विजय ने बांधे एक-दूसरे की तारीफों के पुल

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के साथ मंच साझा किया। इस दौरान नितिन गडकरी ने दिग्विजय सिंह की तारीफ भी की। दोनों नेता पुणे में एक किताब के विमोचन के अवसर पर मिले थे। इस दौरान गडकरी ने दिग्विजय सिंह के पंढरपुर स्थित भगवान विट्ठल और देवी रुकमणी के मंदिर की वार्षिक यात्रा करने की तारीफ की। हर साल आषाढ़ी एकादशी पर देश के अलग-अलग हिस्सों से भक्त सोलापुर के पंढरपुर स्थित मंदिर नंगे पैर पहुंचते हैं। दिग्विजय सिंह हर साल आषाढ़ी एकादशी पर भगवान की पूजा करने के लिए पंढरपुर जाते हैं। पंढरपुर में भगवान विट्ठल और देवी रुक्मिणी का प्रसिद्ध मंदिर है। गडकरी और सिंह दोनों एक साथ पुणे के पिंपरी चिंचवड़ में दिवंगत कांग्रेस नेता रामकृष्ण मोरे -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दोषहीन कार्यों का होना दुर्लभ होता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

आरएसएस के शताब्दी वर्ष-2025 की तैयारी शुरू

लखनऊ (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के सौ वर्ष 2025 में पूरे हो रहे हैं। इसलिए संघ सेवा कार्यों के विस्तार व समाज के सभी वर्गों में प्रभावी संपर्क के माध्यम से शताब्दी वर्ष की आधारभूमि तैयार करेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की सरस्वती कुंज निरालानगर में पांच दिन चली बैठक शुक्रवार को संपन्न हो गई। इस बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने प्रमुख रूप से सेवा व संपर्क के आयामों को गति देने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा -शेष पृष्ठ दो पर

पुतिन ने मोदी को बगावत की साजिश और यूक्रेन पर दिया अपडेट

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच फोन पर बातचीत हुई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, क्रेमलिन ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आज भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर यूक्रेन संघर्ष और वैग्नर ग्रुप से निपटने को लेकर चर्चा हुई। बता दें कि कुछ दिन पहले रूस की प्राइवेट आर्मी ने पुतिन के खिलाफ बगावत कर दी थी, बगावत के 48 घंटे बाद वैग्नर ग्रुप ने अपना अभियान वापस ले लिया था। इससे पहले गुरुवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस तरह की तमाम खबरों को विराम लगाते हुए पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। एक समारोह के दौरान उन्होंने अपने देश के व्यापारियों को भारत से सीख लेने की नसीहत देते हुए कहा कि मेरा दोस्त नरेंद्र मोदी भारत में शानदार काम कर रहा है। हमें भी ठीक उसी तर्ज पर रूस में काम करने की जरूरत है। पुतिन ने कहा कि भारत में हमारे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ साल पहले एक कॉन्सेप्ट लेकर आए। उन्होंने मेक इन इंडिया को पेश किया। और आप जानते हैं कि मेड इन इंडिया का भारत की अर्थव्यवस्था के लिए वास्तव में बहुत लाभकारी -शेष पृष्ठ दो पर

हज यात्रा : पाकिस्तान से सऊदी अरब एविएशन ने मांगा बकाया

इस्लामाबाद। आर्थिक मंदी की मार झेल रहे पकिस्तान को मुस्लिम देशों से भी मदद नहीं मिल रही है। पाकिस्तानी हुक्मरान सऊदी अरब, तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे इस्लामिक देशों के साथ मुस्लिम भाईचारे की बातें करके मेलजोल बढ़ाने की कोशिश में तो लगे हुए हैं लेकिन फिर भी कोई उनकी तरफ मदद के हाथ नहीं बढ़ा रहा। सऊदी अरब की एविएशन एजेंसी जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन (जीएसीए) ने भी पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। जीएसीए ने पाकिस्तान की सरकारी एयलाइन्स कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन (पीआईए) को 4 करोड़ 80 लाख डॉलर का बकाया पेमेंट करने का नोटिस थामा है। अगर -शेष पृष्ठ दो पर

एससी में तुरंत सुनवाई तीन से

नई दिल्ली। तत्काल सुनवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला लिया है जिसकी शुरुआत अगले हफ्ते से हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अब नए मामलों को तत्काल लिस्टिंग की प्रक्रिया तय कर दी है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने नए मामलों को तत्काल सूचीबद्ध करने और उन पर सुनवाई के लिए खासतौर से मेंशनिंग की प्रक्रिया से संबंधित नई अधिसूचना जारी कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ग्रीष्मावकाश के बाद अगले हफ्ते सोमवार (3 जुलाई) से खुल रही है। नई व्यवस्था को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सोमवार को अमल में लाएंगे। न्यायिक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ट्विटर को झटका : कर्नाटक एचसी ने लगाया 50 लाख का जुर्माना

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार को ट्विटर द्वारा फरवरी 2021 और 2022 के बीच केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए दस ब्लॉकिंग आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सोशल मीडिया दिग्गज कंपनी को 39 यूआरएल हटाने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि ट्विटर कोई किसान या कानून से अपरिचित कोई सामान्य व्यक्ति नहीं है, बल्कि एक अरबपति कंपनी है। वहीं, इस मामले में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अदालत हमारे पक्ष पर कायम है। उन्होंने कहा कि देश के कानून का पालन किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित की एकल-न्यायाधीश पीठ ने, जिसने फैसले का ऑपरेटिव भाग तय किया, ट्विटर पर 50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया और इसे 45 दिनों के भीतर कर्नाटक राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण को भुगतान करने का आदेश दिया। जस्टिस कृष्णा एस दीक्षित ने कहा कि उसने समय पर ब्लॉक करने की केंद्र सरकार की मांगों का पालन नहीं करने का कारण नहीं बताया। फैसले के ऑपरेटिव भागों का उल्लेख करते हुए जस्टिस दीक्षित ने कहा कि वह केंद्र सरकार के रुख से आश्वस्त हैं कि उसके पास न केवल ट्वीट्स को ब्लॉक करने की शक्ति है, बल्कि वह खातों को भी ब्लॉक कर सकती है। अप्रैल में कर्नाटक हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा फरवरी 2021 और फरवरी 2022 के बीच 39 यूआरएल को हटाने के लिए जारी किए गए 10 आदेशों को चुनौती देने वाली ट्विटर की एक याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा था। जिस पर आज अपना फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी और ट्विटर पर ही 50 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, जो 45 दिनों के भीतर कर्नाटक राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, बेंगलुरु को देय होगा। यदि ये रकम देने में देरी होती है तो इस पर प्रति दिन 5,000 रुपए का अतिरिक्त शुल्क लगता है।

गुवाहाटी और सिकंदराबाद के बीच चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गुवाहाटी और सिकंदराबाद के बीच दोनों दिशाओं में एक ट्रिप के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने शुक्रवार को बताया है कि ट्रेन सं. 05614 (गुवाहाटी-सिकंदराबाद) स्पेशल 2 जुलाई को 6 बजे गुवाहाटी से रवाना होगी और 4 जुलाई को 6 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। वापसी की दिशा में ट्रेन नं. 05613 (सिकंदराबाद-गुवाहाटी) स्पेशल 9 जुलाई को 11.45 बजे सिकंदराबाद से रवाना होगी और 11 जुलाई को 10.20 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी। डे ने बताया कि दोनों तरफ की यात्रा के दौरान समर स्पेशल ट्रेन रंगिया, न्यू जलपाईगुड़ी, मालदा टाउन, खड़गपुर जंक्शन, पलासा, विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा, गुंटूर और नलगोंडा स्टेशनों से होकर गुजरेगी। 17 कोचों वाली इस ट्रेन में यात्रियों के लिए एसी 3-टियर, शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच होंगे।

बिहार में 12 घंटे के दौरान वज्रपात से 10 लोगों की मौत

पटना (हि.स.)। बिहार में बीते 12 घंटे से लगातार रुक-रक कर हो रही बारिश और वज्रपात से अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। पटना में बारिश को देखते हुए अधिकांश निजी विद्यालयों को बंद कर दिया गया है। आठ लोगों की मौत गुरुवार और दो की मौत शुक्रवार को हुई है। मृतकों में जमुई, मुंगेर, गया,बांका और खगड़िया तथा लखीसराय-शेखपुरा के व्यक्ति शामिल हैं। इनमें तीन लोगों की जान खेत और एक की मौत पशु चराने के दौरान हुई। पटना समेत प्रदेश के कई हिस्सों में जमकर बारिश हुई है। अगले तीन दिन तक मौसम का यही हाल रहेगा। अररिया के रानीगंज में सर्वाधिक 104.2 मिलीमीटर और राजधानी में 26.3 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। पटना सहित 26 शहरों के अधिकतम तापमान में गिरावट आई है।

No. MCH/HMS/2023/299/94

TENDER EXTENSION NOTICE

It is for general information to all concerned that, for wider participation in the e-tender vide No. MCH/HMS/2023/299/29, dtd. 08/06/2023 for **supply of Equipments in the various departments of GMCH under HMS, GMCH,** the bid submission last date is hereby extended up to 01/07/2023 till 2.00 Noon.

Superintendent cum Member Secretary
HMS, Gauhati Medical College Hospital
Guwahati-32

-- Janasanyog /C/6028/23

चावल घोटाले के सात आरोपी गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली विपणन सहकारी समिति से 23 सौ क्विंटल चावल का गबन करने के आरोप में आज गुवाहाटी से सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएम विजिलेंस की एक टीम ने इस सिलसिले में सुरजीत सेनापति, अनिरुद्ध पालित, भास्करज्योति कर, थुबीर तांती, सुब्रत बनिक, मृदुल तेरन और अशोक घोष को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि इस इलाके में लंबे समय से फर्जी लाभार्थियों के नाम पर गरीब लोगों को आवंटित सरकारी चावल आत्मसात कर लिया जाता था। चावल को काले बाजार में बेच दिया जाता था। इस प्रकार लंबे समय से चले आ रहे करोड़ों रुपए के चावल घोटाले के बाद मुख्यमंत्री सतर्कता प्रकोष्ठ में एक मामला दर्ज किया गया था। सीएम विजिलेंस ने उस मामले के आधार पर इन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में ट्रांसपोर्टर, डीलर और एजेंट आदि शामिल हैं। इन सभी ने अन्य जिलों में भी कथित तौर पर इसी तरह के कृत्यों को अंजाम दिया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए सात लोगों में एक पत्रकार का भाई भी शामिल है। गहपुर के इस पत्रकार के भाई ने कथित तौर पर इस तरह के घोटालों के माध्यम से करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित करने में कामयाबी हासिल की। उनके नाम पर कई प्रॉपर्टी के साथ-साथ कई लग्जरी कारें भी हैं। पूर्व में इस तरह के आरोपों की जांच हुई थी।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए एनसीसी कैडेट सम्मानित

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने राज्य से कुल 98 एनसीसी कैडेटों को उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए नकद राशि और स्मृति चिह्न प्रदान कर आज यहां एक कार्यक्रम में सम्मानित किया। जिसमें 10 सर्वश्रेष्ठ एसोसिएट एनसीसी अधिकारी (एएनओ), सर्वश्रेष्ठ एनसीसी अधिकारी (सीटीओ) और 88 सर्वश्रेष्ठ लड़के और लड़कियां शामिल हैं। राज्य के सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेटों को नकद प्रोत्साहन पुरस्कार समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशक मार्कन काडु ने कैडरों को नकद पुरस्कार और स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और पुरस्कार के लिए सर्वश्रेष्ठ कैडेटों के चयन के लिए सभी एएनओ, सीटीओ एवं कमांडिंग अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि छात्रों को सर्वोत्तम अवसरों का उपयोग करना चाहिए और एनसीसी और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेने की सलाह देते हुए राष्ट्र की सेवा में भाग लेने को कहा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक मार्कन काडू ने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हमारे छात्रों की नींव अच्छी नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप सीबीएसई परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतिशत अच्छा नहीं है, इसलिए हमें विशेष रूप से प्रारंभिक शिक्षा स्तर पर छात्रों की नींव में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

झाड़ियों में मिला शव

दरंग (हिंस)। दरंग जिलांतर्गत सिपाझार के बिजलीबारी में शुक्रवार को एक व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया है कि कुशल सहरिया (51) गुरुवार की शाम से ही लापता था। शुक्रवार को बिजलीबारी में झाड़ियों में एक शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को मिली। मृतक की शिनाख्त कुशल सहरिया (51) के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कुछ लोगों ने संदेह व्यक्ति किया है कि कुशल ने आत्महत्या की है। व्यक्ति की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

पृष्ठ एक का शेष

समान नागरिक संहिता...

गंभीर मुद्दों पर मुस्लिम भाई-बहनों को भड़का रहे हैं। उन्होंने यूसीसी का जिक्र करते हुए लोगों से पूछा था कि क्या एक परिवार में दो नियम हो सकते हैं? पीएम मोदी ने सुप्रीम कोर्ट का जिक्र करते हुए कहा, यहां तक की अदालत भी यूसीसी की वकालत कर चुकी है, लेकिन वोट बैंक की राजनीति करने वाले लोग इसका विरोध कर रहे हैं। पीएम की ओर यूसीसी की वकालत ऐसे समय में की गई है जब 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। यूसीसी का मुद्दा कई सालों से चर्चा में रहा है लेकिन इस बार पीएम की ओर से वकालत किए जाने के बाद यह साफ हो चुका है कि सरकार इस मुद्दे पर कदम आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पीएम की ओर से यूसीसी की वकालत किए जाने के बाद इसे लेकर पूरे देश में चर्चा शुरू हो गई है। यूसीसी को लेकर विपक्ष के कई नेताओं ने पीएम के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश बताया है। नेताओं ने कहा कि इस साल के अंत में कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं ऐसे में भाजपा इस मुद्दे को भुनाना चाहती है। विपक्षी नेताओं ने कहा कि यूसीसी के जरिए केंद्र सरकार देश में व्याप्त महंगाई, बेरोजगारी और मणिपुर में हिंसा के मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। समान नागरिक संहिता एक प्रस्ताव है जिसका उद्देश्य देश में सभी धर्म के लोगों के साथ एक समान व्यवहार करना और एक समान रूप से लागू करना है। सामान्य भाषा में इसे एक देश एक कानून भी कह सकते हैं, जो सभी धर्मों और समुदायों पर एक ही तरह से लागू होगा।

उत्तराखंड में ड्राफ्ट...

उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता लागू किया जाएगा। जय हिन्द, जय उत्तराखण्ड! पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में लागू होने वाले यूसीसी का मसौदा तैयार करने वाली समिति ने विभिन्न वर्गों के नागरिकों के साथ काम किया है। पिछले एक साल में 2 लाख से अधिक लोगों और प्रमुख हितधारकों से बात की। उन्होंने दावा किया कि यूसीसी के क्रियान्वयन के मामले में उत्तराखंड पूरे देश के सामने एक ज्वलंत उदाहरण बनकर उभरेगा। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई ने शुक्रवार को कहा कि उत्तराखंड के लिए प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मसौदा तैयार हो गया है और इसे जल्द ही राज्य सरकार को सौंप दिया जाएगा। उत्तराखंड सरकार ने पिछले साल विशेषज्ञों की समिति गठित की थी। इस समिति की प्रमुख देसाई ने कहा कि पैनल ने सभी प्रकार की राय और चुनिंदा देशों के वैधानिक ढांचे सहित विभिन्न विधानों एवं असंहिताबद्ध कानूनों को ध्यान में रखते हुए मसौदा तैयार किया है। उन्होंने कहा कि प्रारूप संहिता के साथ समिति की रिपोर्ट जल्द ही प्रकाशित की जाएगी और उत्तराखंड सरकार को सौंप दी जाएगी।

गर्मी की छुट्टियों ...

करती है कि स्कूल ग्रीष्म अवकाश के दौरान नियमित कक्षाएं संचालित करने के लिए बाध्य नहीं हैं। हालांकि, यदि शिक्षक और कर्मचारी स्वेच्छा से अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं, तो स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) और स्कूल प्रबंधन और विकास समितियों (एसएमडीसी) को उपचारात्मक कक्षाएं और पाठ्येतर गतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह ध्यान देने योग्य है कि अतीत में कई स्कूलों ने गर्मी की छुट्टियों के दौरान छात्रों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने, उपचारात्मक कक्षाओं की पेशकश करने और विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में संलग्न करने की पहल की है।

बीएआई के कार्यालय...

युवा पीढ़ी की प्रतिक्रियाओं सहित कई विषयों पर चर्चा की। बाद में, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा थॉमस कप का प्रदर्शन करने के लिए प्रदर्शन अनुभाग का जायजा लिया। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने वर्ष 2022 में भारत ने बैंकॉक में फाइनल में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर अपना पहला थॉमस कप खिताब जीता था। बीएआई के एक पदाधिकारी ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री सह बीएआई अध्यक्ष की यात्रा बैडमिंटन के खेल को बढ़ावा देने और समर्थन करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो भारत के युवाओं को प्रेरित और सशक्त बनाता है। बाद में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने ट्विटर हैंडल पर लिखा कि कि आज दिल्ली में ऐतिहासिक थॉमस कप ट्रॉफी का स्वागत करते हुए मेरा सीना गर्व से फूल गया है। अपनी स्थापना के 72 वर्षों के बाद पहली बार थॉमस कप जीतने के सपने को साकार करने के लिए टीम के प्रत्येक सदस्य और सभी सहयोगी स्टाफ को बधाई। बहुत बधाई!

मणिपुर : ताजा गोलीबारी ...

चुनौती दी। पुलिस की आवाजाही रोकने के लिए बीच सड़क पर टायर जलाते हुए भी देखा गया। सुरक्षाकर्मियों द्वारा उन्हें मुख्यमंत्री के आवास की ओर मार्च करने से रोके जाने पर वे हिंसक हो गए, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया। उन्हें लाठीचार्ज भी करना पड़ा। हराओथेल गांव से रुक-रुक कर गोलीबारी की आवाज आने के कारण स्टेडियम और मुनलाई गांव में असम राइफल्स की टुकड़ियां तैनात कर दी गई। बीते कल शाम मणिपुर में शांति के लिए प्रार्थना करने के लिए गुरुवार को चुराचांदपुर में एक कैंडल लाइट मार्च भी निकाला गया। इस बीच, मणिपुर में इंटरनेट प्रतिबंध की मियाद बढ़ा दी गई। मणिपुर की मौजूदा स्थिति को देखते हुए एक बार फिर से इंटरनेट सेवाओं पर लगे प्रतिबंध की मियाद को बढ़ा दिया गया है। इसी के साथ ही 5 जुलाई की दोपहर 3 बजे तक इंटरनेट सेवाओं पर लगी रोक को बढ़ाया गया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, जातीय झड़पों और हिंसा से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध 5 जुलाई को दोपहर 3 बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। बयान के मुताबिक, ऐसी आशंकाएं हैं कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाएं भड़काने वाली तस्वीरें, नफरती भाषण और नफरत से लबरेज वीडियो संदेश प्रसारित करने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी वजह से इंटरनेट पर लगे प्रतिबंध को बढ़ाया गया है।

सीएम बीरेन सिंह ...

के एलान के साथ ही उनके इस्तीफे की अटकलों पर विराम लग गया है। इस्तीफे की खबर सुनकर बीरेन सिंह के समर्थक उनके आवास के बाहर इकट्ठे हो गए और उनसे इस्तीफा न देने का अनुरोध किया। साथ ही बीरेन सिंह के समर्थन में बड़ी संख्या में महिलाएं इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के पास एकत्र हुई। एक महिला ने कहा कि हम नहीं चाहते कि सीएम इस्तीफा दें, उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए। वह हमारे लिए बहुत काम कर रहे हैं। मणिपुर के एक स्थानीय निवासी का कहना है कि हम दो महीने से मणिपुर में हिंसा से जूझ रहे हैं। हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं जब भारत सरकार और मणिपुर सरकार इस संघर्ष को लोकतांत्रिक तरीके से हल करेगी। ऐसी स्थिति में अगर मणिपुर के सीएम इस्तीफा दे देते हैं, तो लोग यहां कैसे रहेंगे, हमारा नेतृत्व कौन करेगा? मैं नहीं चाहता कि वह इस्तीफा दें। हमें उन पर भरोसा है। देखिए कैसे मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह का समर्थन करने वाली महिलाओं ने उनका इस्तीफा पत्र फाड़ दिया। तीन मई से मणिपुर में जारी हिंसा ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और उनकी सरकार की मुश्किलों बढ़ा रखी हैं। विपक्ष उन पर कानून-व्यवस्था न संभाल पाने का आरोप लगा रहा है। दूसरी तरफ राज्य के नौ विधायकों ने भी बीते दिनों प्रधानमंत्री कार्यालय में पीएम मोदी के नाम ज्ञापन सौंपकर प्रदेश नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। विधायकों ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार जनता के बीच अपना भरोसा खो चुके हैं। इस बीच एन बीरेन सिंह पर आदिवासी विरोधी एजेंडे को बढ़ाने के आरोप भी लग रहे हैं। बीते दिनों जब केंद्र सरकार ने मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए शांति समिति गठित की थी तो उसमें भी शामिल किए गए कई लोगों ने एन बीरेन सिंह के नेतृत्व के खिलाफ असंतोष जाहिर किया था और मुख्यमंत्री को शांति समिति में शामिल करने का विरोध किया था। मणिपुर में मैतई समुदाय जनजातीय आरक्षण देने की मांग कर रहा है। इसके खिलाफ बीती तीन मई को हिंसा भड़की थी और अब तक इस हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और सैंकड़ों लोग घायल हुए हैं। हजारों लोगों को हिंसा की वजह से विस्थापन झेलना पड़ा है और राज्य की कानून व्यवस्था बेपटरी हो गई है। केंद्र सरकार ने मणिपुर में जारी हिंसा पर बीते दिनों सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। राहुल गांधी भी दो दिवसीय दौरे पर मणिपुर में हैं।

राहुल के दौरे पर ...

को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकार हालात को काबू में लाने की कोशिश कर ही हैं। उन्होंने कहा कि वहां किसी सियासी नेता (राहुल गांधी) के जाने की जरूरत नहीं है, वो इस मामले का कोई हल नहीं निकालेंगे। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर उनके दौरे से कोई सकारात्मक नतीजा मिलता है तो ये अलग बात है, अन्यथा ये एक दिन का मीडिया हाइप है... वन डे एपिसोड है। उन्होंने कहा कि हमें राज्य की इस दुखद स्थिति से किसी तरह का सियासी लाभ नहीं लेना चाहिए। हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट करते हुए कहा कि मणिपुर के हालात सहानुभूति के जरिए मतभेदों को खत्म करने की मांग करती है। उन्होंने आगे कहा कि किसी राजनीतिक नेता के लिए अपनी तथाकथित यात्रा का इस्तेमाल मतभेदों को बढ़ाने के लिए करना देश के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के दोनों समुदायों ने ऐसे प्रयासों को साफ तौर पर खारिज कर दिया है। मणिपुर की राजधानी इंफाल में भाजपा के कार्यालय के पास गुरुवार को लोगों की काफी भीड़ इकट्ठा हो गई थी। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कई राउंड आंसू के गोले दागे। इसके बाद कार्यालय के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई।

मणिपुरियों का आपबीती...

मिलता हूं, चाहें वो छोटा बच्चा हो या बड़ा-बूढ़ा, सभी के चेहरे पर मदद की एक पुकार होती है। मणिपुर में फिलहाल सबसे ज्यादा किसी चीज की जरूरत है तो वह शांति है। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन और आजीविका को सुरक्षित करने के लिए शांति लाना जरूरी है। हम सभी का प्रयास उस लक्ष्य की ओर एकजुट होना चाहिए। राहुल गांधी के साथ मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह, पार्टी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, पीसीसी अध्यक्ष कीशम मेघचंद्र सिंह और पूर्व सांसद अजय कुमार थे। बता दें, मोइरांग को ऐतिहासिक रूप से उस शहर के रूप में जाना जाता है, जहां आईएनए (आजाद हिन्द फौज) ने 1944 में भारतीय तिरंगा फहराया था। कांग्रेस अध्यक्ष कीशम मेघचंद्र के अनुसार, राहुल गांधी इंफाल होटल में ठहरेंगे। वह यहां समान विचारधारा वाले 10 लोगों से मुलाकात करेंगे, जिनमें नागरिक समाज संगठन के नेता, यूनाइटेड नागा काउंसिल के नेता और राजनीतिक दलों के नेता शामिल होंगे। इस दौरान मणिपुर में सामान्य हालात करने के प्रयासों पर बातचीत होगी। मेघचंद्र ने कहा कि राहुल यहां शांति के लिए आए हुए हैं। वह इसके लिए सभी जरूरी प्रयास करेंगे। गौरतलब है, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद राहुल गांधी गुरुवार को मणिपुर पहुंचे। इंफाल पहुंचने के बाद वह राहत शिविरों का दौरा करने के लिए चुराचांदपुर की ओर जा रहे थे। तभी रास्ते में पुलिस ने उनके काफिले को रोक दिया था। काफी देर बाद जब पुलिस से इजाजत नहीं मिली तो वे इंफाल लौट आए और जैसा कि स्थानीय प्रशासन ने उनसे अनुरोध किया था, उस हिसाब से चॉपर के जरिए चुराचांदपुर रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने दो राहत शिविरों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी।

टिपरा मोथा अध्यक्ष ...

अब देखते हैं कि इसका नतीजा क्या निकलता है। ग्रेटर टिपरालैंड और कोकबोरोक के लिए रोमन लिपि पर सीएम के साथ चर्चा पर सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया के साथ सबकुछ साझा नहीं कर सकते, क्योंकि यह बैठक हमदोनों के बीच निजी तौर पर हुई है। उन्होंने कहा कि शाही वंशज ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह डोफा (समुदाय) के विकास के लिए बोलना जारी रखेंगे, क्योंकि उन्हें समुदाय के लिए बोलने के लिए ही चुना गया है। इस बात को याद रखना, मैं अपने समुदाय के खिलाफ कुछ भी नहीं बोलूंगा। केंद्र से ग्रेटर टिपरालैंड पर बातचीत को तीन महीने हो चुके हैं। जब तक इस मामले में कुछ नहीं होता, तब तक वह किसी प्रकार का बयान नहीं देंगे। देबबर्मा ने कहा कि उन्होंने त्रिपुरा ट्राइबल एरियाज ऑटोनोमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (टीटीएएडीसी) के लिए बजट परिव्यय और ऑटोनोमस ट्राइबल काउंसिल के लिए धन प्रवाह पर भी चर्चा की। बहिष्कार की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं, इस बात को दोहराते हुए देबबर्मा ने कहा कि वह विभिन्न मुद्दों पर पूर्व सीएम माणिक सरकार और बिप्लब कुमार देब से भी मिले थे। उन्होंने कहा कि वह भी सकारात्मक बातें करता हूं। अब चुनाव खत्म हो चुका है और राज्य के विकास के लिए काम करने समय आ चुका है।

गडकरी और दिग्विजय...

के किताब विमोचन कार्यक्रम में आए। अपने संबोधन के दौरान गडकरी ने आषाढ़ी एकादशी पर पंढरपुर की वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए सिंह की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मेरे अंदर उस तरह का साहस (चलने के लिए) नहीं है, जबकि मैं आपसे छोटा हूं। लेकिन आप (तीर्थयात्रा के दौरान) बहुत चले। आपको इसके लिए बधाई और आपका शुक्रिया। गडकरी को जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि गडकरी को भी कोशिश करनी चाहिए, जिससे वे भी नियमित रूप से इसमें भाग लेने लगेंगे। साल 2018 में गडकरी ने दिग्विजय द्वारा अपने बयान पर खेद व्यक्त करने के बाद उनके खिलाफ मानहानि का केस वापस ले लिया था। इस मामले को वापस लेने के लिए दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत में संयुक्त याचिका दायर की गई थी। गडकरी ने कोयला ब्लॉक आवंटन में अनियमितताओं में उनका नाम घसीटने के आरोप में सिंह के खिलाफ साल 2012 में मानहानि का मामला दर्ज कराया था। गडकरी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार 12,000 करोड़ रुपए की लागत से पालकी मार्ग विकसित कर रही है। उन्होंने इंजीनियरों से उस सड़क पर घास उगाने के लिए कहा है, जिससे कि वारकरी यात्रा के दौरान उस घास पर चला जा सके।

पुतिन ने मोदी को ...

साबित हुई। पुतिन ने कहा कि जो आविष्कार किया गया है उसकी कॉपी करने में कोई पाप नहीं है, चाहे वह हमने नहीं, बल्कि हमारे दोस्तों ने किया हो। यह बहुत अच्छी तरह से काम करता है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि विदेशी कंपनियों के बाहर निकलने और पश्चिमी प्रतिबंध लगाने के बाद रूसी बाजार में गिरावट नहीं हुई। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधों के कारण विपरीत प्रभाव पड़ा पुतिन ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, और एक से अधिक बार कहा है, प्रतिबंधों के कारण या पश्चिमी कंपनियों के अस्तित्व के कारण, दुनिया ढह नहीं गई। इसके अलावा, रूसी उद्यमियों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि रूस को घरेलू ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए एक नई नीति की जरूरत है।

हज यात्रा : पाकिस्तान...

पाकिस्तान इस रकम का भुगतान नहीं करेगा तो उसके नागरिक हज यात्रा पर नहीं जा सकेंगे। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ सरकार के लिए 30 जून (शुक्रवार) बेहद अहम तारीख साबित होने वाली है। दरअसल, 30 जून को इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) का प्रोग्राम खत्म हो रहा है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज एक हफ्ते में चार बार आईएमएफ चीफ से मिल चुके हैं लेकिन अब तक नए प्रोग्राम पर डील नहीं हो सकी। पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक पाकिस्तान से करीब 50 हजार हज यात्री सऊदी अरब के मक्का और मदीना जाने वाले हैं। अगर शहबाज सरकार सऊदी अरब को 4.8 करोड़ डॉलर बकाया नहीं चुकाती या इस मामले पर कोई समझौता नहीं होता तो इन यात्रियों की परेशानी बढ़ जाएगी क्योंकि पाकिस्तान से आने वाली तमाम कमर्शियल फ्लाइट्स को सस्पेंड कर दिया जाएगा।

एससी में तुरंत ...

प्रशासन के रजिस्ट्रार की ओर से 28 जून को जारी सर्कुलर में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शनिवार, सोमवार और मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री की ओर से वैरिफाइड किए गए इस तरह के मामले अपने आप ही आगामी सोमवार को बेंच के सामने सुनवाई के लिस्टेड हो जाएंगे। इस नए आदेश से अब वकीलों के सामने मुख्य न्यायाधीश के समक्ष केस का जिक्र करने की जरुरत खत्म हो जाएगी। इसी तरह जो नए मामले बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को रजिस्ट्री की ओर से वैरिफाई किए जाएंगे, वो अपने आप ही अगले शुक्रवार को सुनवाई के लिए लिस्टेड हो जाएंगे। सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि जो वकील वैरिफाइड नए मामलों को पहले से तय तारीखों से पहले सुनवाई के लिए लिस्टेड करवाना चाहते हैं, उन्हें अगले दिन तत्काल सुनवाई के लिए 3 बजे तक अपना आवेदन जमा कराना होगा। इसमें यह भी कहा गया है कि जो वकील केस को उसी दिन में ही लिस्टेड करवाना चाहते हैं, उन्हें अपना आवेदन फॉर्म मेशनिंग ऑफिसर के सामने सुबह 10.30 बजे तक जमा कराना होगा, साथ ही तत्काल सुनवाई की अनिवार्यता से जुड़ा पत्र भी जमा करवाना होगा। सर्कुलर के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश दोपहर के लंच के दौरान इस तरह के आवेदन पर फैसला करेंगे। इस बीच सुप्रीम कोर्ट में 3 जुलाई से नया रोस्टर लागू होने जा रहा है। कोर्ट 15 बेंचों के सामने नए मामलों के आवंटन के लिए एक नया रोस्टर ला रहा है। पहले 3 कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा दो वरिष्ठ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करेंगी।

आरएसएस के ...

शताब्दी वर्ष के निमित्त सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की बात कही है। सरकार्यवाह ने एक दिन विभाग प्रचारकों के साथ, एक दिन प्रान्त कार्यकारिणी के प्रचारकों और अंतिम दिन क्षेत्र कार्यकारिणी के के साथ बैठक की। सरकार्यवाह ने बैठक में संघ कार्य विस्तार पर भी चर्चा की। संघ ने वर्ष 2024 तक देश के सभी मंडलों में शाखा पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। कुछ प्रांतों ने यह लक्ष्य हासिल भी कर लिया है। संघ ने शाखाओं के विस्तार के लिए देशभर में करीब पांच हजार शताब्दी विस्तारक निकाले हैं। बड़ी संख्या में पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी विस्तार निकले हैं। इसलिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के चारों प्रान्तों को भी जल्द से जल्द शताब्दी विस्तारकों को ग्रामीण क्षेत्रों में भेजकर मण्डल स्तर तक प्रत्यक्ष संघ कार्य पहुंचाने को कहा गया है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **चतुर्दश अध्याय**

(आध्यात्मिक वंदना)

तुतु करता तू भया, भुल मैं चेतन रूप।
भीतर बाहर तुमहिं हो, अद्भुत शब्द स्वरूप॥ 27॥

शब्दार्थ : (मैं) जीवात्मा (अद्भुत) आश्चर्य।

भाष्य : तेरी आराधना करते-करते तेरे स्वरूप को प्राप्त हो गया और मेरा अपना चेतनस्वरूप विस्मरण हो गया। अब भीतर-बाहर तेरा अद्भुत शब्दस्वरूप ही सदैव दीखता है। ध्येय का ध्यान करते-करते ध्याता ध्येय के स्वरूप को प्राप्त करता है। जीव, परब्रह्म की उपासना करते-करते लोह-अग्निवत परब्रह्म से साधर्म्य को प्राप्त कर लेता है।

थाहत अनुभव ज्ञान में, अमित अनन्त अथाह।
गोता लाब समुद्र में, दशो दिशा सम आह॥ 28॥

शब्दार्थ : (थाहत) पानी का नापना, नीचे की तली का पता लगाना (गोता) डुबकी।

भाष्य : प्रभु-सत्ता अनुभव, ज्ञान में अनंत, अपरिमित और अथाह है, उसको नापा नहीं जा सकता। समुद्र में गोता लगाने पर चारों और दशों दिशाओं में जल-ही-जल सर्वत्र दिखाई पड़ता है, उसी प्रकार योग-समाधि में ऊर्ध्वमुख हो कर अन्तर्लीन होने पर चारों ओर भीतर-बाहर ब्रह्म-ही ब्रह्म प्रत्यक्ष अनुभव होता है।

मायुमं, गुवाहाटी समृद्धि शाखा ने छठवीं अमृतधारा की स्थापना की

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी समृद्धि शाखा ने बबीता मित्तल की अध्यक्षता में अपना छठा अमृतधारा प्रकल्प पल्टनबाजार स्थित बंगाली हाई स्कूल में स्थापित किया। कार्यक्रम की शुरुआत शाखा सचिव एकता गडोदिया अग्रवाल ने उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए किया। गुवाहाटी नगर निगम के वार्ड नं. 31 की पार्षद रत्ना सिंह भारद्वाज और बंगाली हाई स्कूल के प्रधान अध्यापक नजराना द्वारा रिबन काटकर मशीन का उद्घाटन किया गया। पूर्वोत्तर प्रदेश मारवाड़ी युवा मंच के अमृतधारा प्रकल्प चेयरपर्सन महेंद्र नाहर ने दीप प्रज्जवलित किया। मशीन के दानदाता ओम प्रकाश मित्तल के परिवार से उनकी पुत्रवधु ममता मित्तल एवं पौत्र केशव मित्तल उपस्थित रहे। ममता मित्तल ने स्वस्तिक चिन्ह बनाकर पूजा अर्चना किया। स्वच्छ भारत अभियान और पर्यावरण स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए शाखा ने 31 पौधे भी लगाए ताकि स्कूल के विद्यार्थियों को ताजी हवा मिल सके। यह पौधे में आम का पेड़, नींबू का पेड़, नीम का पेड़ और कई अन्य पौधे भी शामिल हैं। अमृतधारा सह संयोजक रंजना शर्मा और खुशबू बरड़िया के साथ शाखा के अन्य सदस्याए मौजुद थी।

बिहू नृत्य में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले 820 कलाकारों को प्रमाण पत्र

सभी को दी गई एकमुश्त राशि

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिले के बिहू नृत्य में भाग लेकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने वालों को सरकार ने सम्मानित किया है। आज गुवाहाटी के माछखोवा स्थित प्रागज्योति आईटीए सांस्कृतिक परियोजना में आयोजित एक समारोह में प्रमाण पत्र और एकमुश्त मानदेय प्रदान किए गए। असम सरकार के सांस्कृतिक मामलों के विभाग तथा कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि असम सरकार के सांस्कृतिक मामलों के राज्य मंत्री बिमल बोरा थे। समारोह के दौरान कुछ लोगों को सांकेतिक तौर पर प्रमाण पत्र तथा अनुग्रह राशि दी गई। बाकी लोग 5 जुलाई को जिला उपायुक्त के कार्यालय से प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। समारोह को संबोधित करते हुए राज्य के सांस्कृतिक आदि मामलों के मंत्री बिमल बोरा ने राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों की चर्चा की। इस अवसर पर जिला उपायुक्त पल्लव गोपाल झा ने स्वागत भाषण दिया। इस दौरान सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, गुवाहाटी नगर निगम के महापौर मृगेन शरनिया, सांस्कृतिक विभाग के विशेष सचिव अशोक बर्मन, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ध्रुवज्योति हजारिका आदि उपस्थित थे।

रंगिया: सु-परिवहन परियोजना के तहत नोडल शिक्षकों और छात्रों को मिला प्रशिक्षण

रंगिया (विभास)। रंगिया नगर में यातायात जाम की समस्या को दूर करने और रंगिया को दुर्घटना-मुक्त और सुरक्षित महकमा बनाने के लिए हाल ही में रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा शुरू की गई सु-परिवहन परियोजना के नोडल शिक्षकों और छात्रों के लिए परिवहन पर पहला प्रशिक्षण आज रंगिया के हरदत्त-बीरदत्त भवन प्रांगण में सुबह 10 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रंगिया महकमा के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक संस्थान के एक-एक नोडल शिक्षक सहित चयनित छात्रों को प्रमुख संसाधन व्यक्तियों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। इस मौके पर डीटीओ कार्यालय, कामरूप के एनफोर्समेंट निरीक्षक कृष्णकांत पाटगिरि, डीटीओ कार्यालय, कामरूप के सहायक एनफोर्समेंट निरीक्षक डॉ. खनींद्र बर्मन और डीटीओ कार्यालय, कामरूप के एनफोर्समेंट जांचकर्ता दीपक बयान संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित थे। जिन्होंने परिवहन के विषय में विस्तार से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन के दिशा निर्देशों पर तथा रंगिया महकमा के सहायक आयुक्त अनुपम बोड़ो के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसका मंच संचालन योगाचार्य ज्योतिष कलिता ने किया।

बुटिक्स ऑफ इंडिया की दो दिवसीय प्रदर्शनी का शानदार समापन

गुवाहाटी (विभास)। रिमझिम बरसात के बीच वृहस्पतिवार से खानापाड़ा स्थित होटल ताज विवांता में शुरू हुए बुटिक्स ऑफ इंडिया (बीओआई) के 35वे *समर एडिशन* एग्जिबिशन का शानदार समापन हुआ। बीओआई के संस्थापक तथा सीईओ संजय अग्रवाल ने बताया कि इस प्रदर्शनी सह बिक्री का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में एएम समूह की अध्यक्ष डॉ. अक्षता नारायण व विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. शांताश्री एम भुइयां ने किया। इस मौके पर लेडीज सर्कल इंडिया की एरिया 14 की चेयरपर्सन वंदना अग्रवाला, गुवाहाटी सिटी लेडीज सर्कल 159 की चेयरपर्सन रेबेका अग्रवाला, निर्वाचित अध्यक्ष स्वेता ढांढ़रिया सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। श्री अग्रवाल ने कहा कि आगामी त्योहारों के मद्देनजर आयोजित इस फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशंस में युवती एवं महिलाओं को लेटेस्ट ट्रेंड के फैशनेवल कपड़े से लेकर आभूषण व एसोसरिज एक छत तले उपलब्ध हैं। बुटीक्स ऑफ इंडिया के इस फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन में देश के विभिन्न हिस्सों से 65 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। जहां देश की कई नामी गिरामी डिजाइनरों द्वारा तैयार किए गए परिधान, आभूषण सहित घरेलू साज- सज्जा की वस्तुएं उपलब्ध हैं। देश भर के प्रीमियम ब्रांडों के साथ फैशन में स्थानीय स्वाद को ध्यान में रखते हुए इस बार एग्जिबिशंस में शायंती घोष डिजाइनर स्टुडियो, जयपुर से परिना ज्वेल्स, चेक दिल्ली, मुंबई से औरा क्रिएशन, सावनसुखा, डिजाइयर बैंगलोर, पलसानी ज्वेलर्स सहित कई नामी ब्रांड अपने नए कलेक्शन के साथ हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीओआई की इस दो दिवसीय प्रदर्शनी सह बिक्री में युवतियों एवं महिलाओं के लिए लेटेस्ट ट्रेंड के कलेक्शन की भरमार हैं। उनका मानना है कि बीओआई न केवल खरीदारी करने की जगह है, बल्कि कई छोटे नवोदित उद्यमियों के लिए एक व्यापार मंच भी है, जो जीवन में कुछ ब ?ा करने का सपना देखते हैं। दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रवेश पूरी तरह से नि:शुल्क है तथा इसका समापन शुक्रवार को होगा।

पालतू हाथी ने मचाया उत्पात

गोलाघाट (हिंस)। असम में जंगली हाथियों द्वारा उत्पात मचाने की खबरें प्रत्येक दिन आया करती है। लेकिन, इस बार जंगली हाथी ने नहीं, बल्कि खुमटाई में एक पालतू हाथी ने जमकर उत्पात मचा दिया। खुमटाई के निकटवर्ती शाऊंतली में एक हाथी ने काफी समय तक उत्पात मचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाथी ने एक घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। दुकान को तहस-नहस कर दिया। जानकारी के अनुसार शाऊंतली में एक विशालकाय हाथी को महावत ने एक छोटे से पेड़ से बांध दिया। लेकिन, हाथी ने पेड़ को तोड़कर वहां की घनी आबादी वाले इलाके में उत्पात मचाना शुरू कर दिया। हाथी ने प्रदीप अग्रवाल नामक व्यक्ति के घर की दीवारें तोड़ दी और किराने की दुकान का पूरा सामान तहस-नहस कर दिया।

विहंगम योग के शताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री को मिला न्योता

अगला गौकुंभ उतर गुवाहाटी व नलबाड़ी में

गुवाहाटी। विहंगम योग संस्थान के एक प्रतिनिधि मंडल ने आज तेजपुर सर्किट हाऊस में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात कर उन्हें 17-18 दिसंबर को वाराणसी में संस्थान के शताब्दी वर्ष पर आयोजित होने वाले 25 हजार कुंडीय विश्व शांति वैदिक महायज्ञ और संत समागम में आने का न्योता दिया, जिसे मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। मौके पर चंद्रप्रकाश शर्मा ने आगामी सितंबर में उतर गुवाहाटी और नलबाड़ी में गौकुंभ के आयोजन के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की और उनसे इन कार्यक्रमों में उपस्थित रहने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर घोड़मारी में अप्रैल में आयोजित हुए गौकुंभ को लेकर विहंगम योग संस्थान की भूरि भूरि प्रशंसा की। डॉ. शर्मा ने कहा कि गौकुंभ के आयोजन और गौशालाओं के निर्माण के जरिए संस्थान भारतीय धर्म और संस्कृति की बड़ी सेवा कर रहा है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के अध्यात्मिक तत्वों के प्रचार-प्रसार के साथ गौ संरक्षण एवं संवर्द्धन ही भारत और भारतीयता को मजबूत करेंगे। मौके पर कैंसर मरीज चित्रकार बच्ची ने मुख्यमंत्री की अपने हाथों से बनाई तस्वीर उन्हें भेंट की। वहीं हिंदीभाषी डेवलपमेंट काउंसिल के चेयरमैन जुगल किशोर पांडे ने उन्हें अध्यात्मिक ग्रंथ स्ववेंद भेंट किया तथा समाजसेवी सुशील डागा ने उन्हें गौकुंभ की प्रतीक के रूप में गौमाता की प्रतिकृति भे की। मौके पर समाजसेवी एवं रोटरेक्ट के नए डीजी निलेश अग्रवाल, प्रेम झंवर, रितेश मिसरुफ, शुभम अग्रवाल और जुगल डागा भी मौजूद थे।

राज्य में बाढ़ की स्थिति में तेजी से सुधार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में बाढ़ की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक अब राज्य के नौ जिले बाढ़ प्रभावित हैं। यहां के 37 हजार 737 से अधिक नागरिक प्रभावित हैं। सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। कई नदियों के तटबंध टूट गए हैं। सड़कें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। प्रशासन लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार देर शाम बाढ़ प्रभावित जिलों के आंकड़े जारी किए हैं। इन नौ जिलों में बजाली, बरपेटा, दरंग, ग्वालपारा, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप (ग्रामीण), लखीमपुर और शोणितपुर शामिल हैं। बाढ़ से 17 राजस्व सर्किल अंतर्गत 253 गांवों के 37 हजार 737 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 1526.08 हेक्टेयर फसल अभी भी प्रभावित है। बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। तीन राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। राहत शिविरों में कुल चार लोग आश्रय लिए हुए हैं। बाढ़ से राज्य के कुल 32 हजार 79 पशु धन प्रभावित हुए हैं। इनमें बड़े पशुओं की कुल संख्या 18 हजार 122 और छोटे पशुओं की 9 हजार 749 है जबकि 4 हजार 208 कुक्कुट भी प्रभावित हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान कामरूप (ग्रामीण) जिले में ए मेडिकल टीम को चिकित्सा देखभाल के लिए तैनात किया गया है।

भाजपा युवा मोर्चा, उत्तर हाजो मंडल ने चलाया महाजनसंपर्क अभियान

रंगिया (विभास)। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्रीय सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के मौके पर भाजपा द्वारा देशभर में महा जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तर हाजो मंडल के नेतृत्व में यह कार्यक्रम हाजो विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बारांगहाटी, कोया, धुही पंचायत में चलाया गया। जिसके अंतर्गत पार्टी के कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं, सेवानिवृत्त शिक्षकों, प्रोफेसरों, प्रमुख व्यवसायियों, आदर्श किसानों और पत्रकारों के आवास पर जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 9 वर्षों में भाजपा सरकार द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों के बारे में चर्चा की और इस मौके पर उनके बहुमूल्य सुझाव भी लिए। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तर हाजो मंडल के अध्यक्ष बसंत कलिता, महासचिव त्रिदीप कलिता, सोशल मीडिया संयोजक मनोज कलिता, सह-संयोजक कौशिक कलिता, भाजपा उत्तर कामरूप जिला सोशल मीडिया सेल के सदस्य कुमुद कलिता, युवा मोर्चा उत्तर कामरूप जिला के कार्यवाहक सदस्य रमेन दास, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता कमल कुमार सहित भाजपा युवा मोर्चा के अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीजीपी ने थाना प्रभारी बिमान रॉय को किया बर्खास्त

गुवाहाटी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के घोगरापार थाना के प्रभारी बिमान रॉय को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने बिमान रॉय को बर्खास्त किया है। रात्रि के समय एक ट्वीट में डीजीपी जीपी सिंह ने बिमान रॉय की सेवा से बर्खास्तगी किए जाने की जानकारी दी। ज्ञात हो कि ओसी बिमान रॉय पर थाने के अंदर एक किशोरी को नग्न कर उसका फोटो खींचने का आरोप था। ओसी विमान चंद्र रॉय घटना के बाद से फरार हैं। डीजीपी जीपी सिंह ने बिमान चंद्र रॉय की जानकारी देने वाले को लिए ईनाम देने की घोषणा की है। इस बीच पुलिस द्वारा फरार विमान चंद्र रॉय की तलाश में सुबह चार बजे तक तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने नलबाड़ी में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। लेकिन, अभी तक विमान जाल में नहीं फंसा है। गौरतलब है कि यह घटना 21 जून की रात घोगरापार थाने में हुई थी। घटना के संबंध में ओसी विमान चंद्र रॉय के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया था। डीजीपी जीजी सिंह ने इस पूरी घटना को असम पुलिस को कलंकित करनेवाला करार दिया था। । पुलिस महानिदेशक ने ट्वीट कर कहा कि घोगरापार थाने में हुई घटना से वे मर्माहत हैं। थाना एक मंदिर है। लोगों के लिए एक सुरक्षित आश्रय है। एक इंस्पेक्टर ने पूरे असम पुलिस को कलंकित किया है। उल्लेखनीय है कि असम पुलिस की छवि खराब करने वाले बिमान रॉय को पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है। मई 2017 में बिमान चंद्र रॉय को बोको पुलिस स्टेशन से एक ट्रक को छोड़ देने के नाम पर रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया गया था।

लघु उद्योग भारती, पूर्वोत्तर के अध्यक्ष बने रवि सुरेका

गठित महिला इकाई की नेहा खंडेलवाल बनीं संस्थापक अध्यक्ष

गुवाहाटी (विभास)। लघु उद्योग भारती (लुब)की पूर्वोत्तर इकाई की वार्षिक साधारण सभा प्रांतीय अध्यक्ष मनोज लुंडिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस सभा का शुभारंभ लुब के पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रभारी ओम प्रकाश मित्तल ने भारत माता व बाबा विश्वकर्मा के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर उनके साथ राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री आशीष देवड़ा, प्रांतीय अध्यक्ष मनोज लुंडिया, वरिष्ठ अभिभावक भंवर लाल अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री रवि सुरेका उपस्थित थे। उपस्थित सभी सदस्यों ने संगठन मंत्र का उच्चारण किया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री लुंडिया ने अपने स्वागत संबोधन में पूर्वोत्तर में लुब की ईकाई गठन के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि लघु उद्योग भारती माइक्रो स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज संस्था है। जिसमें पूर्वोत्तर के 650 से भी अधिक सदस्य सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। यह संस्था लघु उद्योग व उद्यमियों के हितों के लिए काम करती है। पूर्वोत्तर में नगांव, गोलाघाट के अलावा अन्य जगहों पर भी शाखाएं खोलने का अभियान जारी है। महामंत्री रवि सुरेका ने गत 2 वर्षों के कार्यक्रमों का लेखा-जोखा दिया। जिसे सभासदों ने ध्वनि मत से पारित किया। संगठन चर्चा के दौरान पूर्वोत्तर प्रभारी ओम प्रकाश मित्तल ने पूर्वोत्तर इकाई का नव निर्वाचन करते हुए आगामी सत्र के लिए रवि सुरेका के नाम की सर्वसम्मति से निर्विरोध प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में घोषणा की, विवेक अग्रवाल को प्रांतीय महामंत्री और अमित चीरावाल को प्रांतीय कोषाध्यक्ष के रूप में घोषणा की। मनोज लुंडिया को अब लुब पूर्वोत्तर प्रांत के चेयरमैन का दायित्व सौंपा गया है। पूर्वी भारत प्रभारी श्री मित्तल ने पूर्वोत्तर स्तर पर महिला इकाई का गठन करते हुए महिलाओं को प्रत्यक्ष रूप से इस संस्था के साथ जोड़ने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर नेहा खंडेलवाल को संस्थापक प्रांतीय अध्यक्ष कृष्णा कोलिता को प्रांतीय महामंत्री और कीर्ति अग्रवाल को प्रांतीय कोषाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया। इसके साथ ही पूर्वोत्तर प्रांत की कार्यकारिणी के पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा भी की एवं समस्त पदाधिकारियों का अभिनंदन भी किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री आशीष देवड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभा में नवगांव, गोलाघाट, जोरहाट के अलावा अन्य स्थानों के कई प्रतिनिधियों ने संगठन चर्चा के दौरान कई बहुमूल्य सुझाव दिए। नवनियुक्त महामंत्री विवेक अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रोटरी इंटरनेशनल डी 3240 के डीजी का पदभार संभालेंगे निलेश कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री ने दीं शुभकामनाएं

गुवाहाटी (ख.सं.)। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3240 के डिस्ट्रिक्ट गर्वनर नियुक्त किए जाने के बाद निलेश कुमार अग्रवाल ने आज मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने रोटरी क्लब के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने उन्हें शुभकामना दी। मालूम हो कि वे कल वर्द्धमान के डॉ. कुशनाभा पाभी से पदभार की जिम्मेवारी लेंगे और एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 तक इस पद पर बने रहेंगे, उनके अधिकार क्षेत्र में पूर्वोत्तर, सिक्किम दक्षिण और नॉर्थ बंगाल शामिल हैं। गौरतलब है कि वे गोकुल चंद्र अग्रवाल और पुष्पादेवी अग्रवाल के वंशज के हैं तथा गौहाटी विश्वविद्यालय से वाणिज्य और कानून में स्नातक की डिग्री हासिल की। वे रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर तेजपुर के सदस्य हैं। उन्होंने 1986 में रोटरी में अपनी यात्रा शुरू की, जब वे तेजपुर के रोटारैक्ट क्लब में शामिल हुए। सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण के कारण उन्हें 1991-92 में क्लब के अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई और उन्हें जिले में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का पुरस्कार मिला। इसके बाद उन्होंने विभिन्न पदों पर अपनी सेवा प्रदान की और उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 1997-98 में जिला रोटारैक्ट प्रतिनिधि के रूप में चुना गया। डीआरआर के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें रोटरी इंटरनेशनल द्वारा उत्कृष्ट डीआरआर के रूप में सम्मानित किया गया। रोटरी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके रोटारैक्ट वर्षों से आगे बढ़ गई, जब वे रोटरी क्लब ऑफ ग्रेटर तेजपुर के चार्टर्ड अध्यक्ष बने। उन्होंने सहायक गर्वनर, जिला रोटारैक्ट समिति के अध्यक्ष, यूथ एक्सचेंज के अध्यक्ष, जिला पुरस्कारों के अध्यक्ष, आरवाईएलए के अध्यक्ष, जिला सचिव रोटरी फाउंडेशन और विभिन्न जिला समितियों के सदस्यों सहित विभिन्न क्षमताओं में जिले की सेवा करके रोटरी आंदोलन के प्रति समर्पण जारी रखा। यूथ एक्सचेंज के अध्यक्ष के रूप में उनके नेतृत्व में जिले ने सभी प्रकार के यूथ एक्सचेंज कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी के लिए रोटरी इंटरनेशनल से प्रमाणन प्राप्त किया। रोटरी के प्रति उनके समर्पण के कारण उन्हें क्लब और जिला दोनों स्तरों पर कई पुरस्कार मिले। वे मेजर डोनर लेवल और रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3240 फाउंडेशन के मल्टीपल फेलो हैं। वे विवेकानंद केंद्र विद्यालय, मारवाड़ी युवा मंच, अग्रवाल सभा, चेंबर ऑफ कॉमर्स, फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी और रेड क्रॉस सोसायटी जैसे महत्वपूर्ण संगठनों से भी जुड़े हुए हैं। इसके अलावा विहंगम योग संस्थान तेजपुर और महर्षि धर्मचंद देव गौशाला घोरामाड़ी से सक्रिय रूप से जुड़े हैं। उनकी शादी लॉ ग्रेज्यूएट लक्ष्मी से हुई है। लक्ष्मी एक सामाजिक उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता भी है। वह इनर व्हील क्लब ऑफ तेजपुर सहित कई संगठनों से जुड़ी हुई है, जिसके वह अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

लोगों ने खदेड़कर ड्रग्स तस्कर को पकड़ा

बाक्सा (हिंस)। बोड़ो टेरिटोरियल रिजन (बीटीआर) के बाक्सा के बनमजा से एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि ग्राम सुरक्षा वाहिनी और स्थानीय लोगों ने ड्रग्स तस्कर को खदेड़कर पकड़ लिया। हालांकि, अन्य तीन ड्रग्स तस्कर भागने में कामयाब रहे। पकड़ने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। बताया जाता है कि गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर की पहचान बाबुल अली के रूप में हुई है। गिरफ्तार बाबुल अपनी बाइक लेकर भागने की कोशिश कर रहा था। लोगों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। इसी दौरान उसका एक्सीडेंट हो गया, जिसके बाद लोगों ने उसे पकड़ लिया।

डीयू सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं बल्कि एक आंदोलन है : प्रधानमंत्री

अजय त्यागी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आजादी में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि डीयू केवल एक विश्वविद्यालय नहीं बल्कि एक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृतकाल में डीयू का लक्ष्य भारत को विकसित भारत बनाना होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को डीयू के शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। उन्होंने डीयू के उत्तरी परिसर में बनने वाले प्रौद्योगिकी संकाय, कंप्यूटर केंद्र और शैक्षणिक ब्लॉक सहित तीन इमारतों की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर दो कॉफी टेबल बुक्स भी लॉन्च कीं। प्रधानमंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय पहुंचने के लिए मेट्रो की सवारी की। यात्रा के दौरान उन्होंने छात्रों से बातचीत भी की। इस बातचीत का जिक्र उन्होंने अपने संबोधन में भी किया। उन्होंने कहा, ह्वे सूरज के नीचे हर चीज के बारे में बात करेंगे। कौन सी फिल्म देखी? ओटीटी पर वो सीरीज अच्छी है। वो वाली रील देखी या नहीं देखी? चर्चा करने के लिए विषयों का एक महासागर है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब किसी व्यक्ति या संस्था का संकल्प देश के प्रति होता है, तो उसकी उपलब्धियां राष्ट्र की उपलब्धियों के बराबर होती हैं। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली विश्वविद्यालय की शुरूआत हुई थी तब इसके अंतर्गत केवल 3 कॉलेज थे लेकिन आज इसके अंतर्गत 90 से अधिक कॉलेज हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत जिसे कभी नाजुक अर्थव्यवस्था माना जाता था वह अब दुनिया की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। यह देखते हुए कि डीयू में पढ़ने वाली महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है, प्रधानमंत्री ने बताया कि देश में लिंग अनुपात में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने एक विश्वविद्यालय और एक राष्ट्र के संकल्पों के बीच अंतसंबंध के महत्व पर जोर दिया और कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की जड़ें जितनी गहरी होंगी, देश की प्रगति उतनी ही अधिक होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब दिल्ली विश्वविद्यालय पहली बार शुरू हुआ था तो उसका लक्ष्य भारत की आजादी था, लेकिन अब जब

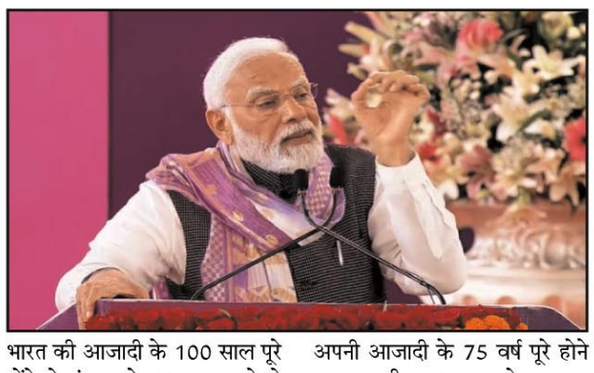

भारत की आजादी के 100 साल पूरे होंगे तो संस्थान के 125 साल पूरे हो जायेंगे, दिल्ली विश्वविद्यालय का लक्ष्य भारत को 'विकसित भारत' बनाना होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, 'पिछली सदी के तीसरे दशक ने भारत की आजादी के संघर्ष को नई गति दी, अब नई सदी का तीसरा दशक भारत की विकास यात्रा को गति देगा।ह्व प्रधानमंत्री ने बड़ी संख्या में आने वाले विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, आईआईटी, आईआईएम और एम्स का संकेत दिया। उन्होंने कहा, ये सभी संस्थान नए भारत के निर्माण खंड बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय का शताब्दी समारोह ऐसे समय में हो रहा है जब भारत अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, किसी भी देश के विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान उसकी उपलब्धियों का प्रतिबिंब प्रस्तुत करते हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, डीयू की 100 साल पुरानी यात्रा में कई ऐतिहासिक स्थल रहे हैं, जिन्होंने कई छात्रों, शिक्षकों और अन्य लोगों के जीवन को जोड़ा है।ह्व उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय सिर्फ एक विश्वविद्यालय नहीं बल्कि एक आंदोलन है और इसने हर एक पल को जीवन से भर दिया है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विषयों के चयन में लचीलेपन की बात की। संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार और उनमें प्रतिस्पर्धात्मकता लाने की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क का उल्लेख किया जो संस्थानों को प्रेरित कर रहा है। उन्होंने संस्थानों की स्वायत्तता को शिक्षा की गुणवत्ता से जोड़ने के प्रयास की ओर भी इशारा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य की शैक्षिक नीतियों और फैसलों के कारण भारतीय विश्वविद्यालयों की मान्यता बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि जहां 2014 में क्यूएस विश्व रैंकिंग में केवल 12 भारतीय विश्वविद्यालय थे, वहीं आज यह संख्या 45 तक पहुंच गई है। उन्होंने इस परिवर्तन के लिए मार्गदर्शक शक्ति के रूप में भारत की युवा शक्ति को श्रेय दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र, समानता और आपसी सम्मान जैसे भारतीय मूल्य मानवीय मूल्य बन रहे हैं, जिससे सरकार और कूटनीति जैसे मंचों पर भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इतिहास, संस्कृति और विरासत पर ध्यान भी युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में स्थापित किये जा रहे जनजातीय संग्रहालयों और पीएम संग्रहालय के जरिये स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा को प्रस्तुत किये जाने का उदाहरण दिया। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि दुनिया का सबसे बड़ा विरासत संग्रहालय - 'युगे युगीन भारत' भी दिल्ली में बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारतीय शिक्षकों की बढ़ती मान्यता को भी स्वीकार किया और उल्लेख किया कि कैसे विश्व नेता अक्सर उन्हें अपने भारतीय शिक्षकों के बारे में बताते हैं। उन्होंने कहा, भारत की यह सॉफ्ट पावर भारतीय युवाओं की सफलता की कहानी बन रही है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से इस विकास के लिए अपनी मानसिकता तैयार करने को कहा। उन्होंने इसके लिए एक रोडमैप तैयार करने को कहा और दिल्ली यूनिवर्सिटी से कहा कि जब वे 125 साल का जश्न मनाएं तो उन्हें दुनिया के शीर्ष रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों में शामिल होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, भविष्य बनाने वाले इनोवेशन यहीं हों, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विचार और नेता यहीं से निकलें, इसके लिए आपको लगातार काम करना होगा।

विपक्ष को सहन नहीं करना चाहती सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार विपक्ष को पसंद नहीं करती। इस लिए विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश हो रही है। खड़गे ने राहुल गांधी की मणिपुर यात्रा को लेकर शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी हिंसा ग्रस्त राज्य मणिपुर में लोगों के सुख-दुख जानने गए हैं। वह मणिपुर में लोगों के हालात समझने, कठिनाई जानने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें वहां रोका गया और सत्ता पक्ष ने उनकी यात्रा को ड्रामा करार दिया। खड़गे ने कहा कि वह सत्ता पक्ष से पूछना चाहते हैं कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मणिपुर का दौरा कर चुके हैं। ऐसे में अगर राहुल की यात्रा ड्रामा है तो गृह मत्री की यात्रा को क्या कहेंगे? उल्लेखनीय है कि हिंसा प्रभावित राज्य मणिपुर के दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को राहुल गांधी मणिपुर पहुंचे। यहां उन्हें कई जगहों पर सुरक्षा कारणों का हवाला देकर रोका गया। जिसको लेकर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी। अभी तक इस हिंसा में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। मणिपुर में हुई हिंसा पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने भी दुख प्रकट किया था और वहां के लोगों से शांति की अपील की थी।

केजरीवाल 3 जुलाई को जलाएंगे अध्यादेश की प्रतियां

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। केंद्र द्वारा लाए गए दिल्ली में अध्यादेश के खिलाफ लगातार आम आदमी पार्टी (आप) भाजपा पर हमलावर है। इसी कड़ी में पार्टी ने घोषणा कि है कि तीन जुलाई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने सभी मंत्री और विधायकों के साथ मिलकर पार्टी मुख्यालय पर अध्यादेश की प्रतियों को जलाएंगे। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर एक बार फिर इस अध्यादेश के खिलाफ भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पांच जुलाई को सभी 70 विधानसभाओं में इसकी प्रतियां जलाई जाएंगी। 6 से 13 जुलाई तक दिल्ली के हर गली-मोहल्ले-चौक पर अध्यादेश की प्रतियां जलाई जाएगी। इस आदेश की कॉपी जब दिल्ली के कोने-कोने में जलाई जाएंगी तब यह संकेत जाएगा कि इस काले अध्यादेश से यहां के लोग खुश नहीं है। भारद्वाज ने आगे कहा कि दिल्ली की जनता ने 2013 में केजरीवाल को पहली बार

70 में से 67 विधानसभाओं पर जीत देकर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया। 2015 में दूसरी और 2020 में 62 सीटें जीताकर तीसरी बार अपना मुख्यमंत्री चुना है।

कहा जा सकता है कि देश के सबसे प्रसिद्ध मुख्यमंत्रियों में केजरीवाल का नाम शुमार होता रहा है। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा ने तीनों चुनावों में खूब जोर लगाया, लेकिन उनको जीत हासिल नहीं हुई। अब भाजपा दिल्ली के लोगों से बदला लेना चाहती है। दिल्ली में बिजली, पानी, इलाज, महिलाओं की बस यात्रा और बुजुर्गों की तीर्थयात्रा मुफ्त है। इससे केंद्र को बहुत दिक्कत है। केंद्र सरकार गैर कानूनी तरीके से दिल्ली की सत्ता पर कब्जा जमाना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने चुनी हुई सरकार को अधिकार दिया। उसके विपरीत केंद्र ने रात में ही अध्यादेश लाकर दिल्ली की पावर उपराज्यपाल को सौंप दी। मंत्री ने कहा है कि भाजपा के कट्टर समर्थक भी कह रहे हैं कि ये दिल्ली की जनता के साथ धोखा है। इस काले अध्यादेश का विरोध करना चाहिए। ऐसे में अब आम आदमी पार्टी इस अध्यादेश का दिल्ली की सड़कों पर विरोध करेगी।

अमरनाथ सुरक्षा काफिले का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, डीएसपी सहित 4 घायल

उधमपुर, (हि.स.)। अमरनाथ सुरक्षा काफिले की बोलेरो के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी दीवार के साथ टकराने से उसमें सवार डीएसपी सहित 4 पुलिस जवान घायल हो गए। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के उपरांत डीएसपी को बेहतर इलाज के लिए सेना अस्पताल उधमपुर में स्थानांतरित कर दिया गया। बाबा बफार्नी के दर्शनों के लिए शुक्रवार सुबह जम्मू से रवाना हुए पहले जत्थे के साथ चल रहे सुरक्षा काफिले के वाहनों में एक पुलिस का बोलेरो वाहन नंबर जेके02सीडब्ल्यू-4605 बलिनाला के समीप गति तेज होने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी दीवार के साथ टकरा गया। इस दुर्घटना में गाड़ी में बैठे एक आईआर 24 बटालियन के डीएसपी अजय कुमार (58) निवासी वार्ड नंबर-1 उधमपुर सहित चार पुलिस कर्मी घायल हो गए। घायलों को मौके से निकाल कर जिला अस्पताल में पहुंचाया गया। यहां पर प्राथमिक उपचार देने के उपरांत डीएसपी को बेहतर इलाज के लिए सेना अस्पताल उधमपुर में स्थानांतरित कर दिया गया। इस दुर्घटना में अन्य घायल जवानों की पहचान एयाज अहमद (36) पुत्र मुश्ताक अहमद निवासी चका, तहसील बाला, जिला डोडा, सागर (29) पुत्र बोध राज निवासी न्यू प्लाट, जम्मू तथा मोहिंद्र सिंह (28) पुत्र बुद्धि सिंह निवासी मादा, चिनैनी, उधमपुर के रूप में बताई गई है।

एनडीएमसी ने अपने क्षेत्र में एक जुलाई से 30 सितंबर तक सड़कों की कटाई और खुदाई पर लगाई रोक

अजय कुमार

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने मानसून के मौसम को देखते हुए सड़क काटने और खोदने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। यह प्रतिबंध 01 जुलाई से 30 सितंबर तक लागू रहेगा। यह प्रतिबंध आपातकालीन स्थिति में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति लेकर किये जाने वाले कार्यों पर लागू नहीं होगा तथा इसके अतिरिक्त सभी शेष अन्य कार्यों पर लागू रहेगा। एनडीएमसी से मिली जानकारी के अनुसार, एनडीएमसी ने यह भी निर्णय लिया है कि जनता को किसी

भी तरह की असुविधा से बचने के लिए मानसून के मौसम को ध्यान में रखते हुए किसी भी सड़क की कटाई जो पहले से ही चल रही है, उस स्थान को साफ-सुथरा, समतल और अच्छी तरह से बहाल किया जाएगा। किसी भी मामले में, जहां पालिका परिषद क्षेत्र के लिए सड़क काटने या खोदने की अनुमति पहले ही दी जा चुकी है, लेकिन जमीन पर कोई काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है, वहां भी सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से आपातकालीन कार्य को छोड़कर, सड़क काटने या खोदने की प्रतिबंध अवधि के दौरान किसी भी सड़क कटाई या खुदाई की अनुमति नहीं दी जाएगी।

वायुसेना में एलसीए तेजस की सेवा के सात साल पूरे, भारत को दिलाई नई पहचान

नई दिल्ली, (हि.स.)। स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस शनिवार को भारतीय वायुसेना में अपनी सेवा के सात साल पूरे कर लेगा। बहु-भूमिका वाले इस विमान को वायु रक्षा, समुद्री टोही और स्ट्राइक भूमिका निभाने के लिए डिजाइन किया गया है। आने वाले वर्षों में एलसीए और इसके अन्य वेरिएंट भारतीय वायु सेना का मुख्य आधार बनेंगे। सात वर्षों के भीतर एलसीए तेजस ने कई अंतरराष्ट्रीय अभ्यासों में हिस्सा लेकर भारत को अलग पहचान दिलाई है। एचएएल तेजस एकल इंजन, डेल्टा विंग, हल्का मल्टीरोल फाइटर है, जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के एयरक्राफ्ट रिसर्च एंड डिजाइन सेंटर (एआरडीसी) के सहयोग से एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) ने वायु सेना और नौसेना के लिए डिजाइन किया है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) कार्यक्रम 1980 के दशक में भारत के पुराने मिग-21 लड़ाकू विमानों को बदलने के लिए शुरू हुआ था, लेकिन बाद में सामान्य बेड़े आधुनिकीकरण कार्यक्रम का हिस्सा बन गया। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार के समय 2003 में एलसीए को आधिकारिक तौर पर 'तेजस' नाम दिया गया था। भारतीय वायु सेना की सेवा में रहते 01 जुलाई को एलसीए

तेजस सात साल पूरे कर लेगा। भारतीय वायुसेना ने 01 जुलाई, 2016 को पहली तेजस यूनिट का निर्माण करके विमान को सेवा में शामिल किया किया, जिसका नाम 'फ्लाइंग ड्रैगर्स' है। वायु सेना ने इसके बाद मई, 2020 को दूसरी तेजस स्क्वाड्रन 'फ्लाई बुलेट' का निर्माण किया। यह दोनों स्क्वाड्रन सुलूर में स्थापित हैं। विमान की क्षमता को इसके मल्टी-मोड एयरबोर्न रडार, हेलमेट माउंटेड डिस्प्ले, सेल्फ-प्रोटेक्शन सूट और लेजर डेजिग्नेशन पॉड के साथ और बढ़ाया गया है। वर्तमान में तेजस के तीन उत्पादन मॉडल मार्क 1, मार्क 1ए और एक ट्रेनर संस्करण हैं। भारतीय वायुसेना ने एचएएल को 83 एलसीए एमके-1ए का ऑर्डर देकर इस हल्के लड़ाकू विमान पर भरोसा जताया है, जिसमें अपडेटेड एवियोनिक्स के साथ-साथ एक एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्टीयरड रडार, अपडेटेड इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और एक बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल क्षमता होगी। नया संस्करण बढ़ी हुई स्टैंड-ऑफ रेंज से ढेर सारे हथियारों को फायर करने में सक्षम होगा। इनमें से कई हथियार स्वदेशी मूल के होंगे। एलसीए तेजस के एमके-1ए संस्करण में 50 फीसदी स्वदेशी सामग्री है, जिसे 60% तक बढ़ाया जाएगा। विमान की डिलीवरी फरवरी, 2024 में शुरू होने की उम्मीद है। आने वाले वर्षों में एलसीए और इसके भविष्य के वेरिएंट भारतीय वायु सेना का मुख्य आधार बनेंगे। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस ने मलेशिया, दुबई एयर शो, श्रीलंका, सिंगापुर सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भारत की स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। विमान ने पहले ही घरेलू स्तर पर विदेशी वायु सेनाओं के साथ अभ्यास में भाग लिया है। मार्च, 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में एक्स-डेजर्ट फ्लैग विदेशी धरती पर तेजस का पहला अभ्यास था। एलसीए तेजस आने वाले वर्षों में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ बनेगा। एलसीए तेजस में बड़ी संख्या में नई प्रौद्योगिकियां शामिल हैं, जिनमें से कई का प्रयास भारत में कभी नहीं हुआ। यह प्रोजेक्ट भारतीय एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को एक जीवंत आत्मनिर्भर इकोसिस्टम में बदलने के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा।

मुंबई बीएमसी कोविड घोटाला मामले में संजीव जायसवाल से ईडी की पूछताछ जारी

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई बीएमसी कोविड घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को भी तत्कालीन मुंबई नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त संजीव जायसवाल से पूछताछ कर रही है। जायसवाल आज दूसरे समन के बाद ईडी कार्यालय पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार मुंबई में कोविड के दौरान उपचार केंद्रों का कांट्रिक्ट देने में बड़े पैमाने पर घोटाला किए जाने की शिकायत भारतीय

जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष किरीट सोमैया ने की थी। इसी शिकायत के आधार पर ईडी की टीम ने मामले की छानबीन शुरू किया है। इस मामले में ईडी की टीम अब तक आठ लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। मामले की पूछताछ के लिए ईडी की टीम ने संजीव जायसवाल को समन जारी किया था, लेकिन संजीव जायसवाल ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे। इसी वजह से गुरुवार को फिर से ईडी ने जायसवाल को समन जारी कर शुक्रवार को कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। ईडी कार्यालय में ईडी के अधिकारी जायसवाल से पूछताछ कर रही है।

आनंद पर्वत में बिल्डिंग की छत गिरी, एक की मौत

नई दिल्ली। मध्य जिले के आनंद पर्वत इलाके के औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार को एक फैक्ट्री बिल्डिंग की दूसरी मंजिल की छत गिरने से वहां मौजूद एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मामले में केस दर्ज कर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मलबे में दबे दो लोगों को आनन फानन में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां पर शत्रुध्न चंद (55) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। चंद उत्तम नगर के रहने वाले थे। जबकि दूसरा शेषनारायण तिवारी का उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृतक के शव

को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी संजय सैन ने शुक्रवार को बताया कि इस मामलें में एफआईआर संख्या 380/23 यू/एस 304ए/34 आईपीसी दर्ज किया गया है। मामले में एक आरोपित सरबजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पनडुब्बी 'शंकुश' की 2725 करोड़ रुपये से होगी मरम्मत, एमडीएल से हुआ अनुबंध

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्र की 36 साल सेवा करने वाली पनडुब्बी शंकुश को 2725 करोड़ रुपये से मरम्मत करवाकर फिर से युद्ध लायक बनाया जायेगा। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। इसके बाद पनडुब्बी को जीवन प्रमाणन के साथ मीडियम रीफिट के लिए भेजा जाएगा। मरम्मत के बाद पनडुब्बी 2026 में नौसेना को मिलेगी, जिसके बाद उन्नत लड़ाकू क्षमता के साथ भारतीय नौसेना के सक्रिय बेड़े में शामिल किया जाएगा। शिशुमार श्रेणी की पनडुब्बियों में से दूसरी इलेक्ट्रिक हमला पनडुब्बी शंकुश को 11 मई, 1984 को लांच किया गया था। इसके बाद 20 नवंबर, 1986 को भारतीय नौसेना में शामिल की गई थी। पश्चिम जर्मनी में निर्मित इस पनडुब्बी ने राष्ट्र की सेवा के 36 साल पूरे कर लिए हैं। इसे 40 सदस्यीय चालक दल द्वारा संचालित किया जाता है, जिसकी लंबाई 65 मीटर और गोता लगाने का क्षमता 1,813 टन है। यह पनडुब्बी अत्याधुनिक हथियारों और सेंसरों की एक श्रृंखला से लैस है, जो उसे विभिन्न बेड़े, सामरिक और थिएटर स्तर के अभ्यास और परिचालन तैनाती में भाग लेने में सक्षम बनाती है। रक्षा मंत्रालय ने आज मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के साथ सबमरीन आईएनएस शंकुश की सब-सरफेस किलर (एसएसके) क्लास के लाइफ सर्टिफिकेशन के साथ मीडियम रिफिट के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसकी कुल लागत 2725 करोड़ रुपये है। शंकुश एसएसके क्लास की पनडुब्बी है, जिसे एमडीएल, मुंबई में दोबारा फिट किया जाएगा। मरम्मत पूरी होने के बाद आईएनएस शंकुश युद्ध के लिए तैयार हो जाएगी और उन्नत लड़ाकू क्षमता के साथ 2026 में नौसेना को मिलेगी। इसके बाद इसे भारतीय नौसेना के सक्रिय बेड़े में शामिल किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह परियोजना भारत के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने के लिए रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल हब के रूप में एमडीएल के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अब दिल्ली मेट्रो में दो बोतल शराब ले जा सकेंगे यात्री

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने यात्रियों को शराब की दो बोतलें लेकर सफर करने की अनुमति दे दी है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने आधिकारिक बयान में कहा है कि दिल्ली मेट्रो के नियमों में बदलाव किया गया है। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के प्रावधानों के अनुरूप अब दिल्ली मेट्रो में प्रति व्यक्ति को शराब की दो सीलबंद बोतलें ले जाने की अनुमति है। डीएमआरसी ने अपने बयान में साफ किया है कि सिर्फ शराब की सीलबंद दो बोतल लेकर चलने की अनुमति दी गई है। शराब पीकर गलत हरकत करने या मेट्रो में शराब पीने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह बयान जारी कर

डीएमआरसी ने मेट्रो में शराब ले जाने पर लगाई गई अपनी पाबंदी वापस ले ली है। अभी तक दिल्ली मेट्रो की सिर्फ एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन में ही शराब की बोतलें लेकर यात्रा करने की अनुमति थी। नियमों में बदलाव के बाद अब मेट्रो की अन्य सभी लाइनों में भी शराब की बोतल लेकर यात्रा की जा सकेगी। मेट्रो में शराब लेकर चलने पर प्रतिबंध के फैसले को लेकर सीआईएसफ अधिकारियों के साथ डीएमआरसी के अफसरों ने समीक्षा की थी। इसके बाद यह फैसला लिया गया।

चार राज्यों को जोड़ने वाले ग्रीन कॉरिडोर का प्रधानमंत्री 8 को करेंगे लोकार्पण

प्रधानमंत्री मोदी नौरंगदेसर में एक जनसभा को भी करेंगे संबोधित
अमृतसर से जामनगर का 23 घंटे का सफर अब 12 घंटे में होगा पूरा

बीकानेर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 8 जुलाई को राजस्थान के बीकानेर में अमृतसर से जामनगर के बीच ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान बीकानेर के पास ही नौरंगदेसर में प्रधानमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। केन्द्रीय कानून मंत्री और बीकानेर के सांसद अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को बताया कि 8 जुलाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे के साथ ही केंद्र सरकार के अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। उन्होंने बताया कि रेत के धोरों के बीच ग्रीन कॉरिडोर काफी आकर्षक नजर आता है। हाईवे से नीचे उतरने व चढ़ने के लिए कई मोड़ बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम को लेकर केंद्रीय मंत्री मेघवाल शनिवार, 1 जुलाई को बीकानेर में जिला प्रशासन के साथ एक बैठक करेंगे। उल्लेखनीय है कि 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत से एक्सप्रेस हाईवे के बनने से अमृतसर से जामनगर के बीच 23 घंटे का सफर घटकर महज 12 घंटे रह जाएगा। इस एक्सप्रेस-वे से राजस्थान के 5 जिले भी जुड़ेंगे। हाईवे के बीच में जगह-जगह मिड-वे होटल्स, टोल प्लाजा, पेट्रोल पंप व चार्जिंग सेंटर भी बनाए जा रहे हैं।

यह छह लेन हाईवे पंजाब के अमृतसर से प्रारंभ होकर गुजरात के जामनगर तक कुल 1316 किलोमीटर दूरी को तय करता है। इस हाईवे की कुल लागत 20 हजार 868 करोड़ रुपये हैं। यह हाईवे चार राज्यों पंजाब, हरियाणा राजस्थान व गुजरात को जोड़ेगा। महत्वपूर्ण ग्रीन फील्ड परियोजना अमृतसर, बठिंडा, सनारिया, बीकानेर, सांचौर, समाखियाली, जामनगर जैसे औद्योगिक केन्द्रों को आपस में जोड़ता है। इस हाईवे राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी सीमा से निकलकर हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर,

बाड़मेर, जालोर जिलों से गुजरेगा। इससे बीकानेर से जोधपुर, बाड़मेर व जालोर के बीच का समय भी कम हो जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी भारतमाला योजना के अन्तर्गत 820.26 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित रायसिंहनगर- अनूपगढ़- पूगल तक की 162.46 किलोमीटर लंबी सड़क का भी शुभारंभ करेंगे। खाजूवाला- पूगल-बाप तक 895 करोड़ की लागत से 212 किलोमीट लंबी सड़क बनाई गई है। इन वाहनों को अब बीकानेर नहीं आना पड़ेगा। प्रधानमंत्री केंद्रीय उपक्रम पावर ग्रिड कॉपोरेंशन द्वारा निर्मित गुजरात के बनासकांठा से शुरू होकर पंजाब के मोगा तक 1300 किलोमीटर लंबाई के ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर का भी लोकार्पण करेंगे। इस पर 26 हजार करोड़ की लागत आई है।

बीकानेर शहर में जैसलमेर रोड पर अंत्योदय नगर में बने ईएसआईसी अस्पताल का लोकार्पण भी प्रधानमंत्री नौरंगदेसर के कार्यक्रम में ही करेंगे। अत्यधिक सुविधाओं वाले इस अस्पताल में भर्ती प्रक्रिया अब शुरू हो सकेगी। भारत सरकार के श्रम व रोजगार मंत्रालय की ओर से 41.15 करोड़ की लागत से यह अस्पताल बना है। 30 बेड के इस अस्पताल को विस्तारित कर 100 बेड का किया जाएगा।

प्रधानमंत्री के बीकानेर दौरे को लेकर बीकानेर संभाग के भाजपा नेताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी नौरंगदेसर के पास एक आमसभा को भी संबोधित करेंगे। इसे विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा का पश्चिमी राजस्थान में शंखनाद भी माना जा रहा है।

पिछले नौ महीने में प्रधानमंत्री मोदी छह बार राजस्थान की यात्रा कर चुके हैं। इसकी शुरूआत 30 सितंबर 2022 को हुई थी, जब प्रधानमंत्री मोदी अम्बा माता के दर्शन करने आए थे। उस समय वह सिरोही जिले के आबूरोड भी आए थे।

योगी ने गरीबों को सौंपी माफिया अतीक के कब्जे से मुक्त कराई जमीन पर बने आवास की चॉबी

- अब कोई माफिया किसी गरीब को परेशान नहीं कर सकता : योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के लूकरगंज में माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त कराई गयी जमीन पर बने आवास की चॉबी गरीबों को सौंपी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने 767.76 करोड़ की 226 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी इस अवसर पर किया। मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश सरकार के मंत्री नन्द गोपाल नन्दी भी उपस्थित हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को बिस्कुट और चॉकलेट वितरण किया और परिसर में वृक्षारोपण किया। लूकरगंज के लीडर प्रेस मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया के

कब्जे से मुक्त कराई गयी जमीन पर गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास बनाये गये हैं। 76 गरीब परिवारों को आज आवास मिला है।

प्रयागराज की धरती पर यह ऐतिहासिक काम हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कोई माफिया किसी गरीब को परेशान नहीं कर सकता। 2017 से पहले माफिया गरीबों की जमीन पर कब्जा करते थे। हमारी सरकार में लगातार माफियाओं पर कार्रवाई हो रही है। आज गरीबों को प्रधानमंत्री आवास मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। उत्तर प्रदेश में 54 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास मिला है। इस अवसर पर सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी और पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह भी उपस्थित रहे।

सांसद मेनका गांधी ने दी 57 करोड़ की सौगात

सुलतानपुर, (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका संजय गांधी शुक्रवार को अपने तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन दूबेपुर विकास खण्ड मुख्यालय पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से 57.48 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाली 56.67 किलोमीटर लंबी आठ सड़कों का शिलान्यास किया। जनपद की 8 महत्वपूर्ण सड़कों में भवानीगढ़ से डेहरियावां कापा लम्बाई 7.33 किमी. ,बभनगंवा से बदरुद्दीनपुर 8.55 किमी, हरौरा से चन्दौर 6.100 किमी.,मायंग से नौगवांतीर 8.200 किमी,कटका मायंग से महमूदपुर 6 किमी., पिकौरा से कचनावाँ 5.075 किमी ,करौंदीकला रवनिया रोड से कटघर पूरे चौहान 9.440 किमी एवं रामपुर से पूरे भिखारी तक 5.975 किमी. लम्बी सड़कों का जाल बिछाया जाएगा। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती गांधी ने कहा अच्छी सड़कें विकास का आईना होती है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर बहुत ध्यान दिया है।उन्होंने कहा हमारी सरकार गांवों को तो अच्छी सड़कों से जोड़ रही है वहीं जिला मुख्यालय को फोर लेन व एक्सप्रेस-वें तथा ब्लॉक व तहसील मुख्यालय को दो लेन सड़कों से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा पिछले

4 सालों में हमने जो भी वादा किया उसको पूरा करने का काम किया है।उन्होंने बताया जनपद की तीन महत्वपूर्ण सड़कें 13.50 किमी. लम्बी कटका - शंकरगढ़ मायंग रोड लागत 41.28 करोड़,9.80 किमी लम्बी करौंदीकला से रवनिया मार्ग 27.47 करोड़ की लागत से बनेगी।वही अहदा- बिरसिंहपुर-बगिया गांव-दियरा - लंभुआ- दुगार्पुर रोड लम्बाई 18.50 किमी. का निर्माण 43 करोड़ रुपए की लागत का प्रस्ताव शासन स्तर से नाबार्ड को भेजा गया है। निर्माण के लिए कार्रवाई की गई है। श्रीमती गांधी ने बताया कि उपरोक्त 3 सड़कों के शीघ्र निर्माण के लिए शासन स्तर पर कार्रवाई की जा रही है।इस मौके पर पीडी केके पाण्डे,भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राम चन्द्र मिश्रा, प्रतिनिधि रणजीत कुमार,ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अखिलेश सिंह डिंपल,शशिकांत पाण्डे,विजय सिंह रघुवंशी,श्याम बहादुर पाण्डे,राजेश पाण्डे, प्रदीप यादव,प्रशांत मिश्रा और प्रधान अतुल मिश्र आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री 7 जुलाई को गोरखपुर में गीता प्रेस शताब्दी वर्ष के समापन में ले सकते हैं हिस्सा

गोरखपुर, (हि.स.)। प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी का 07 जुलाई को गोरखपुर और कुशीनगर का दौरा संभावित है। प्रधानमंत्री गोरखपुर में गीता प्रेस शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में शिरकत करेंगे और इसके बाद कुशीनगर में प्रस्तावित गौतमबुद्ध कृषि विश्वविद्यालय की आधारशिला भी रख सकते हैं। गोरखपुर और कुशीनगर जिला प्रशासन ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। गोरखपुर जिले के आला अधिकारियों ने गुरुवार को गीता प्रेस पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। गीता प्रेस

के प्रबंधक लालमणि तिवारी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। तिवारी ने बताया कि जिला प्रशासन के लोगों ने गीता प्रेस आकर यह बताया है कि 07 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी का दौरा संभावित है। इस दौरान उन्होंने यहां की तैयारियों के बावत विचार-विमर्श भी किया। इस दौरान प्रधानामंत्री मोदी चित्रमय महाशिव पुराण का लोकार्पण भी करेंगे। उधर, भाजपा के विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि कुशीनगर जिले में प्रधानमंत्री का कार्यक्रम बरवां जंगल में होगा। बरवां जंगल स्थित आलू फार्म की जमीन का समतलीकरण किया जा रहा है। वहां जनसभा होने की उम्मीद है। हालांकि जिले के अधिकारी अभी प्रधानमंत्री के किसी भी कार्यक्रम से इनकार कर रहे हैं।

शहर की जलभराव की समस्या को लेकर सपा विधायक का अनोखा प्रदर्शन

कानपुर, (हि.स.)। बारिश के पानी से शहर के कई स्थानों पर हुए जलभराव की समस्या को लेकर शुक्रवार को आर्यनगर विधानसभा से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक अमिताभ बाजपेई ने नगर निगम के खिलाफ अनोखा विरोध प्रदर्शन किया है। विधायक ने अपनी कार के ऊपर नाव रखकर उसमें बैठकर चप्पू चलाते हुए कई इलाकों का भ्रमण किया। सपा विधायक का आरोप है कि नगर निगम के दावों की पोल बारिश के पानी से जगह-जगह हुए जभराव से खुल गई है। शहर की जनता को जागरूक करने के लिए वह आज निकले हुए हैं। उन्होंने कहा कि जैसे वाहन चलाते वक्त हेलमेट, सीट बेल्ट का उपयोग करते हैं, ठीक वैसे ही शहर के जलभराव से उसमे डूबने से बचने के लिए लोगों को लाइफ जैकेट और नाव की व्यवस्था

करनी होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के नालों की सफाई के लिए शासन से करोड़ों रुपये का बजट पास हुआ है। नगर निगम के अधिकारियों ने नालों की कहीं कोई सफाई नहीं कराई और आने वाला करोड़ों के बजट का बंदर बाट हा गया। उसे नहीं खोला गया लेकिन नगर निगम के अधिकारियों ने शहर के विभिन्न चौराहों पर तरण-ताल बना दिया है। हर चौराहे पर जल जमाव नहीं उसे तरण ताल कहा जाए तो अच्छा होगा। यह नगर निगम के अधिकारियों की घोर लापरवाही है।

उत्तर प्रदेश में अपराधियों का बोलबाला : अखिलेश

- सपा अध्यक्ष ने कहा, आपराधिक घटनाओं के चलते कन्नौज बदनाम

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद पर हुए जानलेवा हमला मामले में पुलिस किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। प्रदेश में कौन सुरक्षित है, यह सबसे बड़ा सवाल है। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि अतीक अहमद की खाली कराई गई भूमि आवास निर्माण कर गरीबों को दिए जाने पर भी कहा कि सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोगों ने कब्जे किए हैं। रजिस्ट्री चेक कीजिए तो पता चलेगा कि भाजपा वालों की जमीनें फर्जी मिलेंगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में छीनने, लूटने का काम भाजपा सरकार में हुआ है। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर

अपराधिक घटनाओं को लेकर योगी सरकार को घेरा है। अखिलेश ने ट्वीट कर कहा कि कन्नौज में इत्र कारोबारी के घर में पूरे परिवार को बंधक बनाकर लाखों की डकैती और रिवॉल्वर तक ले जाने की सनसनीखेज घटना से हर कन्नौजवासी दहशत में है। कन्नौज भाजपा राज में आपराधिक घटनाओं की वजह से बदनाम हुआ, जिसके कारण कारोबार ठप सा पड़ गया है। इससे पूर्व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आज ऐशबाग ईदगाह पहुंचे, जहां उन्होंने मौलाना फिरंगी महली से मुलाकात की। इस दौरान सपा अध्यक्ष ने फिरंगी महली को ईद-उल-अजहा की बधाई दी। सूत्रों की मानें तो इस दौरान अखिलेश ने लोकसभा चुनाव को लेकर भी मौलाना महली से चर्चा की है।

बसपा अध्यक्ष मायावती ने मुसलमानों को आरक्षण की वकालत की

-प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर बसपा प्रमुख मायावती ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मुसलमानों को आरक्षण की वकालत की है। प्रधानमंत्री मोदी के एक बयान को आधार बनाकर मायावती ने कहा कि भाजपा को मुसलमानों को आरक्षण को विरोध बंद करना चाहिए। साथ ही देश भर की भाजपा सरकारों को मुसलमानों के लिए आरक्षण की व्यवस्था लागू करनी चाहिए। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भोपाल दौरे के दौरान यूनिफार्म सिविल कोड और पसमांदा मुसलमानों पर दिए गए बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मायावती ने अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल से दो ट्वीट किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भोपाल में बीजेपी के

कार्यक्रम में सार्वजनिक तौर पर यह कहना कि भारत में रहने वाले 80 प्रतिशत मुसलमा पसमांदा, पिछड़े, शोषित हैं। यह उस कड़वी जमीनी हकीकत को स्वीकार करना है, जिससे उन मुस्लिमों के जीवन सुधार के लिए आरक्षण की जरूरत को समर्थन मिलता है। दूसरे ट्वीट में कहा कि अतः अब ऐसे हालात में बीजेपी को पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण मिलने का विरोध भी बंद कर देने के साथ ही इनकी सभी सरकारों को भी अपने यहां आरक्षण को ईमानदारी से लागू करके तथा बैकलॉग की भर्ती को पूरी करके यह साबित करना चाहिए कि वे इन मामलों में अन्य पार्टियों से अलग हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध करती आ रही है।

कांग्रेस खत्म होने के कगार पर, बस एक धक्के की जरूरत : अलका

देवरिया, (हि.स.)। मोदी सरकार ने साल के कार्यकाल में 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण, 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन, गरीबों को 06 करोड़ आवास, 07 करोड़ आयुष्मान कार्ड से गरीबों का इलाज हो रहा है। उक्त बातें नगर पंचायत अध्यक्ष अलका सिंह ने घर-घर सम्पर्क कार्यक्रम के तहत राघव नगर पूर्वी, उमानगर में लोगो से सम्पर्क के दौरान कही। उन्होंने कहा कि किसानों को सम्मान निधि खातों में पहुंच रही है। मोदी सरकार ने स्वास्थ्य, बिजली, सिंचाई, रेलवे, एयरपोर्ट, एम्स, मेट्रो रेल, सुरक्षा के क्षेत्र में जो कार्य किए, उसने इतिहास लिख दिया है। 370, 35 अ को खत्म किया, 2024 में भव्य रामलला का मंदिर के हम सब दर्शन करेंगे। आतंकवाद, नक्सलवाद, धर्मांतरण, अलगावबाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई की है।

अलका ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विश्वगुरु बनने की ओर आगे बढ़ रहा है। विश्व के 200 देशों ने जिस योग को स्वीकार किया वो इसके लिये पहली सीढ़ी है। भारत फिर से सोने की चिड़िया भी कहलाएगा। भारत

पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ा है। आज देश मे कांग्रेस खत्म होने की कगार पर है, बस एक धक्के की और जरूरत है। वह धक्का 2024 में लोकसभा के चुनाव में देने के लिये देश की जनता कमर कस चुकी है। दुसरी तरफ गौरीबाजार नगर पंचायत अध्यक्ष प्रदीप मद्धेशिया ने संपर्क से समर्थन कार्यक्रम के तहत आज रिटायर्ड प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिंह, बबलू सिंह, कृष्णानंद पाण्डेय रिंकू, दुर्गेश चन्द, अभिषेक पाण्डेय से मुलाकात कर 09 साल की उपलब्धियों की पुस्तिका भेंट की तथा 9090902024 पर मिस्ड कॉल करा कर समर्थन मांगा। बैतालपुर नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता पासवान ने बैतालपुर तथा हेतिमपुर नगर पंचायत अध्यक्ष बीरेंद्र यादव ने हेतिमपुर में घर-घर सम्पर्क कर मोदी सरकार के 09 साल की उपलब्धियों को बता पत्रक वितरित किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सिद्धू-कान्हू को श्रद्धासुमन अर्पित की

रांची, (हि. स.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने शुक्रवार को सिद्धू-कान्हू पार्क में स्थित सिद्धू-कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की। इसके बाद हूल क्रांति दिवस के अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश कार्यालय में भी अमर नायक सिद्धू-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण किया। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि झारखंड के महान सपूत सिद्धू-कान्हू एवं चांद-भैरव ने 150 वर्ष पूर्व अंग्रेजों के शोषण और

अत्याचार के खिलाफ स्वाभिमान एवं आत्मसम्मान के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका था। यह आन्दोलन 1857 के स्वतंत्रता आन्दोलन की पृष्ठभूमि थी। यह सबसे अधिक संगठित और सशक्त आन्दोलन था। संथाली अपनी माट्टी के खातिर कुर्बान होने को तैयार हो गए। एक छोटे से गांव से शुरू हुआ हूल से पूरे संथाल में उर्जा का संचार हुआ, जो हूल दिवस के नाम से जाना जाता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की, अमुल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, मदन मोहन शर्मा, रवीन्द्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, सतीष पॉल मुंजनी, सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद थे।

रांची के खादगढ़ा बस स्टैंड आगजनी मामले में पुलिस ने नाबालिग को पकड़ा

रांची, (हि. स.)। कांटा टोली स्थित खादगढ़ा बस स्टैंड में खड़ी नौ बसों में आग लगाने के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को पकड़ा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने नाबालिग को पकड़ा है। नाबालिग ने स्प्रिट के स्प्रे और लाइटर की मदद से खड़ी बसों में आग लगाई थी। ओपी प्रभारी आकाश भारद्वाज ने शुक्रवार को बताया कि नाबालिग लड़के को मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर निरुद्ध किया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। आग लगाने की इस घटना में कई लोगों के शामिल होने की बात सामने आ रही है। नाबालिग के पास से पुलिस ने एक स्प्रे और लाइटर भी बरामद हुआ है। पुलिस की पूछताछ में नाबालिग ने बताया है कि उसने बस की टंकी के पास पहले स्प्रे मारा और फिर लाइटर से उसमें आग लगा दी। इस वजह से आग तेजी से फैलती चली गई। नाबालिग रांची के नामकुम इलाके के भुइया टोली का रहने वाला है। वह पिछले कुछ दिनों से खादगढ़ा बस स्टैंड में ही खलासी के रूप में काम कर रहा था। इसी दौरान उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। इसी से नाराज होकर उसने बसों में आग लगा दी। इधर, मामले की जांच के लिए शुक्रवार को सिटी डीएसपी दीपक कुमार, लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार और टीओपी प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे।

हूल दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने साहिबगंज पहुंचे मुख्यमंत्री

साहिबगंज, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची भागलपुर वनांचल एक्सप्रेस ट्रेन से शुक्रवार सुबह जिले के बरहरवा स्टेशन पहुंचे। स्टेशन पर पहुंचने के साथ मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। झामुमो कार्यकताओं ने भी गर्मजोशी के साथ उनका बुके देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता कर दिया गया। स्टेशन से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सीधे अपने पतना स्थित आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री यहां आराम करने के बाद हूल दिवस के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हूल दिवस के अवसर पर शहीद सिदो-कान्हू के गांव भोगनाडीह पहुंचेंगे। तमाम कार्यक्रम के बाद सरकारी कार्यक्रम में भाग लेंगे। जिला प्रशासन ने इसे लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली है। मुख्यमंत्री 177 करोड़ की

परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही परिसंपत्तियों का वितरण भी करेंगे। डीडीसी प्रभात कुमार ने कहा कि हूल दिवस पर मेला का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 20 विभिन्न विभागों का स्टॉल लगाया जा रहा है। इस अवसर पर दो डॉक्टर व अनुकंपा पर दो लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। लाभुकों को सावित्री बाई फुले किशोरी योजना और कन्यादान योजना से लाभान्वित किया जाएगा।किसानों को ट्रेक्टर दिया जाएगा। एसएचजी महिला ग्रुप को 10 करोड़ का चेक दिया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के हाथों बाबा साहब अंबेडकर आवास की स्वीकृति दी जाएगी। लाभुकों को पेंशन भी दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि छह पहाड़िया पुरुष व महिला को देसी मक्का और बरबट्टी का बीज दिया जाएगा।

बेगूसराय में अभूतपूर्व रहा भाजपा का 30 दिवसीय 'नौ साल बेमिसाल' कार्यक्रम

बेगूसराय, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 30 दिवसीय सांगठनिक एवं महा जनसंपर्क अभियान के तहत 'नौ साल बेमिसाल' कार्यक्रम बेगूसराय जिले में अभूतपूर्व रहा। शुक्रवार को इस अभियान का समापन हो गया।इसके तहत बेगूसराय जिले के सात विधानसभा क्षेत्र के 35 सांगठनिक प्रखंडों में कार्यक्रमों का तांता लगा रहा। लाभार्थी सम्मेलन, संयुक्त मोर्चा सम्मेलन, वरिष्ठ कार्यकर्ता भोजन एवं परिचर्चा, योग दिवस, पर्यावरण दिवस, विकास तीर्थ, प्रधानमंत्री के साथ बूथों पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के साथ संवाद, मन की बात, प्रबुद्ध जन सम्मेलन, संपर्क से समर्थन, जन समर्थन रैली, घर-घर संपर्क अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद, बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह, राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा, पूर्व उपमुख्यमंत्री-सह-राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी तथा

भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह सहित संगठन के अन्य प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों ने विभिन्न कार्यक्रमों एवं जनसंपर्क अभियान में हिस्सा लेकर इसे सफल बनाया। भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा ने एक महीने के इस अभूतपूर्व सांगठनिक एवं जनसंपर्क अभियान की सफलता में लगे सभी मंडल अध्यक्ष सभी कार्यक्रम के प्रभारी एवं कार्यकताओं का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस सांगठनिक महापर्व में अधिक वरिष्ठ जन एवं विभिन्न विधाओं में अपनी विशेषता रखने वाले समाज के अग्रणी लोगों से मिलकर मोदी सरकार के नौ साल की बेमिसाल उपलब्धियों को रखा। लोकसभा संयोजक कृष्ण मोहन पप्पू ने बताया कि भाजपा अपनी सांगठनिक मजबूती के बल पर 2024 में बेगूसराय संसदीय क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता के साथ 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बड़ी ताकत के रूप में उतरेगी। सांसद प्रतिनिधि-सह-मुंगेर भाजपा प्रभारी अमरेन्द्र कुमार अमर ने कहा कि भाजपा ने सांस्कृतिक राष्ट्रवादी और विकासशील सोच के तहत नौ वर्षों में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चतुर्दिक विकास किया है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह की अभूतपूर्व रैली में बेगूसराय की बड़ी सहभागिता के लिए धन्यवाद किया। भाजपा प्रवक्ता शुभम कुमार ने जिला से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकताओं का धन्यवाद किया। जिन्होंने इस कार्यक्रम को अपनी लगन और मेहनत से अभूतपूर्व बनाया। एक महीने तक चले इस कार्यक्रम में विधायक कुंदन कुमार एवं सुरेन्द्र मेहता, विधान पार्षद सर्वेश कुमार, पूर्व विधान पार्षद रजनीश कुमार, बलराम प्रसाद सिंह, मृत्युंजय कुमार वीरेश, जिला महामंत्री कुंदन भारती एवं राकेश पांडेय सहित पूरी टीम एक्टिव रही।

बिहार में कांग्रेस कहीं नहीं, बस सरकार में शामिल : प्रशांत किशोर

पटना, (हि.स.)। जन स्वराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने पटना में जन संवाद के दौरान शुक्रवार को तंज कसते हुए कहा कि बिहार में कांग्रेस कहीं नहीं है। न कोई नेता जमीन पर है। बस सरकार में शामिल है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के बाद लोकसभा में जीत होगी, ऐसा नहीं है। वर्ष 2018 में कांग्रेस तीन राज्यों में जीती थी। इसके ठीक चार महीने बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में कई राज्यों में खाता तक नहीं खुला। प्रशांत किशोर ने कहा कि इस बार कांग्रेस कर्नाटक का चुनाव जीती है तो मैं कहना चाहूंगा कि कर्नाटक में मिली जीत को कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव की जीत के तौर पर न देखे। पिछले चुनावों की बानगी देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा के लिए 2013 में हुए

चुनाव में कांग्रेस जीतकर आई, उसके एक साल बाद ही 2014 के आम चुनाव में भाजपा सबसे अधिक लोकसभा की सीटें जीतकर आई। उन्होंने याद दिलाया कि 2018 के दिसंबर में राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस जीतकर आई लेकिन इसके ठीक चार महीने बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत बुरा रहा और खाता तक नहीं खुला। इसलिए मैं कांग्रेस या अन्य पार्टियों को भी बता रहा हूं कि देश में हर चुनाव एक अलग चुनाव होता है।

मिशन सुरक्षा परिषद एवं देश बचाओ अभियान का 10 सूत्री मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन

सहरसा, (हि.स.)। मिशन सुरक्षा परिषद एवं देश बचाओ अभियान के राज्यव्यापी आह्वान पर शुक्रवार को समाहरणालय के समक्ष 10 सूत्री मांगों के समर्थन में शुक्रवार को धरना प्रदर्शन किया। इससे पूर्व उत्तरी केबिन ढाला के निकट कुछ देर के लिए सड़क जाम कर प्रदर्शन करते हुए डीबी रोड, वीर कुंवर सिंह चौक होते हुए समाहरणालय के मुख्य द्वार पैट जुझारू प्रदर्शन किया।प्रदर्शन में कार्यकताओं ने गगनभेदी नारे लगाये।प्रदर्शन का नेतृत्व मिशन सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय सचिव एवं युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रहास यादव तथा सभा की अध्यक्षता प्रदेश महासचिव विनोद यादव एवं मंच संचालन जिला अध्यक्ष लाल बहादुर शाह ने किया। प्रदर्शन के माध्यम से सहरसा उतरी केबिन ढाला पर ओवरब्रिज निर्माण करने, सुलिंदाबाद रोड का जीर्णोद्धार करने, परमिनियां हॉल्ट के निकट भूमिगत समपार बनाने, जयप्रकाश पार्क में स्कूली बच्चों को निशुल्क प्रवेश देने, शंकर चौक का सौंदर्यीकरण करने तथा यूपी सहारनपुर में भीम आर्मी के नेता चंद्रशेखर रावण आजाद पर कातिलाना हमला के जिम्मेवार दोषी को गिरफ्तार करने, चंद्रशेखर को सुरक्षा देने, घटना की उच्च स्तरीय जांच करने, महंगाई भ्रष्टाचार निजीकरण अन्याय अत्याचार बलात्कार पर रोक लगाने, मनुवाद पूंजीवाद संप्रदायवाद पर रोक लगाने, समाजवाद अंबेडकरवाद बहुजनवाद के आंदोलन को गति देने,पंच सरपंचों को एमएलसी चुनाव का वोटर बनाने, सम्मान सुरक्षा सुविधा वेतन बीमा भत्ता पेंशन अधिकार देने, स्कूल कॉलेज में संविधान की पढ़ाई शुरू करने, लोकतंत्र संविधान देश बचाने संबंधी मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपा।

संपादकीय

टमाटर की कालाबाजारी

आज टमाटर देश के खुदरा बाजार में और रेहडियों पर 100-140 रुपए प्रति किलोग्राम बेचा जा रहा है, तो वह दौर याद आने लगता है, जब कृषि मंडियों के सौदागरों ने किसान का टमाटर मात्र 1-2 रुपए प्रति किलो खरीदने का भाव दिया था। यह कोई पुराना दौर नहीं है। अभी 3-4 माह ही बीते हैं, जब किसानों का ऐसा आर्थिक शोषण और मानसिक उत्पीडन किया गया। किसान को 'मुफ्त का प्राणी' समझा गया। उसे फसल का उचित मूल्य देने की बजाय मात्र 2 रुपए अथवा 10 रुपए के चेक देकर अपमानित किया गया। वे भी 15 दिन बाद के चेक... ! कुछ मामले ऐसे सामने आए कि मंडियों के आढ़तियों ने गोल-मोल हिसाब करके किसान से ही भुगतान की मांग की। किसान आज भी आढ़तियों के मोहताज हैं, लिहाजा उनके जाल में फंसे हैं। नतीजतन किसान की आमदनी कैसे बढ़ सकती है? हम उन 86 फीसदी किसानों की बात कर रहे हैं, जिनके पास मात्र 2 हेक्टेयर जमीन है या वे खेतिहर मजदूर हैं। ऐसे हालात में किसान आत्महत्याएं करने पर विवश न हों, तो वे क्या करें? घर-परिवार कैसे चलाएं? अगली फसल कैसे बोएं? आढ़ती से उधार लेते रहें, तो एक दिन इतने कर्जदार हो जाएंगे कि सब कुछ नीलाम हो सकता है! किसी भी सरकार ने न तो तब हस्तक्षेप किया और न ही अब इस कालाबाजारी को रोक पा रही है। बेचारे किसानों को टमाटर सडक़ों पर फेंकना पड़ा अथवा उसने अपनी ही फसल को ट्रैरक्टर तले कुचल दिया। लागत गई, फसल नष्ट हो गई, लेकिन बाजार के जमाखोरों की बल्ले-बल्ले होती रही है। टमाटर, प्याज आदि एक निश्चित मौसम में अचानक महंगे कर दिए जाते हैं। न जाने कौन-सी नियामक शक्ति यह फैसला लेती है और टमाटर देश भर में 100-140 रुपए प्रति किलो बिकने लगता है! राजधानी दिल्ली के कई बाजारों में टमाटर 90-140 रुपए किलो बेचा जा रहा है। जून के पहले पखवाड़े तक टमाटर 30-35 रुपए किलो मिल रहा था। अचानक 80, 100 और फिर 140 रुपए प्रति किलो के भाव में बेचा जाने लगा। खुदरा विक्रेता का एक ही बहाना है कि मंडी से ही महंगा आ रहा है। फिर दलीलें दी जाने लगीं कि बारिश के कारण टमाटर की सप्लाई अवरुद्ध हुई है, लिहाजा टमाटर कम हो गया है, नतीजतन महंगा बिक रहा है। भारत के कई राज्य टमाटर बोते हैं और साल में दो फसलें मिलती हैं। अनुमान है कि इस बार 2 लाख टन टमाटर पैदा हुआ है। वह संपूर्ण फसल कहां गई? यदि टमाटर महंगा बेचा जा रहा है, तो क्या इसका फायदा किसानों को भी मिलेगा? हमारा जवाब है कि बिल्कुल भी नहीं। यदि मंडियों के सौदागर कुल मिला कर 10 रुपए किलो के भाव से टमाटर खरीदते और फिर भी 120-140 रुपए में बेचा जाता, तो बीच का बाकी पैसा किसकी जेब में जाता? जाहिर है कि जो व्यापारी टमाटर की कालाबाजारी और जमाखोरी से जुड़े हैं, उनकी तिजौरियों में ही जाता। यह वाहियात दलील भी दी जाती रही है कि किसान टमाटर की फसल नष्ट करने की बजाय कोल्ड स्टोरेज में जमा रखे और सही अवसर पर अपनी फसल बेचे, तो उसे ज्यादा मुनाफा मिल सकता है, लेकिन मंडी कानून में अलग ही प्रावधान हैं कि लाइसेंस प्राप्त मंडियों से ही खरीद की जा सकती है। किसान खुले बाजार में फसल बेच सके, इसका तो कानून लाया गया था, जिनके विरोध में करीब एक साल तक किसान आंदोलन चलाया गया। अंततः प्रधानमंत्री को वे तीनों कानून वापस लेने पड़े और संसद के जरिए उन्हें खारिज करना पड़ा। टमाटर सलाद में भी खाया जाता है और सब्जियों में भी डाला जाता है। टमाटर हर रसोई और घर के लिए जरूरी है। यदि एक किलो टमाटर खरीदने वाला 250 ग्राम ही खरीदने लगे, तो उसके मायने ये भी होंगे कि आम आदमी अपना खर्च कम करता जा रहा है। उसके असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेंगे, क्योंकि भिंडी, अदरक, मिर्च, फूल गोभी के साथ-साथ तुअर और अरहर की दालें भी महंगी हैं। बहुत कुछ महंगा है, लिहाजा सरकार जो खुदरा महंगाई दर 4.25 फीसदी प्रचारित कर रही है, वह नकली लगती है। आगामी लोकसभा चुनाव अब ज्यादा दूर नहीं है। लगता है इस बार महंगाई चुनाव का मुख्य मुद्दा बनेगी।

> जून के पहले पखवाड़े तक टमाटर 30-35 रुपए किलो मिल रहा था। अचानक 80, 100 और फिर 140 रुपए प्रति किलो के भाव में बेचा जाने लगा। खुदरा विक्रेता का एक ही बहाना है कि मंडी से ही महंगा आ रहा है। फिर दलीलें दी जाने लगीं कि बारिश के कारण टमाटर की सप्लाई अवरुद्ध हुई है, लिहाजा टमाटर कम हो गया है, नतीजतन महंगा बिक रहा है। भारत के कई राज्य टमाटर बोते हैं और साल में दो फसलें मिलती हैं। अनुमान है कि इस बार 2 लाख टन टमाटर पैदा हुआ है। वह संपूर्ण फसल कहां गई? यदि टमाटर महंगा बेचा जा रहा है, तो क्या इसका फायदा किसानों को भी मिलेगा? हमारा जवाब है कि बिल्कुल भी नहीं।

राजनीतिक दल चाहता है कि वह सत्ता प्राप्त करे और उसके बाद अपनी विचारधारा के अनुसार प्रशासन को चलाए

विपक्षी एकता की कवायद

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> लालू ने कहा था कि 'राहुल बाबू, उम्र बढ़ रही है, दुनियादारी तो चलती रहती है। अब शादी करा लो और घर गृहस्थी बसा लो।' कहीं इसका यह अर्थ तो नहीं कि राजनीति तुम्हारे बस का खेल नहीं है। अपना परिवार ही बना लो। लालू ने तो यह बात आज कही है, लेकिन लगता है कि सोनिया गांधी और उसके सलाहकारों को यह बात कुछ साल पहले ही समझ में आ गई थी। शायद इसीलिए ग्याहरवें खिलाड़ी प्रियंका गांधी को भी मैदान में बुला लिया गया था।

आगामी लोकसभा के चुनाव 2024 में होंगे। लेकिन उसकी आहट से सभी दल परेशान हैं। परेशानी दो प्रकार की है। पहली राजनीतिक और दूसरी पारिवारिक। लेकिन दोनों आपस में जुड़ी हुई हैं। राजनीतिक परेशानी तो स्पष्ट समझ में आती है। हर राजनीतिक दल चाहता है कि वह सत्ता प्राप्त करे और उसके बाद अपनी विचारधारा के अनुसार प्रशासन को चलाए। लेकिन यदि कुछ दलों को लगता हो कि अपने बलबूते चुनाव में जीत हासिल करना नामुमकिन है तो कुछ राजनीतिक दल एक सांझी टीम बना कर भी चुनाव लड़ सकते हैं। लेकिन उसके लिए जरूरी है कि उनकी विचारधारा और दिशा आपस में मिलती हो। पिछले कुछ महीनों से देश के अनेक राजनीतिक दल आने वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ इसी प्रकार की सांझी टीम बनाने की कवायद में जुटे हुए थे। यह सांझी टीम बनाने के लिए अनेक नेता अपने अपने तरीके से देश भर में घूम कर माहौल को सूंघ रहे थे। बंगाल की ममता बनर्जी, तेलंगाना के के चन्द्रशेखर राव, दिल्ली के अरविन्द केजरीवाल ने इसके लिए लम्बी यात्राएं कीं। लेकिन मामला जम नहीं रहा था। उसका कारण सोनिया कांग्रेस को लेकर था। सांझी टीम में सोनिया गान्धी की कांग्रेस को शामिल किया जाए या न? ज्यादातर दल इस सांझी टीम में कांग्रेस को शामिल करने के पक्षधर नहीं थे। इसलिए जिस सांझी टीम को जन्म देने के प्रयास हो रहे थे, उसे राजनीतिक शब्दावली में तीसरा मोर्चा कहा जा रहा था। यानी पहला मोर्चा भारतीय जनता पार्टी का, दूसरा मोर्चा सोनिया गान्धी की कांग्रेस का और तीसरा मोर्चा सांझी टीम बनाने के अनेक प्रयासों में जुटे दूसरे राजनीतिक दलों का। वैसे तो सैद्धान्तिक तौर पर इन सभी दलों को कांग्रेस को भी सांझी टीम में रखने में कोई एतराज नहीं है। लेकिन सोनिया कांग्रेस इस टीम की कप्तान बनना चाहती थी और कांग्रेस को कप्तानी देने में किसी भी दल की रत्ती भर भी रुचि नहीं थी। ऐसा नहीं कि सांझी टीम बनाने का प्रयास कर रहे इन राजनीतिक दलों में कप्तान को लेकर आपस में भी कोई सहमति बन गई हो। कप्तान कौन हो, इस प्रश्न से तो ये राजनीतिक दल किसी भी तरह बचने का ही प्रयास कर रहे थे। लेकिन इस बात पर सभी सहमत थे कि कांग्रेस को तो सांझी टीम की कप्तानी किसी भी हालत में नहीं सौंपी जा सकती। लेकिन पिछले दिनों भारत की राजनीति में दो ऐसी घटनाएं हुईं जिससे पूरे परिदृश्य में गणनात्मक परिवर्तन हुआ। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में हुए चुनावों में सोनिया कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी को हरा कर उससे सत्ता छीन ली। उससे वातावरण बदला। सोनिया कांग्रेस के भीतर

भी राजनीतिक प्राण वायु का संचार हुआ। पार्टी के भीतर भी हलचल हुई। इसलिए निर्णय किया गया कि सोनिया गान्धी के सुपुत्र राहुल गान्धी को देश भर में घूमना फिरना चाहिए। आखिर जो भी किसी टीम का कप्तान बनना चाह रहा हो, उसका व्यक्तित्व कम से कम कप्तान की तरह का दिखना तो चाहिए। इसलिए राहुल गान्धी तथाकथित पैदल यात्रा पर निकल पड़े। इस यात्रा को भारत जोड़ो यात्रा का नाम दिया गया। मीडिया का फोकस राहुल गान्धी की चालढाल, वेशभूषा, खानपान पर रहे, इसका ध्यान रखा गया। बीच में राहुल गान्धी को एक ट्रक पर भी बिठाया गयाॅ। हवा बनने लगी कि राहुल गान्धी भी कप्तान बन सकते हैं। यह भी अफवाह फैला दी गई कि कर्नाटक में कांग्रेस ने जो चुनाव जीते हैं उसका कारण राहुल गान्धी की भारत जोड़ो यात्रा ही है। इसका सांझी टीम बनाने वालों की मानसिकता पर भी प्रभाव पड़ा। उनको भी लगा कि टीम में कांग्रेस को भी शामिल करना चाहिए। उधर कांग्रेस ने इसका अर्थ यह निकाला कि हमारे बिना राजनीतिक धरातल पर कोई सांझी टीम बन ही नहीं सकती। यदि ऐसी टीम बनाई भी गई तो वह बेकार सिद्ध होगी। इस नए वातावरण का लाभ उठाकर सांझी टीम बनाने के लिए कुछ ऐसे लोग भी प्रकट होने लगे जिनकी अपनी झोली खाली थी। फिलहाल बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाले हुए बाबू नीतीश कुमार उन्हीं लोगों में शुमार हैं। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, शरद पवार जब विपक्षी एकता की फुलझडियां जलाने की कोशिश करते थे तो सांझी टीम में शामिल दूसरे खिलाडियों को एक डर सताता रहता था। मसलन उत्तर प्रदेश में लोकसभा की अस्सी सीटें हैं। यदि गठजोड़ का लाभ उठाकर अखिलेश यादव पचास साठ सीटें जीत गए तो जोड़ तोड़ में प्रधानमंत्री की दावेदारी ठोंक देंगे। इसी प्रकार का डर ममता बनर्जी या शरद पवार से लगा रहता था। इसलिए भीतर ही भीतर सांझी टीम बनने से पहले ही टूट जाती थी। उसका निराकार स्वरूप साकार नहीं हो पाता था। लेकिन बिहार के नीतीश कुमार से ऐसा खतरा किसी को भी नहीं है। पुराने जमाने में मुगल राजा अपने हरम की रक्षा के लिए उनको नियुक्त करते थे जिनकी मेडिकल रपट आ जाती थी कि इससे कोई खतरा हरम को हो ही नहीं सकता। सत्ता रूपी हरम का पहरेदार नीतीश कुमार बनते हैं तो सभी आश्वस्त हैं कि इससे उनके सत्ता रूपी हरम को कोई खतरा नहीं हो सकता। क्योंकि उनकी पार्टी का आधार वैसे भी बिहार में बहुत सिमट गया है। उसको बांटने वाली पार्टियां बिहार में बहुत हैं। लालू का परिवार तो है ही। इसके बाद कांग्रेस है। उसके बाद सीपीएम-एल है। सीपीएम और सीपीआई हैं। दो एक सीटें केजरीवाल भी मांगेंगे। उसके बाद नीतीश कुमार की पार्टी के हिस्से लोकसभा की सात आठ सीटें आ भी जाएंगी तो वे उसमें से जीत कितनी पाएंगे, इसके बारे में कौन भविष्यवाणी कर सकता है। इसलिए जब नीतीश बाबू ने सांझी टीम बनाने के लिए राजनीतिक खिलाडियों को निमंत्रण भेजे तो काफी खिलाड़ी आ पहुंचे। कुछ लोग इसे नीतीश कुमार की सफलता कह कर प्रचारित कर रहे हैं। जबकि इसका संकेत केवल इतना ही है कि भविष्य की राजनीति में उनकी उपयोगिता समाप्त हो गई है। अब वे राजनीतिक लिहाज से नख शिख दन्त विहीन हो गए हैं। सांझी टीम बनाने की उपक्रम में जुटे खिलाडियों ने एक दूसरे के साथ कैसा व्यवहार किया, क्या क्या किया, यह किसी से छिपा न रह सका। नए नए उत्साह में आए राहुल गान्धी ने तो अरविन्द केजरीवाल के साथ चाय पीने तक से इन्कार कर दिया। केरल में सीपीएम की सरकार ने सबसे पहला काम वहां कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को गिरफ्तार करने का किया। ममता बनर्जी ने पटना से लौटकर देश भर का मार्गदर्शन यह कह कर किया कि कांग्रेस और सीपीएम, दोनों ही भाजपा की बी टीम मात्र हैं। पटना में लालू यादव ने राहुल गान्धी को शादी करवाने की सलाह भी दी थी। कुछ राजनीतिक विश्लेषक उसमें भी राजनीतिक अर्थ देखते हैं। लालू ने कहा था कि 'राहुल बाबू, उम्र बढ़ रही है, दुनियादारी तो चलती रहती है। अब शादी करा लो और घर गृहस्थी बसा लो।' कहीं इसका यह अर्थ तो नहीं कि राजनीति तुम्हारे बस का खेल नहीं है। अपना परिवार ही बना लो। लालू ने तो यह बात आज कही है, लेकिन लगता है कि सोनिया गान्धी और उसके सलाहकारों को यह बात कुछ साल पहले ही समझ में आ गई थी। शायद इसीलिए ग्याहरवें खिलाड़ी प्रियंका गान्धी को भी मैदान में बुला लिया गया था। इस तरह विपक्षी एकता फिलहाल एक कठिन विषय लगता है। कांग्रेस को लेकर सबसे ज्यादा द्वंद्व है।

प्रशिक्षक भर्ती व पदोन्नति नियमों में सुधार

> विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अब अमलीजामा पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व अवार्ड देने के लिए बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकतर नियुक्त होता रहा है, केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी निदेशक पद तक पहुंच पाए हैं। उपनिदेशक और कभी-कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होकर पहुंच जाते हैं। इन विभागीय अधिकारियों को अधिक तकनीकी जानकारी होती है।

प्रशिक्षक कैडर के भर्ती व पदोन्नति नियमों में सुधार कर लिया है और कुछ जूनियर प्रशिक्षकों की पदोन्नति भी हुई है। परन्तु अभी भी प्रशिक्षक का स्केल और काम जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी का लिया जा रहा है। यह तो प्रशिक्षकों के साथ अन्याय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी करोड़ों लोगों में स्वयं व अपने देश को पदक जीत कर सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करता है तो उसके पीछे जहां उस दृढ़ संकल्प, लगातार कठोर परिश्रम व अपनों की सहायता व दुआएं होती हैं, वहीं पर एक प्रशिक्षक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। इसीलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ है। 1982 के एशियाड के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी प्रदेश में हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग का गठन किया। विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अब अमलीजामा पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व अवार्ड देने के लिए बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकतर नियुक्त होता रहा है, केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी निदेशक पद तक पहुंच पाए हैं। उपनिदेशक और कभी-कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होकर पहुंच जाते हैं। इन विभागीय अधिकारियों को अधिक तकनीकी जानकारी होती है। आजकल हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के पास कोई भी उपनिदेशक नहीं है। वरिष्ठ जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी को उप निदेशक के पद पर बिठा कर काम चलाया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से एक एचएएस अधिकारी को संयुक्त निदेशक का जिम्मा दिया है। नियमित जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी भी केवल चार ही जिलों में हैं। राज्य के शेष जिलों में कामचलाऊ अधिकारी बिठा रखे हैं। सरकार को चाहिए कि जल्दी ही उपनिदेशक के पद पर नियमित पदोन्नति की जाए तथा जिलों में भी नियमित अधिकारी हों। इस विषय पर पहले भी कई बार इस कॉलम के माध्यम से लिखा जा चुका है, मगर लगता है कि सरकार के लिए युवा शक्ति व खेल प्राथमिकता पर नहीं हैं। विभाग में नाम मात्र के प्रशिक्षक हैं। अधिकतर खेलों में तो एक भी प्रशिक्षक पूरे जिले के लिए उपलब्ध नहीं है। विभाग में जो प्रशिक्षक नियुक्त हैं उन्हें कनिष्ठ प्रशिक्षक के पद पर नियुक्ति मिली है। उसके बाद वे सेवानिवृत्ति तक भी प्रशिक्षक नहीं बन पाए। अब जाकर दशकों बाद विभाग में नियुक्त जूनियर प्रशिक्षकों को पदोन्नति मिली है और कई तो बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो गये हैं। जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए केवल 25 प्रतिशत ही कोटा है। 50 प्रतिशत युवा संयोजक व 25 प्रतिशत पद हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाते हैं। प्रशिक्षक बनने की योग्यता बहुत कठिन है। स्नातक डिग्री के साथ जो प्रतिभागी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हो या तीन बार वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया हुआ हो या शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री के साथ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में खेला हो, उसके बाद राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान में प्रवेश परीक्षा पास कर एक वर्ष के कठिन प्रशिक्षण व शिक्षण के बाद प्रशिक्षक बनता है। हिमाचल प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश में नियुक्त कनिष्ठ प्रशिक्षकों को पांच साल के बाद प्रशिक्षक के पद पर पदोन्नति कर 50 प्रतिशत कोटा जिला अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए दिया जाए। क्योंकि प्रशिक्षकों की संख्या बहुत अधिक है, अगर हर खेल में जिला स्तर पर पांच प्रशिक्षक भी हों तो प्रशिक्षकों की संख्या सौ से भी अधिक जा सकती है। इसके मुकाबले बारह जिलों में बारह ही युवा संयोजक नियुक्त हैं। इस तरह देखा जाए तो यह प्रशिक्षकों साथ बहुत अन्याय है। प्रदेश में विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तो बन कर तैयार हैं, मगर उनका न तो सही रख रखाव है और न ही उन पर उस स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम हो रहा है। सरकार को चाहिए कि वहां पर उन खेलों में उच्च प्रदर्शन करवाने वाली खेल अकादमियां स्थापित की जाएं। हिमाचल प्रदेश में युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के दो खेल छात्रवास बिलासपुर व ऊना में कुछ चुनिंदा खेलों के लिए आधा अधूरा प्रशिक्षण दे रहे हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों की कमी व प्रबंधन में अव्यवस्था साफ देखी जा सकती है। उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षक बहुत कम हैं। क्योंकि विभाग में प्रशिक्षकों की अनदेखी जिसमें बहुत कम ग्रेड पे व दशकों से कनिष्ठ पद पर कार्यरत रहने के कारण राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान से प्रशिक्षित प्रशिक्षक खेल विभाग में प्रशिक्षक बनने से अधिक शिक्षा विभाग में प्राध्यापक या डीपीई बनने को अधिमान देते हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए प्रशिक्षकों व खिलाडियों के लिए एक अच्छी प्रबंधन टीम की अहम भूमिका है। सही प्रबंधन मिले, इसके लिए नियमित जिला खेल अधिकारियों, उपनिदेशकों, प्रशिक्षकों व अन्य अधिकारियों की नियुक्ति बेहद जरूरी है। खिलाड़ी को तैयार करने में प्रशिक्षक की भूमिका जब बेहद जरूरी है तो फिर हम उसे सामाजिक व आर्थिक रूप से निश्चिंत कर शारीरिक व मानसिक पूरी तरह अपने प्रशिक्षण पर केन्द्रित क्यों नहीं होने देते। राज्य के युवा सेवाएं एवं खेल विभाग में प्रशिक्षकों के साथ न्याय करने के लिए इनके भर्ती व पदोन्नति नियमों में संख्या अनुपात में संशोधन नहीं हो पाया है। हां, यह अलग बात है कि दशकों से एक ही पद पर कार्यरत जूनियर प्रशिक्षकों को पदोन्नति जरूर दे दी गई है जो थोड़ी बहुत राहत है।

देश दुनीया से

अमेरिका में हमारे काम आया लोकतंत्र

> भारत ने क्या खोया-क्या पाया, इसका दुनिया भर के मीडिया और राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा भिन्न दृष्टिकोणों से आकलन हो रहा है। इन सबके बीच एक पाकिस्तानी यू-ट्यूबर वजाहत एस खान का वी-लॉग (वीडियो ब्लॉग) मुझे कई अर्थों में इतना उल्लेखनीय लगा कि मैं इस यात्रा का आकलन उसके द्वारा रेखांकित की गई भारतीय उपलब्धि को केंद्र में रखकर करना चाहूंगा। इस वी-लॉग पर बात करने से पहले वजाहत की पृष्ठभूमि को जान लेना उपयोगी होगा। वह एक पाकिस्तानी पत्रकार हैं, जो फ्रीलांसिंग करते हुए अमेरिका के एक थिंक टैंक के साथ जुड़े हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा किस हद तक सफल रही और इसके फलस्वरूप दोनों देशों, खासतौर से भारत ने क्या खोया-क्या पाया, इसका दुनिया भर के मीडिया और राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा भिन्न दृष्टिकोणों से आकलन हो रहा है। इन सबके बीच एक पाकिस्तानी यू-ट्यूबर वजाहत एस खान का वी-लॉग (वीडियो ब्लॉग) मुझे कई अर्थों में इतना उल्लेखनीय लगा कि मैं इस यात्रा का आकलन उसके द्वारा रेखांकित की गई भारतीय उपलब्धि को केंद्र में रखकर करना चाहूंगा। इस वी-लॉग पर बात करने से पहले वजाहत की पृष्ठभूमि को जान लेना उपयोगी होगा। वह एक पाकिस्तानी पत्रकार हैं, जो फ्रीलांसिंग करते हुए अमेरिका के एक थिंक टैंक के साथ जुड़े हुए हैं। वह पाकिस्तानी फौज, खासतौर से पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल राहिल शरीफ से अपनी निकटता के लिए जाने जाते थे। फिलहाल इमरान खान से सहानुभूति के चलते सेना के वर्तमान नेतृत्व से उनकी खटपट चल रही है और देश में उनके खिलाफ मुकदमे कायम हो गए हैं। स्वाभाविक था कि वजाहत ने पाकिस्तानी हितों को ध्यान में रखकर यह वी-लॉग किया है, और उनकी चिंता के केंद्र में मोदी की यात्रा से अमेरिका में बढ़ता भारतीय प्रभाव और उसके फलस्वरूप अमेरिकी नीति-निर्धारकों के लिए पाकिस्तान का सिकुड़ता स्पेस था, पर इन सबके पीछे उन्होंने जो कारण तलाशा, वह बहुत महत्वपूर्ण है। वजाहत के अनुसार, इसके पीछे लोकतंत्र था और जिसका इस दौरे में नरेंद्र मोदी और जो बाइडन, दोनों ने भरपूर इस्तेमाल किया। यात्रा के दौरान लगभग हर मौके पर दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र का जिक्र आया, यहां तक कि जब प्रेस-कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री को एक मुस्लिम पत्रकार ने उनकी सरकार द्वारा मुसलमानों के साथ की जाने वाली 'ज्यादती' को लेकर घेरने की कोशिश की, तो उनके बचाव में भी यही लोकतंत्र काम आया। यात्रा के दौरान बार-बार दोहराया गया कि भारत और अमेरिका के डीएनए में ही लोकतंत्र है। डीएनए में लोकतंत्र का सबसे सरलीकृत अर्थ यह होना चाहिए कि दोनों समाज उठते-बैठते लोकतंत्र बरतते हैं। मगर क्या ऐसा है? यह कम महत्वपूर्ण नहीं है कि शासक जनता द्वारा चुने और बदले जाएं, मगर लोकतंत्र का मतलब सिर्फ एक निश्चित अवधि के बाद होने वाला चुनाव नहीं है। लोकतंत्र तो सत्ता की सबसे छोटी इकाई परिवार के अंदर से होते हुए सड़क से गुजरकर सत्ता के केंद्र संसद तक दिखना चाहिए। इस मामले में दोनों समाज अद्भुत विरोधाभासों से ग्रस्त नजर आते हैं।

कोई शक नहीं कि ढाई सौ सालों से अधिक समय से क्रियाशील अमेरिकी लोकतंत्र सबसे पुराना है, पर यह भी सच है कि दुनिया भर में लोकतांत्रिक सरकारों को उखाड़ फेंकने और सैन्य तानाशाही को स्थापित करने में भी इसका योगदान जबर्दस्त रहा है। लगातार असुरक्षा बोध से ग्रस्त इसने हथियारों की दौड़ में दुनिया भर को मुब्तिला कर रखा है। जरूरत न होने पर भी केवल परीक्षण करने के लिए इसने आणविक हथियारों तक का इस्तेमाल किया। इंग्लिश, डच, फ्रेंच या स्पैनिश उपनिवेशवादियों की तरह भले इसने सुदूर भू-भागों में कॉलोनियां नहीं कायम कीं, मगर नव-उपनिवेशवादी नीतियों पर चलते हुए बहुराष्ट्रीय कंपनियों के जरिये अपने आर्थिक उपनिवेश कायम किए। उसके सैन्य उत्पादन कॉरपोरेशन दुनिया भर की सरकारों की आर्थिक और विदेश नीतियां संचालित करते हैं। इन सबके बावजूद अमेरिका का आंतरिक लोकतंत्र उसके सबसे मुखर विरोधी रूस या चीन जैसे देशों के लिए बड़ी ईर्ष्या का विषय हो सकता है। इस देश का सत्ता-प्रतिष्ठान वियतनाम पर 'कार्पेट बॉम्बिंग' करता है, लेकिन जनता को यह सुविधा भी हासिल है कि वह लाखों की संख्या में सड़कों पर उतरकर अपनी सरकार की युद्ध नीतियों का विरोध करे और उसे अपनी नीतियां बदलने को विवश कर सके।

कुछ अलग

हिमाचल में ऋण की मजदूरी

ऋण के भंवर में हिमाचल की हस्ती का आलम यह है कि कमोबेश हर सत्ता को नाखून चबाने पड़ते हैं। यह विडंबना है कि सरकार नाखून चबाए और जनता नाखून बढ़ाए। ये ऐसी ख्वाहिशों के नाखून हैं जो हर सरकार को छीलती हैं और फिर चुनाव आने तक सियासत का लहू चूसती हैं। वर्तमान सरकार का ही हवाला लें, तो साल की सीमा में 4200 करोड़ का कर्ज उठाने की मोहलत में विकास की किश्तियां सफर पे निकली हैं। कर्ज कभी पीछे मुड़ के नहीं देखता और न ही उधार की विरासत में फूल खिलते हैं। कोई यह मानने को तैयार नहीं कि हिमाचल ने अपने संसाधनों की किश्ती हर बार यूं ही नहीं डुबोई, बल्कि यहां सरकारी नौकरी के राजघराने ने हर दौर में डाके डाले हैं। ये डाके समाज की फितरत में अधिकृत हैं और जहां सरकारें मजदूरी करती हैं। अपनी जनता के सामने कमोबेश हर सरकार ने उदारता के हर पहलू को सरकारी तंत्र के खेत में बोया, नतीजा यह कि हर बार कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन की अदायगी केवल राज्य के लिए उधार की एक किस्त बन जाती है। एक ओर खिलखिलाता हुआ हिमाचल, तो दूसरी ओर सरकारी खजाने के खर्च में कुम्हलाता हुआ हिमाचल। इस स्थिति के दोषी तलाशेंगे, तो एक साथ कई सरकारें और जनता तमाशबीन नजर आएगी। इसका एक अर्थ यह भी कि हिमाचल को अर्थ शास्त्र का ज्ञान नहीं या यह भी कि राजनीति में आर्थिक सरोकार ही पैदा नहीं हुए। केंद्रीय योजनाओं के भरोसे आर्थिक टोने-टोटके करती ब्यूरोक्रेसी ने ऋणों का साम्राज्य या उधार का एक मजहब हमें सौंप दिया। इस मजहब के हम सब पात्र हैं। जब हम सरकारी नौकरी में ही भविष्य परोसेंगे, तो यह ऋण लेने का मजहब है। पूरा प्रदेश इस प्रयास में है कि किसी की जेब से 'न हींग लगे, न फटकरी और रंग भी चौखा निकले। हम यही आशा प्रेम कुमार धूमल व वीरभद्र सिंह के बाद अब सुखविंदर सिंह सुक्खू से कर रहे हैं। इसलिए हिमाचल में मुख्यमंत्री का पद हमेशा जनता का कर्ज उतार कर प्रदेश को सौंप देता है। इसी महीने आठ सौ करोड़ का ऋ्रण भी हमें ओवरड्रॉफ्ट के दुष्चक्र से नहीं बचा सका, तो हमारी वित्तीय व्यवस्था कुछ सबक लेने की हिदायत कर रही है। एक बार फिर लोन की प्रक्रिया में हम राज्य की जिस तस्वीर को बचा रहे हैं, वहां सरकारी वेतन, भत्ते और पेंशन के अधिकार में राज्य को कर्जदार बना रहे हैं। ऐसे में क्या और कब तक हिमाचल का नागरिक समाज आंखें मूंद कर बैठा रहेगा। आश्चर्य होता है कि इस प्रदेश में कहीं किसी नगर परिषद को गृहकर की दरें समेटनी पड़ रही हैं, तो कहीं पूरा व्यापार मंडल सात माह का गारबेज शुल्क माफ करवाकर अपना रुतबा बढ़ा रहा है। हम यानी हिमाचली जनता कर रुतबा हर बार राज्य के बजट में इसलिए बढ़ता है, क्योंकि हमें कोई नए, अतिरिक्त या बढ़े हुए शुल्क नहीं देने पड़ते, जबकि दूसरी ओर हमारे खराजात को ढोता राज्य और कर्ज उठा लेता है। हमने विश्वविद्यालय, कालेज, स्कूल, अस्पताल और मेडिकल कालेज इतने बढ़ा लिए कि अब गुणवत्ता पर चर्चा ही नहीं, बल्कि इन संस्थानों के नखरे उठाने के लिए राज्य को उधार की भीख चाहिए। क्या हमारा विकास, आर्थिक विकास के जरिए खजाने को आत्मनिर्भर नहीं बना सकता। क्या हम स्वरोजगार के सरोकार अपनी शिक्षण व्यवस्था को सौंप कर इसका ढांचा बना पाए। क्या हम जनसहयोग के रास्ते पर प्रदेश को खड़ा कर पाए या कभी सोचा कि कर प्रणाली के जरिए मानव संसाधन को आत्मनिर्भर बनाएं। दरअसल हिमाचल की सियासत ने अपना मूल्य इतना बढ़ा दिया कि मतदाता भी हर चुनाव की बोली में महंगा हो गया। सरकारें मिशन रिपीट के सिंड्रोम में कर्ज उठा रही हैं, जबकि सियासत के वर्तमान ढर्रे को तोडक़र ही कर्ज की फांस से राहत मिलेगी। हिमाचल में कड़े और कठिन फासलों की राह, कर्ज की राह से लंबी हो चुकी है, यह प्रदेश को फैसला करना है कि किस रास्ते पर चलते हुए कर्ज को पछाड़ा जाए।

नागरिक बोध

डॉक्टर्स के ब्रेन डेन को नजरअंदाज मत करिए

देश से डॉक्टर्स का ब्रेन ड्रेन यानी प्रतिभा पलायन इस मायने में महत्वपूर्ण और गंभीर हो जाता है कि देश में चिकित्सकों की आज भी बेहद कमी का सामना करना पड़ रहा है। देश के करीब 75 हजार डॉक्टर्स ओईसीडी यानी कि आर्थिक सहयोग व विकास संगठन से जुड़े देशों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ताजातरीन उदाहरण देश के सबसे बड़े दिल्ली के एम्स का ही देखा जा सकता है, जहां पिछले दस माह में सात विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने किसी न किसी कारण से सेवाएं देना बंद कर दिया है। आज दस हजार से अधिक लोगों को प्रतिदिन सेवाएं देने वाले एम्स में ही 200 डॉक्टर्स की कमी चल रही है। यह तो एक मिसाल मात्र है। इसमें कोई दोराय नहीं कि हमारे चिकित्सकों की काबिलीयत और विशेषज्ञता के कारण ही विदेशों में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार ओईसीडी देशों में रह रहे 75 हजार डॉक्टर्स में से करीब दो तिहाई तो अमेरिका में ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह तो मानना पड़ेगा कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है पर अभी बहुत कुछ किया जाना है। कोविड के दौरान तो दुनिया में श्रेष्ठतम कार्य करने के बावजूद हमारी स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खुलकर रह गई। दुनिया में सबसे अधिक डॉक्टर्स के ब्रेन ड्रेन वाला देश ग्रेनेडा है। यहां के दस हजार डॉक्टर विदेशों में पलायन कर चुके हैं। कोरोनाकाल में ग्रेनेडा को अपने चिकित्सकों को विदेशों से वापस बुलाने तक का निर्णय करना पड़ा। हमारे यहां कोरोना ने स्वास्थ्य सेवाओं को नई जान दी है और सरकारी व गैरसरकारी प्रयासों से अस्पतालों में वेंटिलेटर, ऑक्सिजन कन्सट्रेट आदि की जरूरतों को पूरा करने के समग्र और सार्थक प्रयास किए गए पर आज भी प्रशिक्षित मैनपावर की कमी के कारण इन उपकरणों का सही उपयोग नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण ही माना जाएगा। यदि हम ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण करें तो देश में शहरी क्षेत्र में तो कमी है ही पर ग्रामीण क्षेत्र के हालात अधिक ही चिंताजनक है। ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2021-22 की माने तो देश में ग्रामीण इलाकों की डिस्पेंसरियों में 81.6 प्रतिशत बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं है। और तो और सामान्य फिजिशियनों की ही बात करें तो ग्रामीण क्षेत्र की डिस्पेंसरियों में 79 प्रतिशत फिजिशियन की कमी है। 72 प्रतिशत से कुछ अधिक कमी प्रसूति रोग विशेषज्ञों की है। यह तो सरकारी आंकड़ों में दर्शाए गए हालात है। हालांकि नवीनतम रिपोर्ट में हालात में कुछ सुधार देखने को मिल सकते हैं पर अधिक सुधार की आशा करना बेमानी होगा। दरअसल हमारे यहां दस हजार की आबादी पर केवल सात डॉक्टर उपलब्ध हैं जबकि क्यूबा जैसा देश दुनिया के देशों में मेडिकल चिकित्सकीय सेवा में लीड कर रहा है और वहां दस हजार की आबादी पर 84 डॉक्टर उपलब्ध है, अमेरिका में यह संख्या 35 तो चीन में 23 है।

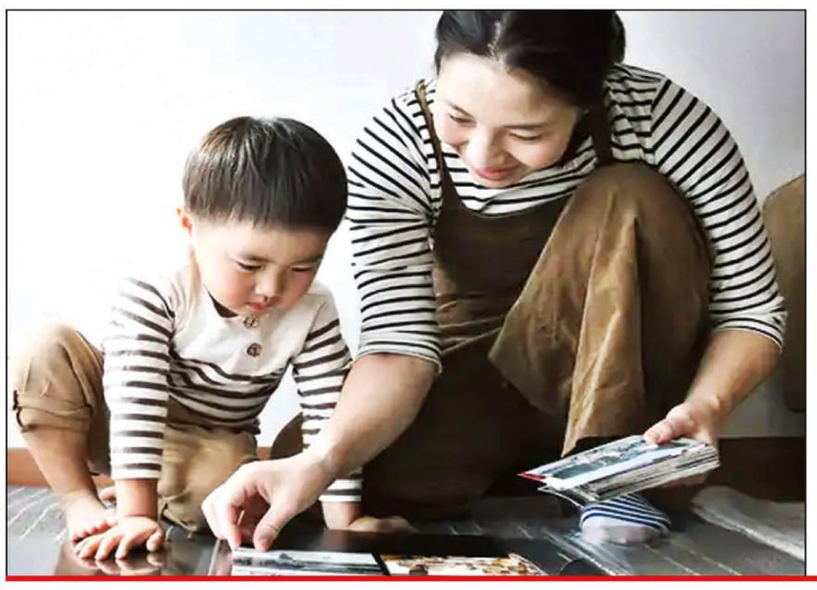

बच्चों पर मां की मौजूदगी का असर ताउम्र रहता है: हर चीज में मदद करने वाली मांओं के बच्चे ज्यादा बुद्धिमान होते हैं

बर्न।

इस तथ्य से इंकार नहीं कर सकते कि बच्चे के जीवन में मां की भूमिका अहम होती है। नैपी बदलने से लेकर खेलों में उत्साह बढ़ाने तक मां बेहतर तरीके से मल्टीटास्किंग होती हैं। पर क्या आप जानते हैं कि उनका समर्थन बच्चों के लिए मौजूद रहने से कहीं ज्यादा होता है। मां जब छोटी-छोटी चीजों में बच्चों का ज्यादा सहयोग करती हैं, तो बच्चों का सामान्य बुद्धि स्कोर भी ज्यादा होता है। भले ही मां की बुद्धिमत्ता का स्कोर कम हो, तो भी बच्चों पर इसका असर नहीं पड़ता। यह प्रभाव बच्चे पर ताउम्र बना रहता है। यह दावा जर्नल इंटेलिजेंस में प्रकाशित ताजा स्टडी में किया गया है।

14 माह से 10 साल तक के बच्चों पर हुई स्टडी - शोधकर्ताओं ने 1,075 बच्चों को स्टडी में शामिल किया था। इनमें अलग-अलग और जातीय पृष्ठभूमि के लड़के और लड़कियां शामिल थे। नतीजों से पता चलता है कि सहायक मां होने का सीधा असर बच्चे की बुद्धि पर पड़ता है। जब माताओं ने अपने बच्चों के प्रति अधिक समर्थन दिखाया, तो बच्चे सामान्य बुद्धि होने पर भी ज्यादा अंक हासिल करने लगे। स्टडी के लेखक और शोधकर्ता कर्टिस डंकल कहते हैं,'जीवन की शुरुआत में सामान्य बुद्धि में व्यक्तिगत अंतर काफी हद तक एक ही घर में रहने वाले लोगों द्वारा साझा किए गए वातावरण के कारण होता है। जबकि वयस्क होने पर बड़े पैमाने पर मतभेद, आनुवंशिकी की वजह से होते हैं। स्टडी के दौरान बच्चों (14 माह से 10 साल वाले) की बौद्धिक क्षमता का मूल्यांकन शब्दावली बनाने और उसकी समझ, प्रारंभिक इशारों व मानसिक विकास परीक्षणों की मदद से किया गया।

40 साल की उम्र में सामान्य बुद्धि के लिए मां का समर्थन मायने नहीं रखता - डंकल कहते हैं, कुछ स्टडी बताती है कि बच्चों पर यह प्रभाव वयस्कता की शुरुआत होने तक ज्यादा रहता है। यह उम्र का अहम पड़ाव है, जब बौद्धिक प्रदर्शन में थोड़ी बढ़त भी महत्वपूर्ण हो सकती है। जैसे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी या कॉलेज में प्रवेश की यही उम्र होती है। हालांकि 40 साल की उम्र में सामान्य बुद्धि के लिए मां का समर्थन मायने नहीं रखता, पर यह किसी व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण हो सकता है। मां के सहयोग को बढ़ावा देकर, माता-पिता संभावित रूप से बच्चों की दीर्घकालिक बौद्धिक बेहतरी में अहम योगदान दे सकते हैं। डंकल कहते हैं,'मां का सहयोग भले ही कम समय का हो, पर महत्वपूर्ण है। लंबी अवधि में इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मां कितनी सहायक थीं। स्टडी के दौरान यह भी पता चला कि जो बच्चे अपनी सोच को प्रोत्साहित करने के लिए अपने माता-पिता की कोशिशों में ज्यादा रुचि रखते हैं और प्रतिक्रिया देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सरकार की ऋण पुनर्गठन योजना का विरोध करेगी विपक्षी एसजेबी , कहा- डीडीआर को लेकर नहीं है कोई स्पष्टता

कोलंबो । श्रीलंका की मुख्य विपक्षी पार्टी ने शुक्रवार को नकदी संकट से जूझ रहे देश के बैंकिंग और वित्त क्षेत्र पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता जताई। उसने कहा कि वह सरकार की घरेलू ऋण पुनर्गठन (डीडीआर) योजना के खिलाफ मतदान करेगी। बता दें, कैबिनेट ने बुधवार को ऋण पुनर्गठन योजना को मंजूरी दे दी है, जिसे संसद में सार्वजनिक वित्त समिति के पास, फिर अंत में शनिवार को संसद की मंजूरी के लिए भेजा जाना है। सरकार ने 42 अरब डॉलर के स्थानीय ऋण का पुनर्गठन किया है, जो इसके बाहरी ऋण घटक से अधिक है। इसी सब को देखते हुए श्रीलंका के बैंकिंग और वित्त क्षेत्र ने हालात और बदतर होने की आशंका जताई है। समागी जन बालवेगया (एसजेबी) पार्टी के महासचिव रंजीत मदुमा बंडारा ने कहा कि हम घरेलू ऋण पुनर्गठन के खिलाफ मतदान करेंगे क्योंकि इस लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। एसजेबी के विधायक और सार्वजनिक वित्त समिति के प्रमुख हर्षा डी सिल्वा ने कहा कि गवर्नर के स्पष्टीकरण के आधार पर बैंकिंग और बीमा क्षेत्र समग्र रूप से प्रभावित नहीं होंगे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संप्रभु बांड और श्रीलंका विकास बांड के माध्यम से बैंक प्रभावित हो सकते हैं। विपक्ष ने कहा कि वे विशेष सत्र में संसद में पेश किए जाने वाले अंतिम प्रस्ताव को देखने के लिए उत्सुक हैं। श्रीलंका वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की राहत शर्तों के अनुसार ऋण पुनर्गठन पर अपने बाहरी कर्जदाताओं के साथ बातचीत कर रहा है। मार्च में, आईएमएफ ने कर्ज में डूबे श्रीलंका को पिछले साल विनाशकारी आर्थिक संकट से जूझने के बाद उसकी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद के वास्ते चार साल की अवधि के लिए लगभग तीन अरब डॉलर की राहत सुविधा प्रदान की थी। राष्ट्रपति व वित्त मंत्री राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को उम्मीद है कि वह अपने 41 अरब डॉलर कुल विदेशी ऋण में से 17 अरब डॉलर कम कर पाएंगे।

ब्रह्मांड में गूंजने वाली हम्म्म्म की आवाज का भारत सहित पांच देशों ने किया खुलासा, इसलिए आती है ध्वनि

पेरिस । ब्रह्मांड में हमेशा गूंजने वाली 'हम्म्म्म' की आवाज का पहली बार खुलासा हुआ है। ये ध्वनि

ब्रह्मांड में हमेशा एक गूंजती रहती है। इसे सुनकर ऐसा लगता है जैसे आप किसी शोरगुल वाली जगह पर बैठे हों। अब भारत समेत दुनियाभर के वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि ये आवाज ग्रैविटेशनल वेव यानी गुरुत्वाकर्षण तरंगों की वजह से निकलती है। भारत, अमेरिका, यूरोप, चीन और ऑस्ट्रेलिया के साइंटिस्ट्स को रेडियो टेलीस्कोप की मदद से इस बात का पहला सबूत मिला है। पहले ये कहा जाता था कि ब्रह्मांड में कोई आवाज नहीं होती। लेकिन करीब 15 साल तक के आंकड़े जुटाने के बाद वैज्ञानिकों को यह सफलता मिली है। इससे पहले नासा ने कहा था कि यह धारणा गलत है कि अंतरिक्ष में कोई ध्वनि नहीं है, क्योंकि आकाशगंगा खाली है, जिससे ध्वनि तरंगों को यात्रा करने का कोई रास्ता नहीं मिलता। एक गैलेक्सी क्लस्टर में इतनी गैस है कि हमने वास्तविक ध्वनि को पकड़ लिया है। यहां एक ब्लैक होल की एंप्लीफाइड और अन्य डेटा के साथ मिक्स करके बनाई गई ध्वनि है। ये आवाज एक कंपन है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अंतरिक्ष में कई जगहों पर गैस हैं। जिनके कारण ध्वनि तरंगें घूमती रहती हैं। अगस्त 2022 में नासा ने पर्सियस आकाश गंगा समूह के केंद्र में एक बड़े ब्लैक होल की ध्वनि को खोजा था। नासा ने इस ब्लैक होल से निकलने वाली ध्वनि को जारी किया था।

बलूचिस्तान में ईद की नमाज के दौरान भागे 17 कैदी, पुलिस गोलीबारी में एक की मौत

कराची । जब पाकिस्तान ईद मना रहा था तो उसके एक प्रांत बलूचिस्तान में नमाज के दौरान 17 कैदी भाग गए। कैदी बलूचिस्तान की चमन जेल से फरार हो गए इस दौरान तैनात पुलिसकर्मियों ने फायरिंग की इसमें एक कैदी की मौत हो गई। वहीं बलूचिस्तान जेल महानिरीक्षक मलिक शुजा कासी ने कहा कि हिंसा और गोलीबारी में कुछ पुलिस गार्ड और कैदी घायल हो गए। शुजा कासी ने बताया कि गुरुवार को जेल में ही खुली जगह पर ईद के मौके पर नमाज अदा की जा रही थी, तभी कुछ कैदी वहां से भाग निकले। उन्होंने आगे बताया कि जाहिर तौर पर इन कैदियों ने भागने की योजना बनाई थी और ईद की नमाज के दौरान इसे अंजाम दिया। ईद की नमाज के लिए अपनी बैरक के बाहर ही उन्होंने पुलिस गार्डों पर जानलेवा हमला कर दिया था। आगे उन्होंने बताया कि हालांकि जेल में तैनातपुलिसकर्मियों ने उनको रोकने की कोशिश भी की और उन्होंने फायरिंग की लेकिन 17 कैदी भागने में सफल रहे जबकि एक मारा गया।

पाकिस्तान के दिवालिया होने का खतरा टला

सरकार और आईएमएफ के बीच 3 अरब डॉलर की डील हुई, जुलाई में मिल सकती है मंजूरी

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान एक बार फिर दिवालिया होने से बच गया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने पाकिस्तान को स्टाफ लेवल एग्रीमेंट के तहत 3 अरब डॉलर का कर्ज देने का फैसला किया है। आईएमएफ और पाकिस्तान की सरकार के बीच 9 महीने का स्टैंडबाय अरेंजमेंट हुआ है। हालांकि, अभी इसे आईएमएफ के एग्जीक्यूटिव बोर्ड की मंजूरी मिलना बाकी है। पाकिस्तान के लिए आईएमएफ के मिशन प्रमुख नाथन पोर्टर ने कहा- मुझे ये ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि आईएमएफ का पाकिस्तानी अथॉरिटी के साथ उसके आईएमएफ कोटे के 111 फीसदी यानी 3 बिलियन डॉलर के लिए 9 महीने के स्टैंडबाय एरेंजमेंट के तहत स्टॉफ-लेवल एग्रीमेंट हो गया है। दरअसल, पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच 6.5 अरब डॉलर के कर्ज पर 2019 में सहमति बनी थी। इसकी दो किश्तें पाकिस्तान को मिल चुकी हैं। तीसरी किश्त पर मंजूरी के लिए आखिरी दिन था।

पाकिस्तान के लिए उम्मीद से ज्यादा का राहत पैकेज - पाकिस्तान को 3 बिलियन डॉलर का राहत पैकेज उसके उम्मीद से ज्यादा है। 2019 में हुए समझौते के आधार पर उसे 2.5 बिलियन डॉलर मिलने का इंतजार था। आईएमएफ के बोर्ड की तरफ से इस समझौते पर मिड-जुलाई में फैसला आने की उम्मीद है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने डील होने के बाद ट्वीट करते हुए अल्हम्दुलिल्लाह लिखा। नाथन पोर्टर ने कहा- पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को कुछ समय से कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसमें पिछले साल आई बाढ़ और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कमोडिटी के दामों में तेज उछाल शामिल है।

9 जून को पेश हुआ था बजट, इससे आईएमएफ नाराज था - इससे पहले 9 जून को पाकिस्तान सरकार ने 50.45 बिलियन डॉलर का बजट पेश किया था। पाकिस्तानी सरकार ने वित्त वर्ष 2024 के लिए कुल एक्सपेंडिचर (खर्च) 13.32 लाख करोड़ रुपए रखा था। इसका 55प्रतिशत हिस्सा कर्ज और उसकी ब्याज चुकाने में खर्च होगा। यानी करीब 7.3 लाख करोड़ रुपए कर्ज चुकाने में ही चले जाएंगे। सरकार ने अगले साल महंगाई दर 21प्रतिशत से कम रखने का टारगेट रखा है। मंत्री इशाक डार ने बताया था कि नए बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। हालांकि, सरकार के इस फैसले से आईएमएफ नाराज हो गया था।

शाहबाज सरकार का प्लान क्र तैयार था - आईएमएफ की तरफ से किश्त मंजूरी को लेकर हो रही लगातार देरी को देखते हुए शाहबाज सरकार ने प्लान भी तैयार कर लिया था। पाकिस्तान के फाइनेंस मिनिस्टर इशहाक डार ने पिछले महीने कहा था- अगर आईएमएफ हमें कर्ज की किश्तें जारी करना शुरू नहीं करता या हमारा पुराना प्रोग्राम बहाल नहीं करता तो हमारे पास प्लान बी तैयार है। माना जा रहा था कि 3 से 4 अरब डॉलर हासिल करने के लिए पाकिस्तान अपने दोस्त मुल्कों से मदद की गुहार लगा सकता है। सऊदी अरब ने फरवरी में पाकिस्तान को 3 अरब डॉलर देने का वादा भी किया था। हालांकि, उसे अभी तक ये फंडिंग नहीं मिली है।

आईएमएफ की शर्तें पूरी नहीं कर पा रही थी शाहबाज सरकार - पाकिस्तान को आईएमएफ की तरफ से कर्ज मिलने की मंजूरी 8 महीने देरी से मिली है। इसकी वजह यह रही कि इमरान खान ने सरकार गिरने के ठीक दो दिन पहले पेट्रोल-डीजल 10 रुपए तक सस्ता कर दिया था, जिससे आईएमएफ नाराज हो गया था। शाहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री बनने के बाद कई बार पेट्रोल के दाम बढ़ाए थे लेकिन इसके बाद भी वो आईएमएफ की शर्तें पूरी नहीं कर पा रहे थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक- आईएमएफ ने पाकिस्तान सरकार से रेवेन्यू और इनकम के बारे में तफ्सील से रिपोर्ट मांगी थी। पाकिस्तान ने रिपोर्ट पेश भी की थी, लेकिन आईएमएफ की टीम इससे सख्त नाखुश थी।

पाकिस्तान में जून के पहले हफ्ते में महंगाई का हाल

- टमाटर के दाम 1.11प्रतिशत तक बढ़े
- चिकन के दाम 2.87प्रतिशत तक बढ़े
- प्याज के दामों में 7.31प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गई
- चाय के दाम 1.56प्रतिशत बढ़े
- नमक के दाम में 1.08प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई
- आटे के दाम 4.06प्रतिशत बढ़े
- एलपीजी के दाम 4.46प्रतिशत बढ़े

सरकार पिछले बजट का टारगेट पूरा करने से चूकी - पाकिस्तान सरकार अपने पिछले साल के बजट का कोई टारगेट पूरा नहीं कर पाई थी। पिछले साल 2023 के लिए ग्रोथ का टारगेट 5प्रतिशत रखा गया था। जिसे बाद में घटाकर 2प्रतिशत कर दिया था। अब 2023 के लिए पाकिस्तान की ग्रोथ रेट 0.29प्रतिशत रखी गई है। साउथ एशिया में सबसे ज्यादा महंगाई पाकिस्तान में है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर केवल 32 हजार करोड़ रुपए रह गया है।

चीन के जिस जासूसी गुब्बारे को मार गिराया, उसने नहीं इकट्ठा की थी कोई खुफिया जानकारी, अमेरिका का खुलासा

वॉशिंगटन ।

अमेरिका और चीन के बीच इसी साल फरवरी में एक जासूसी गुब्बारे को लेकर जबरदस्त तनाव पैदा हो गया था। दरअसल, अमेरिकी राज्य मोंटाना के आसमान में चीन के एक गुब्बारे को देखा गया था। चीन ने इसे आखिर तक मौसम की जानकारी इकट्ठा करने वाला मार्ग से भटका हुआ गुब्बारा करार दिया था। हालांकि, अमेरिकी वायुसेना ने इसे मार गिराया था। अब अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने खुलासा किया है कि जिस चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया गया, उसने कोई भी खुफिया जानकारी इकट्ठा नहीं की थी। पेंटागन ने स्पष्ट तौर पर यह नहीं बताया है कि चीन का यह गुब्बारा जासूसी के लिए था भी या नहीं। हालांकि, रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर ने बताया कि न तो इस गुब्बारे ने कोई संवेदनशील डेटा इकट्ठा किया और न ही उसे चीन को भेजा। उन्होंने कहा, हमें पता है कि इस गुब्बारे में खुफिया जानकारी जुटाने की क्षमता थी। लेकिन यह हमारा विश्लेषण है कि इस गुब्बारे ने अमेरिका के आसमान से गुजरते हुए कोई संवेदनशील डेटा नहीं जुटाया। राइडर ने कहा कि गुब्बारे के खिलाफ सख्त कदम उठाकर पेंटागन ने पहले ही ऐसी किसी कोशिश को रोक दिया था।

अमेरिका-चीन के थे अलग-अलग दावे

चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराने की घटना के बाद बीते कुछ महीनों से अमेरिका और चीन के रिश्तों में तनाव पैदा हो गया था। बीती 28 जनवरी को अमेरिका के राज्य अलास्का से एक जासूसी गुब्बारा अमेरिका के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ था। इसके बाद वह अमेरिका के कई राज्यों से होकर गुजरा। इस दौरान उसने अमेरिका के कई संवेदनशील सैन्य ठिकानों के ऊपर से भी उड़ान भरी। जिसमें मोंटाना का सैन्य बेस भी शामिल है, जहां अमेरिका के परमाणु हथियार तैनात हैं। अमेरिकी सेना के अनुसार, गुब्बारे का आकार तीन बसों के बराबर था। 4 फरवरी को इस गुब्बारे को अमेरिका ने निशाना बनाकर अटलांटिक समुद्र में गिरा दिया था, जहां से उसके अवशेष बरामद कर लिए गए थे। गुब्बारे के बारे में अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उसपर सिग्नल लगे हुए थे, जो खुफिया जानकारी इकट्ठे करने के काम आता है। विमान में कई एंटिना थे, जिससे भूमि की पहचान की जा सकती थी।

मेक्सिको में गर्मी का कहर, कई जगहों पर 50ए सेल्सियस पहुंचा तापमान; 14 दिन में 100 की मौत

मेक्सिको।

पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान का सामना कर रही है। गर्मी का कहर इस समय सबसे ज्यादा मेक्सिको में देखा जा सकता है। यहां के कुछ हिस्सों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले दो हफ्तों में कम से कम 100 लोगों की मौत हुई है। मेक्सिको में भयंकर गर्मी के कारण बिजली की भी रिकॉर्ड मांग बढ़ गई। इसकी वजह से अधिकारियों को कई जगहों से बिजली काटनी पड़ी, जिससे लोगों की और परेशानी बढ़ गई। तपती गर्मी से लोग बेहाल दिखे।

मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, दो-तिहाई से अधिक मौतें 18-24 जून के बीच में हुईं, जबकि शेष पिछले सप्ताह हुईं। वहीं, अगर पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान गर्मी से हुई मौत की बात करें तो एक व्यक्ति की जान गई थी। मेक्सिको में अधिकतर मौतें लू की वजह से हुईं। वहीं, इनमें से कुछ की मौत का कारण डिहाइड्रेशन भी रहा। बता दें, 64 फीसदी मौतें टेक्सास की सीमा से लगे उत्तरी राज्य नुएवो लियोन में हुई हैं। शेष बचे लोग खाड़ी तट पर पड़ोसी तमाउलिपास और वेराक्रूज के रहने वाले थे। खैर, इस बीच खबर आई है कि यहां के तापमान में हाल के दिनों में कमी आई है। दरअसल, भीषण गर्मी झेल रहे लोगों को बारिश के होने से राहत मिली है। हालांकि, कुछ उत्तरी शहरों में अभी भी उच्च तापमान दर्ज किया गया है। सोनोरा राज्य के अकोन्वी शहर में बुधवार को अधिकतम तापमान 49 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ऑस्ट्रेलिया में इच्छा मृत्यु की उम्र घटेगी: 18 से घटाकर 14 साल करने की तैयारी, विपक्ष बोला- नाबालिग को इच्छा मृत्यु चुनने देना जोखिम

कैनबरा।

ऑस्ट्रेलिया के राजधानी क्षेत्र कैनबरा में सरकार ब्रेन डेड लोगों को इच्छा मृत्यु दिए जाने की न्यूनतम उम्र 14 साल करने जा रही है। अगर यह कानून पास हो जाता है तो इच्छा मृत्यु को लेकर यह सबसे उदार कानून होगा, जिसके तहत बच्चों को भी ऐसे अधिकार मिल सकेंगे।

उम्र का फैसला सिर्फ बर्थडेट से नहीं होगा

इस कानून के बारे में हाल ही में राज्य की मानवाधिकार मंत्री तारा शाएन ने कहा था कि हम फैसले लेने के लिए परिपक्वता की आयु 18 से घटाकर 14 वर्ष करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आयु सीमा विवेक का मामला है और सिर्फ जन्मदिन पार कर लेना काफी नहीं होगा, बल्कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ उस व्यक्ति की निर्णय क्षमता पर फैसला करेंगे।

80 फीसदी लोगों ने इच्छा मृत्यु का समर्थन किया

शाएन के मुताबिक उनके कानून को जनता का समर्थन हासिल है, जो इसके बारे में सामुदायिक परामर्श कार्यक्रमों में भी नजर आया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक परामर्श में 3,000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया और 500 लोगों ने लिखित में अपनी राय दी। 80 फीसदी लोगों ने इच्छा मृत्यु का समर्थन किया।

नाबालिग को इच्छामृत्यु चुनने का अधिकार देना सही नहीं

दूसरी ओर, सरकार की इस कवायद का विरोध शुरू हो गया है। उम्र घटाने

के मंसूबे को गृह मामलों के शैडो मंत्री जेम्स पैटर्सन को खौफनाक बताया है।

उन्होंने तर्क दिया कि एक शख्स जो अभी बालिग भी नहीं है; उसे अपने फैसले लेने की समझ नहीं है, उसे इच्छामृत्यु चुनने का अधिकार दिया जाना कहां तक सही होगा। ऐसे करने से जोखिम ही बढ़ेगा।

अमेरिकी कॉलेजों में एडमिशन में नस्ल-जाति के इस्तेमाल पर रोक

सुप्रीम कोर्ट बोला- ये संविधान के खिलाफ; बाइडेन ने फैसले का विरोध किया

वॉशिंगटन।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी एडमिशन में रेस यानी नस्ल और जाति के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की बेंच ने ये फैसला सुनाया। अमेरिका में अफ्रीकी-अमेरिकियों (ब्लैक) और अल्पसंख्यकों को कॉलेज एडमिशन में रिजर्वेशन देने का नियम है। इसे अफर्मेटिव एक्शन यानी सकारात्मक पक्षपात कहा जाता है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट एक्टिविस्ट ग्रुप स्टूडेंट्स फॉर फेयर एडमिशंस की पिटीशन पर सुनवाई कर रहा था। इस ग्रुप ने हायर एजुकेशन के सबसे पुराने प्राइवेट और सरकारी संस्थानों और खास तौर पर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और उत्तरी कैरोलिना यूनिवर्सिटी की एडमिशन पॉलिसी के खिलाफ 2 याचिकाएं लगाई थीं। उन्होंने तर्क दिया था कि ये पॉलिसी व्हाइट और एशियन अमेरिकन लोगों के साथ भेदभाव है।

राष्ट्रपति बाइडेन बोले- फैसला गलत, देश में अब भी भेदभाव जारी

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर राष्ट्रपति बाइडेन ने आपत्ति जताई है। बाइडेन ने कहा- मैं सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से असहमत हूं। अमेरिका ने दशकों से दुनिया के सामने एक मिसाल पेश की है। ये फैसला उस मिसाल को खत्म कर देगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले को आखिरी शब्द नहीं माना जाता सकता है। अमेरिका में अब भी भेदभाव बरकरार है। ये फैसला इस कड़वी सच्चाई को नहीं बदल सकता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- रिजर्वेशन संविधान के खिलाफ

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा- ये शानदार दिन है। जो लोग देश के विकास के लिए मेहनत कर रहे हैं

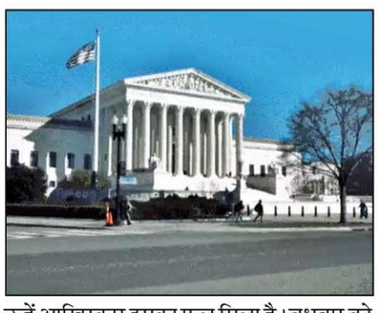

उन्हें आखिरकार इसका फल मिला है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा- अफर्मेटिव एक्शन अमेरिका के संविधान के खिलाफ है जो सभी नागरिकों को बराबरी का हक देता है। अगर यूनिवर्सिटी में एडमिशन कुछ वर्ग के लोगों को फायदा दिया जाएगा तो ये बाकियों के साथ भेदभाव होगा, जो उनके अधिकारों के खिलाफ है।

चीफ जस्टिस बोले- रंग नहीं बल्कि स्किल्स-एक्सपीरिएंस से काबिलियत साबित होती है

चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने फैसला सुनाते हुए कहा- लंबे वक्त से कई यूनिवर्सिटीज ने ये गलत धारणा बना रखी थी कि किसी व्यक्ति की काबिलियत उसके सामने आने वाली चुनौतियां, उसकी स्किल्स, एक्सपीरिएंस नहीं बल्कि उसकी त्वचा का रंग है। हावर्ड यूनिवर्सिटी की एडमिशन पॉलिसी इस सोच पर टिकी है कि एक ब्लैक स्टूडेंट में कुछ ऐसी काबिलियत है जो व्हाइट स्टूडेंट्स में नहीं है। इस तरह की पॉलिसी बेतुकी और संविधान के खिलाफ है। विश्वविद्यालयों के अपने नियम हो सकते हैं लेकिन इससे उन्हें नस्ल के आधार पर भेदभाव का लाइसेंस नहीं मिल सकता। जस्टिस रॉबर्ट्स ने कहा कि जिन जजों ने इस फैसले पर असहमति जताई है वो कानून के उस हिस्से को अनदेखा कर रहे हैं, जिसे वो नापसंद करते हैं। पिटीशन लगाने वाले ग्रुप स्टूडेंट्स फॉर फेयर एडमिशन के फाउंडर ब्लम ने जश्न मनाते हुए इस फैसले को जबरदस्त करार दिया है। उन्होंने कहा- ये कलर ब्लाइंडनेस के कानूनी पक्ष को स्थापित करता है। ये फैसला मेरिट के समर्थन में है जो अमेरिकन ड्रीम की बुनियाद है। वहीं स्ट्र के फैसला सुनाने के बाद कई संगठनों ने इसका विरोध भी किया। हार्वर्ड ब्लैक स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष एंजी गाब्यू ने कहा- हम कोर्ट के आदेश से हताश हुए हैं। अमेरिका में अफर्मेटिव एक्शन 1960ह्य में लागू किया गया था। इसका मकसद देश में डायवर्सिटी को बढ़ावा देना और ब्लैक कम्युनिटी के लोगों के साथ भेदभाव को कम करना था।

खालिस्तानी नारे लिखकर दहशत फैलाने वाले ग्रुप का पर्दाफाश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने पंजाब व हरियाणा में खालिस्तानी नारे लगाकर दहशत फैलाने वाले ग्रुप का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह विदेश में बैठे सिख फॉर जस्टिस के मुखी आतंकी गुरपतवंत पन्नू के इशारों पर काम कर रहा था। यही नहीं इस गिरोह ने खालिस्तानी झंडे भी फहराए हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि यह गैंग पंजाब, हरियाणा और हिमाचल में खालिस्तानी नारे लिख रहा था। इतना ही नहीं, देश विरोधी नारे दिखाते हुए पंजाब के माहौल को खराब करने का प्रयास कर रहे थे। पंजाब पुलिस लंबे समय से इस गैंग की तलाश में थी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस प्रोफेशनल और वैज्ञानिक तरीके से जांच कर रही थी। अंत में इन आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। पुलिस अब आरोपियों से विस्तृत जानकारियां हासिल करने में जुटी है। अमृतसर में जी-20 सम्मेलन से पहले अमृतसर, हरियाणा बॉर्डर और बठिंडा में खालिस्तान समर्थन में नारे लिखे थे। इतना ही नहीं, हिमाचल में चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्यास पहुंचे थे। इस दौरे से पहले भी पन्नू ने प्रधानमंत्री के विरोध में नारे लिखवाए थे।

शाह और वसुंधरा का साथ आना बना चर्चा का विषय

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सभा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और शाह का साथ आना चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल, राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से वसुंधरा को सीएम का चेहरा नहीं बनाए जाने की चर्चा चल रही है। इन्हीं चर्चाओं के बीच, वसुंधरा का एक दिन पहले ही उदयपुर पहुंच जाना और सभा की तैयारियों का जायजा लेना भी चर्चा का विषय बना था। वहीं, शुक्रवार को उदयपुर एयरपोर्ट से शाह और वसुंधरा राजे का एक ही गाड़ी में बैठकर आना भी चर्चा में रहा। सूत्रों की मानें तो पूर्व में वसुंधरा राजे की गाड़ी अलग से रखी गई थी, लेकिन एयरपोर्ट पर कुछ ऐसा हुआ कि शाह और वसुंधरा राजे एक ही गाड़ी में बैठे और सभा स्थल पहुंचे। कयास लगाए जा रहे हैं कि शाह की सहमति पर ही वसुंधरा राजे उनकी गाड़ी में बैठी होंगी। गौरतलब है कि भरतपुर में भी भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एक ही गाड़ी में सभास्थल पहुंचे थे। इस चर्चा को उस समय और बल मिल गया जब मंच पर संबोधन

के दौरान प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के भाषण के बाद संचालन कर रहे राजेन्द्र राठौड़ ने गृहमंत्री अमित शाह को उद्बोधन के लिए आमंत्रित किया, लेकिन उसी समय शाह ने उन्हें पहले पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का भाषण कराने का इशारा किया। कहते हैं राजनीति में दूरियां-नजदीकियां दर्शाने के भी अलग-अलग तरीके होते हैं, कहीं बिना कहे भी नजदीकियां सामने आ जाती हैं तो कहीं कहने का दिखावा करने पर भी दूरियां साफ नजर आ जाती हैं। पिछले कुछ समय से वसुंधरा राजे की बढ़ती सक्रियता और राष्ट्रीय नेताओं का उनको सम्मान प्रदान किया जाना राजस्थान में भाजपा की राजनीति में फिर किसी नए अध्याय की ओर इशारा न हो।

केंद्र की योजनाओं को अटकाने का काम करती है गहलोत सरकार : शेखावत

उदयपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राज्य की गहलोत सरकार केंद्र की योजनाओं का समुचित ढंग से क्रियान्वयन करने के बजाय उन्हें अटकाने, भटकाने और लटकाने का काम करती है। यही कारण है कि जल जीवन मिशन योजना में यहां बहुत धीमी गति से काम हो रहा है। इन कामों में राजनीतिक भेदभाव बरता जा रहा है। शेखावत शुक्रवार को उदयपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सभा में अपना उद्बोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2019 में लालकिले से यह संकल्प किया था कि हर घर में पीने का पानी शुद्ध और समुचित मात्रा में पहुंचे। इसके लिए जल जीवन मिशन शुरू किया गया। मुझे इसका दायित्व सौंपा गया। मुझे प्रसन्नता होती है कि दो साल कोरोना की आपदा के बावजूद हमने काम किया। इसी का नतीजा है कि वर्ष 2019 में जहां 16 प्रतिशत घरों में नल से पानी पहुंचता था, अब यह आंकड़ा 64 प्रतिशत तक पहुंच गया है। केंद्र सरकार ने लगभग पचास प्रतिशत घरों को पीने का पानी पहुंचाने में सफलता प्राप्त की, लेकिन राजस्थान की सरकार जल जीवन मिशन के भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई। यहां कामों को अटकाया गया। राजनीतिक प्रतिबद्धता के आधार पर भेदभाव किया गया। राजस्थान सरकार को दिए बजट का 20-25 प्रतिशत पैसा भी खर्च नहीं कर पाई। देश में सबसे कम प्रगति राजस्थान में हुई है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के समय जब डबल इंजन की सरकार थी, तब राज्य में खूब विकास कार्य हुए। राज्य विकसित प्रांतों की श्रेणी में आकर खड़ा हुआ था, लेकिन गहलोत सरकार ने पिछले साढ़े चार साल में इसे फिर से पिछड़ा राज्य बना दिया। आज प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब है। उदयपुर का नाम लेते ही कन्हैयालाल याद आता है, जिसकी गला काटकर हत्या कर दी गई। तुष्टीकरण के चलते मजहब के नाम पर वैमनस्य फैलाने वालों को प्रश्रय दिया गया। इसी का नतीजा रहा कि भीलवाड़ा, करौली और जोधपुर में दंगे फैलाए गए। उन्होंने जनता का आह्वान किया कि राजस्थान को फिर से विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए आगामी चुनाव में राज्य में भाजपा की सरकार बनाए।

मोदी के नेतृत्व में बढ़ा भारत और भारतीयों का सम्मान : संजीव बाल्याण

हिसार (हिंस)। केंद्रीय मंत्री संजीव बाल्याण ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ साल के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में तरक्की की है। इस दौरान भारत व भारतीयों का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 तक कोई घर ऐसा नहीं बचेगा, जहां नल से जल न मिलता हो। संजीव बाल्याण शुक्रवार को जिले के बरवाला में *गौरवशाली भारत रैली* को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की सकारात्मक नीतियों की वजह से किसान आर्थिक रूप से संपन्न हुआ है। किसानों को दिक्कत तब आती है जब उसके उत्पाद न बिके और उन्हें पूरा भाव न मिलें लेकिन केंद्र की मोदी व हरियाणा की खट्टर सरकार ने इन दोनों समस्याओं का समाधान कर दिया। उन्होंने हरियाणा को हर क्षेत्र में संपन्न प्रदेश बताते हुए अपने प्रदेश का हवाला दिया और कहा उत्तर प्रदेश के किसान भी अपने उत्पाद बेचने के लिए हरियाणा में आते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश को हर क्षेत्र में मजबूती दी है और उसी का परिणाम है कि आज हमारा देश विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। केंद्रीय मंत्री संजीव बाल्याण ने उन तथाकथित किसान नेताओं को आड़े हाथों लिया, जो आए दिन किसान आंदोलन या अन्य किसी आंदोलन के नाम पर भड?ते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से हरियाणा आ रहे ऐसे कुछ लोग चले हुए कारतूस है, हरियाणा वालों इनके कारतूस में बारूद मत भर देना, अन्यथा ऐसे लोग आपका भाइचारा खराब कर देंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने रैली को संबोधित करते हुए विपक्षी दल कांग्रेस पर जमकर प्रहार किए वहीं केंद्र व प्रदेश सरकार की योजननाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों की बदौलत ही हर घर नल, हर घर रसोई गैस सिलेंडर सहित हर सुविधा पहुंची है। उन्होंने केंद्र व हरियाणा सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए जनता से हाथ उठाकर तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए समर्थन मांगा।

पत्नी का दावा, अमृतपाल ने डिब्रूगढ़ जेल में की भूख हड़ताल

परिवार वालों से बात करने के लिए नहीं मिल रही फोन की सुविधा

चंडीगढ़ (हिंस)। एनएसए के तहत गिरफ्तार करके असम की डिब्रूगढ़ जेल भेजे गए खालिस्तानी कट्टरपंथी अमृतपाल की पत्नी किरणदीप कौर ने दावा किया है कि उनके पति को जेल में यातनाएं दी जा रही हैं। जेल में उन्हें खाने में तंबाकू देकर सिख धर्म भंग करने का प्रयास किया गया। साथ ही उन्हें फोन की सुविधा भी नहीं दी जा रही है, ताकि वह घर बात कर सकें। डिब्रूगढ़ जेल में पति से मुलाकात करके लौटी किरणदीप कौर ने शुक्रवार को मीडिया को एक लिखित बयान में बताया कि जेल का खाना खाने लायक नहीं है, उनके पति को सिख धर्म में प्रतिबंधित तंबाकू खाने के साथ देकर सिख धर्म भंग करने का प्रयास किया जा रहा है। किरणदीप कौर ने कहा कि वह हर हफ्ते अमृतपाल सिंह से मिलने असम की डिब्रूगढ़ जेल जाती हैं। इस बार की मुलाकात में उन्हें पता चला कि अमृतपाल

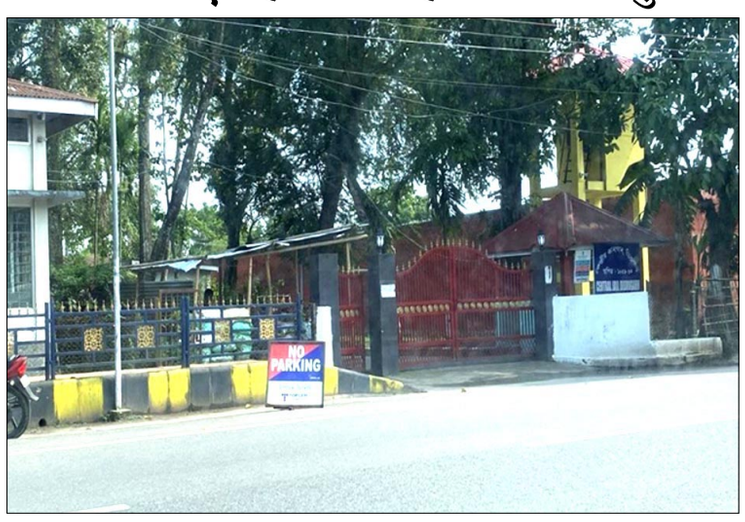

सिंह सहित अन्य सिंह भूख हड़ताल पर हैं। इसका कारण यह है कि पंजाब सरकार उन्हें डिब्रूगढ़ जेल में परिवार से बात करने के लिए टेलीफोन की अनुमति नहीं दे रही है। अगर यह सुविधा मुहैया करा दी जाए तो एक मुलाकात के लिए जो 20-25 हजार रुपए एक व्यक्ति का खर्चा आता है, उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। फोन की सुविधा नहीं मिलने के कारण वकीलों से बात भी नहीं हो पाती है, जिस कारण वकीलों को न तो कुछ कहा जा सकता है और न ही पूछा जा सकता है। इससे केस लड़ने में काफी बाधा आती है। उन्होंने बताया कि कभी दाल, सब्जी में नमक नहीं डालते हैं, तो कभी रोटी में तम्बाकू मिली होती है। कभी-कभी वह संक्षेप में यह कहते हैं कि हम आपको नहीं समझते, न ही कोई दुभाषिया है, जो समझा सके। ऐसे दबाव के कारण उनके पति मानसिक समस्याओं से भी जूझ रहे हैं। दूसरी तरफ डिब्रूगढ़ के उपायुक्त विश्वजीत पैगू ने जेल में किसी तरह की भूख हड़ताल से इनकार किया है।

बरसात के पानी में आप नेता राकेश भड़ाना ने चलाई नाव

फरीदाबाद (हिंस)। मानसून की एक ही बरसात ने पूरे शहर के विकास की पोल खोलकर रख दी। शहर की अधिकतर सड़कें बारिश के पानी से जलमग्न हो गईं। चौबीस घंटे बीतने के बावजूद भी सड़कों से बरसात के पानी निकासी नहीं हो पाई है। बडखल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नवादा-डबुआ रोड पर भरे बरसात के पानी में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के प्रदेश सहसचिव राकेश भड़ाना ने नाव चलाकर भाजपा सरकार को उसके विकास का आइना दिखाया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए राकेश भड़ाना ने कहा कि भाजपा का यही विकास है। लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा जबकि

एक ही बरसात में सड़कें तालाब में तबदील हो चुकी हैं। भड़ाना ने कहा कि ए.सी. कमरों में बैठकर विकास की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले भाजपा के मंत्री-विधायकों को शहर की बदहाली क्यों नजर नहीं आती? बडखल विधानसभा क्षेत्र के लोग बुनियादी सुविधाओं से त्रस्त हैं। सड़कों के नाम पर गड्ढे बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह हाल केवल कालोनियों का नहीं बल्कि गांवों में भी कमोबेश यही स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के झूठे वायदों और प्रलोभनों से जनता का मोहभंग हो चुका है तथा वह हरियाणा में आम आदमी पार्टी के रूप में अपनी सरकार बनाने का मन बना चुकी है। बस उन्हें इंतजार है तो चुनावों का कि कब चुनाव आए और वोट की चोट से इस जनविरोधी सरकार को सत्ता से बेदखल किया जा सके।

नहीं बढ़ा वेतन, अब अनिश्चितकालीन धरना देंगे आयुष्मान मित्रा

गुरुग्राम (हिंस)। वेतन विसंगति को दूर करने के लिए आंदोलन शुरू करने वाले आयुष्मान मित्रा के हक में अभी तक कुछ नहीं हुआ है। आंदोलित आयुष्मान मित्रा से बैठक करके उच्चाधिकारियों ने 10 अप्रैल को आश्वस्त किया था कि एक महीने में उनकी समस्या का समाधान होगा। इसके बावजूद भी अब तक कुछ नहीं हुआ है। अब सर्व कर्मचारी संघ के साथ मिलकर आयुष्मान मित्रा पंचकूला में अनिश्चितकालीन धरना देंगे। आयुष्मान मित्रा द्वारा अपनी मांगों को लेकर 9 मार्च 2023 से आंदोलन शुरू किया गया था। इसके करीब एक महीने बाद 10 अप्रैल को उन्हें आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पंचकूला में अधिकारियों द्वारा बुलाया गया। उनकी बातों को सुना गया। उन्हें आश्वस्त किया गया कि एक महीने में उनकी वेतन विसंगति को दूर कर दिया जाएगा। एक महीना तो बीता, लेकिन अधिकारियों ने कोई समाधान नहीं किया। समस्त आयुष्मान मित्रा संघ हरियाणा की ओर से पहले 9 मई, फिर 19 मई, 23 मई व 20 जून को अधिकारियों को अपनी मांगों को लेकर पत्र लिखे, लेकिन किसी भी पत्र पर अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। समस्त आयुष्मान मित्रा संघ हरियाणा के साथ सर्व कर्मचारी संघ की बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 3 जुलाई से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के सेक्टर-12 पंचकूला कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। सर्व कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान धर्मबीर फौगाट ने आयुष्मान मित्रों की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार की योजना को सिरे चढ़ाने में आयुष्मान मित्रों का अहम योगदान है।

स्वास्थ्य ठेका कर्मियों ने निकाला रोष मार्च

यमुनानगर (हिंस)। स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन ने शुक्रवार को मुकंद लाल नागरिक अस्पताल में अपनी लंबित पड़ी मांगों को लेकर दूसरे दिन हड़ताल कर सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ठेका कर्मचारियों ने जुलूस की शक्ल में ईएसआई अस्पताल तक रोष मार्च भी निकाला। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को लेकर ठेका कर्मचारियों में भारी रोष भी है। अगर सरकार ने जल्द ही कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं का समाधान नहीं किया तो प्रदेशभर के ठेका कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल का भी ऐलान कर सकते हैं। इसकी जिम्मेदारी हरियाणा सरकार की होगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्वास्थ्य ठेका कर्मी उपस्थित रहे।

दो कारों की भिड़ंत में तीन की मौत, तीन घायल

हनुमानगढ़(हिंस)। जिले के रावतसर थाना इलाके के नोहर रोड पर गुरुवार देर रात दो कारों की आमने-सामने की भिड़ंत में तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में अन्य तीन लोगों घायल भी हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थानाधिकारी अरुण चौधरी ने बताया कि सिरसा (हरियाणा) निवासी ओमकार अपने बेटों साहिल और संदीप के साथ कार से रावतसर की तरफ से आ रहे थे। गाड़ी ओमकार ही चला रहा था। गुरुवार रात करीब 12.30 बजे सूचना रावतसर से आगे नोहर रोड पर सामने से आ रही दूसरी कार से आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। दूसरी कार से इंद्राज, कुलदीप और संजय रावतसर से नोहर की तरफ जा रहे थे। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद हैड कांस्टेबल बजरंग शर्मा टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों कारों के घायलों को रावतसर अस्पताल पहुंचाया है। डॉक्टर ने इंद्राज पुत्र अमरसिंह निवासी रावतसर और ओमकार पुत्र जयसिंह निवासी पन्नीवाली, सिरसा (हरियाणा) को मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी चौधरी ने बताया कि हादसे में घायल साहिल पुत्र ओमकार, संदीप पुत्र ओमकार निवासी पन्नीवाली जिला सिरसा (हरियाणा), संजय पुत्र गोपालराम निवासी रतनगढ़ (चूरू) और कुलदीप पुत्र प्रेमाराम नायक निवासी रावतसर को गंभीर हालत में हनुमानगढ़ जिला अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में गंभीर रूप से घायल कुलदीप पुत्र प्रेमाराम नायक निवासी रावतसर ने भी जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

नौ वर्षों में भारत और हरियाणा ने तय की विकास की लंबी दूरी : राजेश नागर

फरीदाबाद (हिंस)। विधायक राजेश नागर केंद्र की मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि इन नौ वर्षों में भारत और हरियाणा ने लंबी दूरी तय की है। इस समय में जनता तक सरकार को पहुंचाया गया है। विधायक राजेश नागर ने बताया कि किसी भी शहर के विकास के लिए कनेक्टिविटी बहुत महत्वपूर्ण होती है। हमारी सरकार फरीदाबाद की कनेक्टिविटी पर काम कर रही है। फरीदाबाद से होकर गुजरने वाले दिल्ली-बडौदा-मुंबई हाईवे से हमारे शहर को बड़ा लाभ मिलने। सडक़ मार्ग से व्यक्ति 12 घंटे में मुंबई पहुंच सकेगा। इसके अलावा फरीदाबाद को नोएडा से जोडऩे के लिए मंझावली यमुना पर पुल बनकर तैयार है। भविष्य में यमुना के जरिए जल परिवहन की संभावना को देखते हुए इसकी हाईट को बढ़ाया गया, जिसके कारण थोड़ी देरी हुई।

अभी इसके लिंक रोड बनाने का काम चल रहा है। विधायक नागर ने बताया कि तिगांव विधानसभा क्षेत्र में एक नया शहर ग्रेटर फरीदाबाद बसाने का काम चल रहा है। यहां 10-15 साल पहले बनी सड़कें बह गई थीं जिन्हें करोड़ों की लागत से हमने दोबारा बनाने का काम किया है। इसके साथ ही अनेक सरकारी स्कूलों को सीबीएसई किया गया है और अनेक स्कूलों को अपग्रेड किया गया है। तिगांव के सरकारी कॉलेज को अपग्रेड किया गया है, नई इमारत बनाई है वहीं प्रदेश की पहली डिजिटल आईटीआई तिगांव में बनाई गई है। हमने भूजल स्तर को उठाने के लिए दर्जनों की संख्या में गांव के जोहड़ों की मरम्मत, उनकी साफ सफाई एवं रखरखाव पर भी बड़ा ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि पुरानी सीवर लाइनों को बदलने का काम अनेक जगहों पर चल रहा है जिसके पूरा होने पर जलजमाव और सीवर ओवरफ्लो होने की समस्या से पूरी तरह से निजात मिल जाएगी। नागर ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता पुन: केंद्र में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए चुनाव की प्रतीक्षा कर रही है। विधायक राजेश ने बताया कि तिगांव विधानसभा क्षेत्र में एक बड़ा टाउन पार्क और स्टेडियम बनाने के बारे में भी हमने अपनी मांग रखी है जो मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आशीर्वाद से जल्द ही पूरी होगी। इस अवसर पर तिगांव विधानसभा प्रभारी नंद किशोर शर्मा, चुनाव प्रभारी प्रकाश भाटी, तिगांव मंडल अध्यक्ष गिर्राज त्यागी, गिर्राज शर्मा, कैलाश शर्मा, विस्तारक मनजीत जांगड़ा, लोकेश बैंसला, प्रहलाद शर्मा, शीशराम अवाना आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अफसरशाही के खिलाफ धरने पर बैठे सोनीपत के विधायक व मेयर

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत शहर में समस्याओं का समाधान न होने से परेशान विधायक व मेयर अपने साथियों समेत शुक्रवार को धरने पर बैठ गए। जनता की समस्याओं का समाधान करने वाले जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधि ही अधिकारियों के सामने लाचार व बेबस नजर आए। जनप्रतिनिधियों ने अफसरशाही को दो सप्ताह का समय दिया है कि वह उनकी समस्याओं का समाधान करे अन्यथा वह भूख हड़ताल करेंगे। संकेतिक धरने पर बैठे विधायक सुरेंद्र पंवार, नगर निगम मेयर निखिल मदान, सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा, डिप्टी मेयर मनजीत गहलावत ने कहा कि अधिकारियों को और सरकार को 15 दिन का समय दिया गया है। समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो भूख हड़ताल के साथ धरना देंगे। शहर की मुख्य समस्याएं सफाई व्यवस्था, कूड़े का निपटान, जल भराव (नालों की सफाई न होने के कारण), विकास कार्यों की धीमि गति, पेयजल संकट हैं और इस कारण लोग परेशान हैं। इनके समाधान की मांग को लेकर कांग्रेस के सभी पार्षद धरने पर हैं। विधायक ने कहा कि आज अफसरशाही इस कद्र हावी हो चुकी है कि यहां जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों की ही सुनवाई नहीं हो रही है।

पंजाब विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर का निधन

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर बीर दविंदर सिंह का शुक्रवार को निधन हो गया। 16 जून को उनकी फूड पाइप में कैंसर पाया गया था, जिसके चलते उन्हें पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया था। बीर दविंदर सिंह कुछ समय से कोमा में थे। बीर दविंदर सिंह अपने राजनीतिक जीवन में कई राजनीतिक दलों में रहे हैं, लेकिन लंबा समय कांग्रेस में ही व्यतीत किया। प्रखर वक्ता होने के कारण बीर दविंदर सिंह की मांग सभी राजनीतिक दलों में रही है। वह वर्ष 2003 से वर्ष 2004 तक पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रहे। उन्हें वर्ष 2002 से 2007 की विधानसभा के दौरान सर्वोत्तम विधायक का पुरस्कार भी मिला। बीर दविंदर सिंह ने वर्ष 1980 में पहली बार कांग्रेस की टिकट पर सरहिंद विधानसभा से चुनाव लड़ा और जीत गए। 2002 में वह खरड़ से विधायक बने। डिप्टी स्पीकर बनने के बाद उन्होंने खरड़ के अंतर्गत आते मोहाली में नोएडा की तर्ज पर कई विकास योजनाओं की शुरुआत करवाई। अमरिंदर सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने पर उन्हें कांग्रेस से बर्खास्त कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने शिरोमणि अकाली दल टकसाली का दामन थाम लिया।

दूसरी बच्ची के जन्म पर महिला को छह हजार की सहायता देगी पंजाब सरकार

वित्तीय सहायता से बच्चियों के घट रहे लिंग अनुपात में होगा सुधार: डॉ. बलजीत कौर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार महिलाओं के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। अब पंजाब सरकार ने दूसरी बच्ची के जन्म देने वाली महिला को छह हजार रुपए की वित्तीय मदद देगी। राज्य के सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत योग्य लाभार्थी महिलाओं (दूध पिलाने वाली माताओं) को दूसरे बच्चे लड़की के जन्म के बाद छह हजार रुपए की एकमुश्त वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना के अंतर्गत पहले बच्चे के जन्म के लिए पांच हजार रुपए की वित्तीय सहायता गर्भवती महिलाओं और दूध पिलाने वाली माताओं को दी जाती है। उन्होंने बताया कि लड़की के जन्म के बाद छह हजार रुपए की वित्तीय सहायता देने से बच्चियों के घट रहे जन्म समय लिंग अनुपात में सुधार होगा, जन्म से पहले लिंग चयन किए जाने वाली प्रथा को भी रोकने में सहायता मिलेगी, दूध पिलाने वाली माताओं की सेहत में सुधार होगा और बच्चे के पोषण संबंधी तंदुरुस्ती में सुधार करने में मदद मिलेगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस स्कीम के अंतर्गत छह हजार रुपए का लाभ सीधा लाभार्थियों के बैंक, डाकखाने खाते में ट्रांसफर किया जाएगा। यह लाभ लेने के लिए पंजाब के सभी आंगनबाड़ी सेंटरों में आंगनबाड़ी वर्करों की तरफ से फार्म भरे जाते हैं। यह लाभ प्राप्त करने के लिए हर लाभार्थी के पास आधार कार्ड होना और आधार कार्ड का बैंक खाते के साथ लिंक होना जरूरी है।

66 रुपए लीटर वाले फ्यूल पर दौड़ेंगी गाड़ियां: नितिन गडकरी ने कहा- अगस्त में लॉन्च करूंगा 100प्रतिशत एथेनॉल पर चलने वाले वाहन

नई दिल्ली ।

भारत में 100प्रतिशत एथेनॉल फ्यूल पर चलने वाले वाहन अगस्त में लॉन्च किए जाएंगे। ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे मिनिस्टर नितिन गडकरी ने कहा कि यह देश में एक क्रांतिकारी पहल होगी, जो इम्पोर्ट-ऑप्शन, कॉस्ट इफेक्टिव, पॉल्युशन फ्री और पूरी तरह स्वदेशी होगी। वर्तमान में भारतीय बाजार में एथेनॉल की कीमत लगभग 66 रुपए लीटर के आसपास है और पेट्रोल की कीमत 108 रुपए के आसपास चल रही है। अगर ऐसा होता है तो जल्द ही भारतीय सड़कों पर सस्ते फ्यूल पर टू-व्हीलर और कारें दौड़ती नजर आएंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, अगस्त से मैं 100प्रतिशत एथेनॉल पर चलने वाले वाहन लॉन्च करूंगा। बजाज, और हीरो ने 100प्रतिशत एथेनॉल पर चलने वाली मोटरसाइकिलें बनाई हैं। उन्होंने कहा कि टोयोटा कंपनी की 60प्रतिशत पेट्रोल और 40प्रतिशत बिजली से चलने वाली कैमरी कार की तरह ही अब देश में ऐसे वाहन लॉन्च किए जाएंगे, जो 60प्रतिशत एथेनॉल और 40प्रतिशत बिजली से चलेंगे। यहां हम एथेनॉल और सरकार की पॉलिसी के बारे में बता रहे हैं।

क्या होता है एथेनॉल - एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है, जो स्टार्च और शुगर के फर्मेंटेशन से बनाया जाता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में इको-फ्रैंडली फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने के रस से होता है, लेकिन स्टार्च कॉन्टेनिंग मटेरियल्स जैसे मक्का, सड़े आलू, कसावा और सड़ी सब्जियों से भी एथेनॉल तैयार किया जा सकता है।

1जी एथेनॉल : फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल गन्ने के रस, मीठे चुकंदर, सड़े आलू, मीठा ज्वार और मक्का से बनाया जाता है।

2जी एथेनॉल : सेकंड जनरेशन एथेनॉल सेल्युलोज और लिग्नोसेल्यूलोसिक मटेरियल जैसे - चावल की भूसी, गेहूं की भूसी, कॉर्नकॉब (भुट्टा), बांस और वुडी बायोमास से बनाया जाता है।

3जी बायोफ्यूल : थर्ड जनरेशन बायोफ्यूल को एलगी से बनाया जाएगा। अभी इस पर काम चल रहा है।

अप्रैल से देश में बिक रहीं ई-20 - पेट्रोल-डीजल गाड़ियों से होने वाले एयर पॉल्यूशन को रोकने और फ्यूल के दाम कम करने के लिए दुनियाभर की सरकारें एथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल पर काम कर रही हैं। भारत में भी एथेनॉल को पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इससे गाड़ियों का माइलेज भी बढ़ेगा। देश में 5प्रतिशत एथेनॉल से प्रयोग शुरू हुआ था जो अब 20प्रतिशत तक पहुंच चुका है। सरकार अप्रैल के महीने में नेशनल बायो फ्यूल पॉलिसी लागू कर ई-20 (20प्रतिशत एथेनॉल + 80प्रतिशत पेट्रोल) से ई-80 (80प्रतिशत एथेनॉल + 20प्रतिशत पेट्रोल) पर जाने के लिए प्रोसेस शुरू कर चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

जीएसटी को पूरे हुए छह साल, किन मोर्चों पर मिली सफलता; कहां अब भी हैं चुनौतियां

नई दिल्ली । देश में सबसे बड़े अप्रत्यक्ष कर सुधार के तहत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को लागू हुए छह साल पूरे हो गए। अब 1.50 लाख करोड़ रुपये का मासिक राजस्व सामान्य हो चुका है। शुरुआती दौर में औसत मासिक राजस्व 85,000-95,000 करोड़ रुपये हुआ करता था। अप्रैल, 2023 में संग्रह 1.87 लाख करोड़ के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। छह साल के इस सफर में राजस्व के मोर्चे पर कामयाबी तो मिली है, लेकिन कई चुनौतियां अब भी कायम हैं। कर प्रणाली में धोखाधड़ी के नए तरीके आजमाए जा रहे हैं। लेकिन, कर अधिकारी उनसे निपटने की कोशिश में लगे हुए हैं। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा करने के लिए जाली दस्तावेजों के आधार पर फर्जी कंपनियां बनाने वालों की धरपकड़ के लिए जीएसटी अधिकारियों ने डाटा विश्लेषण, एआई और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल भी शुरू कर दिया है। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड एक महीने में फर्जी पंजीकरण के 11,140 मामले पकड़े। 15,000 करोड़ की कर चोरी का अनुमान। 3,00,000 करोड़ की कर चोरी अब तक : जुलाई, 2017 से अब तक 3 लाख करोड़ रुपये की कर चोरी होने का अनुमान है। चुनौतियां, सिर्फ डाटा विश्लेषण से नहीं रुकेगी चोरी शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा, जीएसटी प्रणाली में सबसे जरूरी सुधार इसके नेटवर्क को उन्नत करने का है। इसके जरिये ही नकली आपूर्ति और आईटीसी के फर्जी दावों को रोका जा सकता है। संस्थान के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, सिर्फ डाटा विश्लेषण और भौतिक जांच से समस्या पूरी तरह नहीं दूर हो सकती है। छह साल बाद भी जीएसटीएन मूल्य श्रृंखला में आपूर्ति संबंधी जानकारी को नहीं जोड़ पाया है। इससे सरकार को नुकसान हो रहा है।

नौकरी के बदले रिश्वत मामले में छह कर्मचारी बर्खास्त, टीसीएस चेयरमैन चंद्रशेखरन ने दी जानकारी

मुंबई । टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कहा कि टीसीएस ने संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति में कुछ स्टाफिंग फर्मों से लाभ लेने का दोषी पाए जाने के बाद छह कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। टीसीएस ने नौकरी के बदले रिश्वत मामले में छह कर्मचारी और छह स्टाफिंग फर्मों के खिलाफ कार्रवाई की है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कहा कि टीसीएस ने संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति में कुछ स्टाफिंग फर्मों से लाभ लेने का दोषी पाए जाने के बाद छह कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। चंद्रशेखरन ने टीसीएस की 28वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में बोलते हुए कहा कि कंपनी अपने तीन और कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर रही है। शेयरधारकों के सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि हमने छह कर्मचारियों और छह स्टाफिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा कि कंपनी को फरवरी के अंत और मार्च में भारत और अमेरिका में हुई हायरिंग में गड़बड़ी से जुड़ी दो शिकायतें मिलीं थीं। ये शिकायतें बिजनेस एसोसिएट्स की भर्ती में पक्षपात करने और बदले में कुछ फायदा लेने से जुड़ी थीं। हमने इन शिकायतों की जांच कराई और छह कर्मचारियों को टाटा कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन का दोषी पाया और उन पर कार्रवाई की।

ट्विटर पर 50 लाख जुर्माना, ट्वीट ब्लॉक नहीं किएः केंद्र का आदेश था, हाईकोर्ट बोला- आप बड़ी कंपनी हो, किसान नहीं जो कानून नहीं जानता

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ लगाई गई ट्विटर की याचिका खारिज कर दी। ट्विटर ने कुछ लोगों के अकाउंट, ट्वीट और यूआरएल ब्लॉक करने के केंद्र सरकार के आदेश को कोर्ट में चुनौती दी थी। सुनवाई करते हुए जस्टिस कृष्णा एस दीक्षित ने कहा कि ट्विटर को सरकार के आदेशों का पालन करना चाहिए था। कोर्ट ने ट्विटर पर 50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। हाईकोर्ट की 5 टिप्पणियां, जुर्माने के साथ शर्त भी जुर्माना 45 दिन के भीतर भरना होगा। अगर नहीं भरा तो इस अवधि के बाद हर दिन 5 हजार और देने होंगे। अदालत को वजह भी नहीं बताई कि केंद्र का ट्वीट ब्लॉक करने का आदेश क्यों नहीं माना। आप एक मल्टी बिलेनियर कंपनी हो, कोई किसान या फिर आम आदमी नहीं, जिसे कानून नहीं पता हैं। यह जानते हुए भी कि आदेश न मानने पर 7 साल की सजा और फाइन लगाया जा सकता है। ट्विटर ने सरकार के आदेशों का पालन नहीं किया। जिसका ट्वीट ब्लॉक कर रहे हैं, उसे कारण बताएं। साथ ही यह भी कि यह प्रतिबंध कुछ समय के लिए है या फिर अनिश्चित काल के लिए। ट्विटर ने हाईकोर्ट से कहा था- केंद्र के पास सोशल मीडिया पर अकाउंट ब्लॉक करने का जनरल ऑर्डर इश्यू करने का अधिकार नहीं है।

एक अक्टूबर से शुरू हो सकता है कारों का क्रैश-टेस्ट

भारत एनकेप के पैरामीटर्स तय, रोड मंत्रालय ने सरकार को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

भारतीय कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को सेफ्टी रेटिंग के लिए अपनी कारों को ग्लोबल एनकेप में भेजने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि एक अक्टूबर से देश में अपनी सेफ्टी एजेंसी भारत एनकेप की शुरुआत हो सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री ने देश में कारों का क्रेश टेस्ट करने और उन्हें सेफ्टी रेटिंग देने के लिए पैरामीटर तय कर लिए हैं। साथ ही बीएनकेप (भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम) को शुरू करने के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा है। यह एजेंसी देश में ही वाहनों को क्रैश टेस्ट में उनके परफॉर्मेंस के आधार पर 0 से 5 स्टार रेटिंग देगी।

जून-2022 में बीएनकेप को दी थी मंजूरी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जून-2022 में बीएनकेप शुरू करने के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन के ड्राफ्ट को मंजूरी दी थी। भारत एनकेप में टेस्टिंग प्रोटोकॉल ग्लोबल एनकेप क्रैश टेस्ट प्रोटोकॉल के जैसा ही होगा। क्रैश टेस्ट में मौजूदा भारतीय नियमों को ध्यान में रखा जाएगा।

वेबसाइट पर देख सकेंगे क्रेश टेस्ट के रिजल्ट

केंद्र सरकार द्वारा स्थापित एक मॉनीटरिंग कमेटी से मंजूरी मिलने के बाद बीएनकेप अपनी वेबसाइट पर स्टार रेटिंग और टेस्ट रिजल्ट्स शो करेगा। शुरुआत में क्रैश टेस्ट स्वैच्छिक होगा, इसके लिए सेंपल के तौर पर ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स अपनी कारों भेज सकेंगे या फिर बीएनकेप डीलरों के शोरूम से रेंडमली कारों को उठाएगा।

भारत एनकेप से फायदा क्या होगा

इससे ग्राहकों को स्टार-रेटिंग के आधार पर सेफ्टी वाली कारों को चुनने का ऑप्शन मिलेगा। साथ ही देश में सेफ व्हीकल्स के मैन्युफैक्चरिंग के लिए ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स के बीच फेयर कॉम्पिटिशन को भी बढ़ावा मिलेगा। नई व्यवस्था से लोकल कार मैन्युफैक्चर्स को भी मदद मिलेगी। वे अपने वाहनों की टेस्टिंग भारत की इन-हाउस टेस्टिंग सर्विस में कर सकेंगे। इसके अलावा उन्हें क्रैश टेस्ट और स्टार रेटिंग के लिए अपनी कारों को विदेश भेजने की आवश्यकता नहीं होगी, जो बहुत महंगा है।

रेटिंग में ज्यादा स्टार मिलने का मतलब बेहतर सेफ्टी

एनकेप टेस्ट में सबसे कम रेटिंग या स्टार लाने वाली कारें दुर्घटना के समय सुरक्षित नहीं मानी जाती हैं। वर्तमान में भारत में कारों के क्रैश टेस्ट के नियम तय हैं। टेस्ट की गई कारों को 0 से 5 स्टार रेटिंग दी जाती है। बीएनकेप क्रैश टेस्ट में कार को एडल्ट ऑक्युपेंट प्रोटेक्शन , चाइल्ड ऑक्युपेंट प्रोटेक्शन और सेफ्टी असिस्ट टेक्नोलॉजीस के आधार पर सेफ्टी रेटिंग देगा।

एडल्ट और चाइल्ड सेफ्टी रेटिंग क्या है

एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन रेटिंग में ये देखा जाता है कि जब कार सामने की तरफ से टकराती है तब आगे की सीट पर बैठने वाले पैसेजर और ड्राइवर कितने सुरक्षित रहे। चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन रेटिंग से ये देखा जाता है कि कार में सामने और साइड से टक्कर होने पर पीछे की सीट पर बैठने वाले बच्चे कितने सुरक्षित रहे। एनकेप सेफ्टी रेटिंग कैसे दी जाती है कार की सेफ्टी रेटिंग: एनकेप द्वारा लगभग सभी कंपनियों की कारों का क्रैश टेस्ट किया जाता है। सभी कंपनियां अपनी कार के हर मॉडल और वैरिएंट पर अलग-अलग सेफ्टी फीचर्स देती हैं। इनमें एयरबैग्स, एबीएस ईबीडी सेफ्टी बेल्ट, बैक सेंसर, कैमरा, स्पीड अलर्ट जैसे फीचर्स शामिल हैं। जब कार का क्रैश टेस्ट होता है तब इन्हीं सेफ्टी फीचर्स के आधार पर उसे रेटिंग दी जाती है। सेफ्टी रेटिंग मिलने की प्रोसेस: सेफ्टी रेटिंग के लिए कार का क्रैश टेस्ट किया जाता है। इसके लिए इंसान जैसी डमी का इस्तेमाल किया जाता है। टेस्ट के दौरान गाड़ी को फिक्स स्पीड से किसी हार्ड ऑब्जेक्ट के साथ टकराया जाता है। इस दौरान कार में 4 से 5 डमी का इस्तेमाल किया जाता है। बैक सीट पर बच्चे की डमी होती है। ये चाइल्ड सेफ्टी सीट पर फिक्स की जाती है। सेफ्टी रेटिंग के मायने: क्रैश टेस्ट के बाद कार के एयरबैग ने काम किया या नहीं। डमी कितनी डैमेज हुई। कार के दूसरे सेफ्टी फीचर्स ने कितना काम किया। इन सभी के आधार पर रेटिंग दी जाती है। इस रेटिंग से ग्राहकों को सुरक्षित कार खरीदने में मदद मिलती है। हालांकि एनकेप किसी भी कार के सभी वैरिएंट का क्रैश टेस्ट नहीं करता है।

कार के सेफ्टी फीचर्स - कार खरीदते वक्त क्रैश टेस्ट रेटिंग के साथ दूसरे सेफ्टी फीचर्स जैसे एटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक-फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन, रियर कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑटो डोर लॉक/अनलॉक, वियरेबल लॉक/अनलॉक, डे-टाइम रनिंग लाइट्स, रिअर डीफॉगर और वाइपर, रिवर्स पार्किंग सेंसर्स, डे/नाइट मिरर और फॉग लैम्प शामिल हैं।

चीन से निपटने के लिए अमेरिका का बड़ा कदम, ताइवान को 330 करोड़ डॉलर की हथियार बिक्री को मंजूरी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी रक्षा विभाग की रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने गुरुवार को 332.2 करोड़ डॉलर की अनुमानित लागत से विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) को मंजूरी दे दी। इसके तहत ताइवान को हथियारों की बिक्री की जानी है। माना जा रहा है कि दक्षिण एशिया में चीन के मनमाने रवैये से निपटने के लिए अमेरिका ने यह फैसला किया है। एजेंसी के एक बयान में कहा गया है कि इस हथियार पैकेज में 30 एमएम गोला-बारूद, पहिएदार वाहनों के लिए स्पेयर पार्ट्स और अन्य सामान शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में ताइवान को हथियारों की बिक्री का यह 10वां पैकेज है।

डील के बारे में अमेरिकी कांग्रेस को दी गई है सूचना

एजेंसी ने एक बयान में कहा, विदेश मंत्रालय ने अमेरिका में ताइपे के आर्थिक व सांस्कृतिक प्रतिनिधि कार्यालय को 332.2 करोड़ डॉलर की अनुमानित लागत से 30 एमएम गोला-बारूद और संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का फैसला किया है। रक्षा विभाग की रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने एक बयान में कहा, रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने इस संभावित बिक्री के बारे में कांग्रेस को सूचित करते हुए आवश्यक प्रमाणीकरण दिया।

डील की कुल अनुमानित लागत 332.2 करोड़ डॉलर है

संयुक्त राज्य अमेरिका में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक प्रतिनिधि कार्यालय ने विभिन्न अवर्गीकृत 30 मिमी गोला-बारूद खरीदने का अनुरोध किया है, जिसमें 30 मिमी उच्च विस्फोटक भड़काऊ-ट्रेसर राउंड, 30 मिमी बहुउद्देश्यीय राउंड और 30 मिमी प्रशिक्षण राउंड शामिल हैं। इनमें कॉन्फिगरेशन नियंत्रण, उत्पादन समर्थन, गोला-बारूद परीक्षण और लोड, असेंबल और पैक सेवाओं सहित इंजीनियरिंग तकनीकी सेवाएं, सोर्सिंग व अधिग्रहण सहायता, नौसेना नागरिक कर्मियों की लागत, अनुबंध सहायता सेवाएं, तकनीकी डेटा अनुरोधों पर समर्थन, सूचना के अनुरोधों पर प्रतिक्रिया, प्रति वर्ष दो (2) कार्यक्रम प्रबंधन समीक्षा और अनुबंध खरीद से जुड़े परीक्षण व प्रलेखन सहित अन्य तकनीकी सेवाएं; और रसद व कार्यक्रम समर्थन के अन्य संबंधित तत्व भी शामिल हैं। इसकी कुल अनुमानित लागत 332.2 करोड़ डॉलर है।

दक्षिण एशिया में राजनीतिक स्थिरता और सैन्य संतुलन बनाना है लक्ष्य

बयान के अनुसार, प्रस्तावित बिक्री लक्ष्य अपने सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने और एक विश्वसनीय रक्षात्मक क्षमता बनाए रखने के लिए प्राप्तकर्ता के निरंतर प्रयासों का समर्थन करके अमेरिकी राष्ट्रीय, आर्थिक और सुरक्षा हितों को पूरा करती है। यह बिक्री प्राप्तकर्ता की सुरक्षा में सुधार करने और क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता, सैन्य संतुलन और आर्थिक प्रगति को बनाए रखने में भी मदद करेगी।

छोटे शहरों में हर हफ्ते 2.25 घंटे ऑनलाइन खरीदारी कर रहे ग्राहक, कर्मियों की संख्या एक हजार करेगी शाओमी

नई दिल्ली ।

छोटे शहरों में भी लोग बड़े पैमाने पर ऑनलाइन खरीदी कर रहे हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, इन शहरों में एक ग्राहक हर हफ्ते औसतन 2.25 घंटे ऑनलाइन खरीदी कर रहा है। इस पर वह अपनी आय का करीब 16 फीसदी खर्च करता है। ऑनलाइन शॉपिंग के कारणों पर साइबरमीडिया रिसर्च के अध्ययन में कहा गया है कि 57 फीसदी लोग सस्ते उत्पाद की वजह से ऑनलाइन खरीदी करते हैं।57प्रतिशत सुविधाजनक रिटर्न और 49प्रतिशत बेहतर ऑफर के कारण ऑनलाइन खरीदारी करते हैं।सीएमआर के इंडस्ट्री इंटेलिजेंस प्रमुख प्रभु राम ने बताया, ऑफर और सुविधा के कारण युवा ग्राहक ऑनलाइन खरीदी कर रहे हैं। छह माह में तीन में से दो ग्राहकों ने ऑनलाइन शॉपिंग पर 20,000 रुपये तक खर्च किए हैं।

कर्मियों की संख्या घटाकर 1,000 करेगी शाओमी

भारतीय बाजार में हिस्सेदारी कम होने की चुनौती से जूझ रही शाओमी इंडिया ने कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी एजेंसियों की सख्ती के बीच कारोबारी ढांचे में बदलाव के तहत कंपनी की योजना कर्मचारियों की संख्या को 1,000 से नीचे लाना है। इस साल की शुरुआत में कंपनी में 1400-1500 कर्मचारी थे। पिछले हफ्ते भी उसने 30 लोगों को निकाल दिया था।

सेबी की वित्तीय इन्फ्लूएंसर्स पर सख्ती की तैयारी

निवेशकों को सलाह देने के मामले में सेबी सख्त रवैया अपना रहा है।निवेश की सलाह देने वाले गैर-पंजीकृत वित्तीय इन्फ्लूएंसर्स को रेगुलेट करने के लिए सेबी एक या दो महीने में चर्चा पत्र जारी कर जनता की राय मांग सकता है। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा, चर्चा पत्र का मसौदा तैयार होने के बाद ऐसे इन्फ्लूएंसर्स को रेगुलेट करने के लिए दिशा निर्देश जारी होगा।

पहली बार 64 हजार के पार बंद हुआ सेंसेक्स; क्या रही तेजी की वजह और बीते नौ साल में कैसे बदली चाल

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में शुक्रवार को बंपर खरीदारी दिखी और सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने सर्वकालिक उच्च स्तर को छू लिया। सेंसक्स 803.14 अंक चढ़कर 64,718.56 अंक पर बंद हुआ। ऐसा पहली बार हुआ है जब सेंसेक्स ने 64 हजार का आंकड़ा पार कर बंद हुआ है। वहीं, निफ्टी भी पहली बार 19 हजार के आंकड़े के पार बंद हुआ। निफ्टी 216.95 अंक चढ़कर 19,189.05 पर बंद हुआ। आखिर सेंसेक्स में इस तेजी की वजह क्या है यह तेजी कब तक जारी रह सकती है कोरोना के बाद सेंसेक्स कैसे रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहा है बीते नौ साल में इसमें कितना बदलाव आया है

आखिर सेंसेक्स में इस तेजी की वजह क्या है

बाजार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाने में बड़ा योगदान हैवीवेट शेयरों में बढ़ी खरीददारों की दिलचस्पी, मेटल सेक्टर के

शेयरों का रहा। बुधवार के कारोबारी सत्र के पहले तीन सत्रों में निवेशकों को 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का फायदा हुआ। मानसून की शुरुआत, एचडीएफसी बैंक और हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प के विलय पूरा करने की घोषणा व जून डेरिवेटिव शृंखला की समाप्ति से बाजार को इस रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने में मदद मिली। अमेरिकी बाजार में हुई रैली से भी निवेशकों में सकरात्मक माहौल का भी बाजार को फायदा मिला। इसके चलते सभी सेक्टर हरे निशान पर रहे।

यह तेजी कब तक जारी रह सकती है

एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह माहौल जारी रह सकता है। साल के अंत तक निफ्टी 21,000 के स्तर को छू सकता है। इसी तरह सेंसेक्स में भी बढ़ोत्तरी देखी जा सकती है। इसके बाद मामूली मुनाफा वूसली का दौर आ सकता है। यह समय मुनाफा वूसली कर क्वालिटी स्टॉक में पुन: निवेश करने के लिए अच्छा समय है। जब देश में कोरोना ने दस्तक दी उस वक्त बाजार 41 हजार चल रहा था। 20 फरवरी को सेंसेक्स 41,170 के स्तर पर था। इसके बाद सेंसेक्स गिरना शुरू हो गया। 23 मार्च 2020 यानी जनता कर्फ्यू के अगले दिन बाजार 25,981 के निचले स्तर तक पहुंच गया। चार महीने से भी कम समय में करीब 20 हजार अंकों की गिरावट आई, लेकिन लॉकडाउन के दौरान बाजार ने धीरे-धीरे बढ़ना शुरू किया। यानी, बाजार ने करीब 37 फीसदी की गिरावट देखी। तब से अब तक सेंसेक्स में कुल करीब 146 फीसदी का इजाफा हो चुका है।

एचडीएफसी-एचडीएफसी बैंक का मर्जर आज से इफेक्टिव होगा

इसके बाद एचडीएफसी बैंक दुनिया के मोस्ट वैल्यूएबल बैंक की लिस्ट शामिल हो जाएगा

नई दिल्ली ।

हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन और एचडीएफसी बैंक का मर्जर कल यानी 1 जुलाई को इफेक्टिव होगा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक दुनिया के मोस्ट वैल्यूएबल बैंकों की लिस्ट में शामिल हो जाएगा। मर्जर इफेक्टिव होने के बाद एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप लगभग 14.09 लाख करोड़ हो जाएगा। इसके साथ ही बैंक के पास लगभग 12 करोड़ कस्टमर हो जाएंगे। बैंक अपने ब्रांच नेटवर्क को 8,300 से अधिक बढ़ाएगा और बैंक में कर्मचारियों की संख्या 1,77,000 से अधिक हो जाएगी।

बैंक ऑफ अमेरिका कॉर्प के बाद चौथे स्थान पर पहुंच जाएगा एचडीएफसी बैंक

रिपोर्ट के अनुसार, एचडीएफसी बैंक दुनिया के मोस्ट वैल्यूएबल बैंक की लिस्ट में जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना लिमिटेड और बैंक ऑफ अमेरिका कॉर्प के बाद चौथे स्थान पर पहुंच जाएगा।

ब्लूमबर्ग ने जून 22 में एचडीएफसी बैंक का अनुमानित मार्केट कैप 171.7 बिलियन डॉलर बताया था।

एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक के विलय के तहत निवेशकों को एचडीएफसी के 25 शेयर्स के बदले एचडीएफसी बैंक के 42 शेयर्स दिए जाएंगे। यानी अगर आपके पास एचडीएफसी लिमिटेड के 10 शेयर हैं तो मर्जर के तहत आपको 17 शेयर मिलेंगे।

एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक में क्या अंतर है

एचडीएफसी एक हाउसिंग फाइनेंस कंपनी है जो घर और दुकान सहित अन्य प्रॉपर्टी खरीदने के लिए लोन उपलब्ध कराती है। वहीं एचडीएफसी बैंक में बैंक से संबंधित सारे काम होते हैं जैसे सभी तरह के लोन, अकाउंट खुलवाना करना आदि।

क्यों हुआ ये मर्जर

सरकारी बैंकों और न्यू-एज फिनटेक कंपनियों से बढ़ते कॉम्पिटिशन के बीच इस मर्जर की जरूरत पहले से महसूस की जा रही थी। मैनेजमेंट ने इस बात पर दांव लगाया है कि विलय से बनने वाली सिंगल यूनिट की बैलेंस शीट बहुत बड़ी होगी, जिससे बाजार में होड़ करने का दमखम बढ़ेगा। यह विलय एचडीएफसी लिमिटेड के लिए ज्यादा प्रॉफिटेबल हो सकता है, क्योंकि इसका बिजनेस कम प्रॉफिटेबल है। एचडीएफसी बैंक के लिहाज से देखें तो इस विलय से यह अपना लोन पोर्टफोलियो मजबूत कर सकेगा। यह ज्यादा लोगों को अपने प्रोडक्ट्स ऑफर कर सकेगा।

ये बराबरी का विलय

एचडीएफसी लिमिटेड के चेयरमैन दीपक पारेख ने कहा था कि यह बराबरी का विलय है। हमारा मानना है कि ऋणक्रके लागू होने, हाउसिंग सेक्टर को इंफ्रास्ट्रक्चर का दर्जा मिलने, अफोर्डेबल हाउसिंग को लेकर सरकार की पहल जैसे तमाम दूसरी चीजों के कारण हाउसिंग फाइनेंस बिजनेस में बड़ी तेजी आएगी।

दीपक पारेख ने आगे कहा कि पिछले कुछ साल में बैंकों के कई रेगुलेशन बेहतर बनाए गए हैं। इससे विलय की संभावना बनी। इससे बड़ी बैलेंस शीट को बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर लोन के इंतजाम का मौका मिला। साथ ही इकोनॉमी की क्रेडिट ग्रोथ बढ़ी। अफोर्डेबल हाउसिंग को बढ़ावा मिला और कृषि सहित सभी प्रायोरिटी सेक्टर को पहले से ज्यादा कर्ज दिया गया।

राइमा भी द वैक्सीन वॉर की स्टार कास्ट में शामिल हुई

बालीवुड फिल्म द वैक्सीन वॉर की स्टार कास्ट में एक और नया नाम जुड़ गया है। यह फिल्म विवेक अग्निहोत्री द्वारा बनाई गई है। इस फिल्म में नाना पाटेकर, अनुपम खेर और सप्तमी गौड़ा जैसे कलाकार शामिल हैं। इन कलाकारों के साथ अब एक्ट्रेस राइमा सेन का नाम भी जुड़ गया है। सेन भी अब इस फिल्म का हिस्सा होंगी। फिल्म निमार्ता ने ट्विटर पर एक वीडिया शेयर किया है। वीडियो में विवेक अग्निहोत्री ने कोलकाता की अपनी हालिया यात्रा के दौरान अभिनेत्री से मिलने और उसे अपनी फिल्म में अभिनय करने के लिए आमंत्रित करने पर प्रसन्नता जताई। 52 सेकंड की एक क्लिप में उनका परिचय देते हुए फिल्म निमार्ता ने कैप्शन दिया देखो हैशटैग द वैक्सीन वार हैशटैग स्टोरी के कलाकारों में कौन शामिल हुआ।फिल्म द वैक्सीन वॉर भारतीय जैव-वैज्ञानिकों की खोज और उनके क्रांतिकारी स्वदेशी टीकों की ओर इशारा करती है। द वैक्सीन वॉर 20 अक्टूबर 2023 को दशहरे पर 11 भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म की ज्यादातर डिटेल गुप्त रखी गई है। वैक्सीन वॉर भारतीय वैज्ञानिकों और उन लोगों पर आधारित है, जिन्होंने दुनिया में सबसे प्रभावी वैक्सीन बनाने के लिए दो साल से अधिक समय तक अपना दिन और रात एक कर दिया। द वैक्सीन वॉर भारतीय वैज्ञानिकों की कहानी है जो ग्लोबल मैन्यूफैक्चर्स की तरफ से आने वाले दबाव से बच गए और अपने देशवासियों के जीवन को बचाने के लिए दिन रात काम किया। यह दुनिया के कुछ सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से गहन शोध पर आधारित भारत में सच्ची कहानी शैली की पहली फिल्म होने जा रही है। वैक्सीन वॉर भारतीय सिनेमा के लेवल को ऊपर उठाने और फिल्मों को भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में इस्तेमाल करने की एक वास्तविक कोशिश है। कई भारतीय वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपना खून पसीना एक कर दिया ताकि मरीजो का इलाज किया जा सके और एक वैक्सीन बनाया जाए।

पसूरी नू शीर्षक वाला यह गाना बना सत्यप्रेम की कथा का हिस्सा

-अली सेठी ने की अरिजीत सिंह की तारीफ

मुंबई (ईएमएस)। पसूरी नू शीर्षक वाला गाना कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म सत्यप्रेम की कथा का हिस्सा है।समीर विदवान्स द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित, सत्यप्रेम की कथा 29 जून, 2023 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। अरिजीत सिंह पसूरी के भारतीय संस्करण में अपनी आवाज देने के बाद से ही सुर्खियों में बने हुए हैं। मूल गीत, पसूरी, पाकिस्तान के कोक स्टूडियो के हिस्से के रूप में जारी किया गया था और इसे अली सेठी और शेर गिल ने गाया था। गाने के भारतीय संस्करण ने इंटरनेट को विभाजित कर दिया है क्योंकि वे नए गाने की आलोचना कर रहे हैं। पुराने संस्करण को खराब करने को लेकर प्रशंसकों में गुस्से के बीच, अली सेठी का भारतीय गायक की प्रशंसा करते हुए एक वीडियो वायरल हो गया है। अरजीत की दिलकश आवाज और उनकी शानदार आवाज पर अपने विचार साझा करते हुए, गायक ने कहा, ह्लअरिजीत सिंह नंबर 1 हैं। मैं अरिजीत के गाने सुनता हूं और खास तौर पर लाल इश्क, आयत और फिर ले आया दिल। मुझे लगता है कि ये कैसा हो सकता है कि एक समकालीन आधुनिक गायक जो बिल्कुल एक समकालीन अंदाज में गाए जैसे हां मैं गलत, वो जब सेमी क्लासिकल अंदाज को छेड़ते हैं, तो आपको एक पल के लिए भी महसूस नहीं होता कि आप उस शुद्धि को खो रहे हैं जो शास्त्रीय के लिए आवश्यक है (मैंने अरिजीत के गाने विशेष रूप से लाल इश्क, आयत और फिर ले आया दिल सुने हैं। मैं इस तथ्य से दंग रह जाता हूं कि कैसे एक समकालीन आधुनिक गायक, जिसका गायन का एक अलग तरीका है, जब वह शास्त्रीय गीत गाता है तो प्रतिभा लाता है। एक इंटरनेट यूजर ने अरिजीत से पूछा, क्या मैं एक बात पूछ सकता हूं? आपने इसके लिए हां क्यों कहा? मेरा मतलब है कि यह आपकी पसंद है लेकिन सिर्फ एक जिज्ञासा है, मेरा मतलब है कि जब आप इसके बारे में बात करना शुरू करने से पहले ही इसके बारे में जानते थे। इस पर अरिजीत ने कहा, निमार्ता ने मुझे वंचितों के लिए एक स्कूल के लिए वार्षिक फंड देने का वादा किया है। अरिजीत सिंह के असत्यापित ट्विटर अकाउंट से एक ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जब एक सोशल मीडिया यूजर ने गायक से पूछा कि उन्होंने पासूरी हिंदी रीमेक पर काम करने का फैसला क्यों किया, तो उन्होंने ऐसा करने का असली कारण बताया।

फिल्म नीयत में सनकी अरबपति की भूमिका निभाएगे राम कपूर

राम कपूर जल्द ही फिल्म नीयत में सनकी अरबपति आशीष कपूर का किरदार निभाते नजर आएंगे। मर्डर-मिस्ट्री फिल्म नीयत अरबपति आशीष कपूर की अपनी ही पार्टी में हुई हत्या के पीछे की खुलासे की कहानी है, जहां उनकी पूरी गेस्ट लिस्ट ही शक के दायरे में है। हत्या की जांच विद्या बालन द्वारा अभिनीत जासूस मीरा राव करेंगी। नीयत 7 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कहानी के आगे बढ़ने के साथ-साथ हत्या के पीछे छिपे राज भी खुलते जाएंगे। फिल्म नियत के एक्टर राम कपूर ने कहा है कि उन्होंने शुरू में यह किरदार अपने पिता पर ही बनाया था। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैंने देखा कि इसमें शामिल होना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा, मैं इससे रिलेट करता हूं। मेरे किरदार के कुछ भाग मेरे पिता पर आधारित हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे पिता भी एक टिपिकल इंडियन पंजाबी थे, जो बहुत बड़बोले और मनमौजी थे। वह लाइफ में बेहद सफल भी थे। उनके और मेरे किरदार के बीच समानताएं थीं, इसलिए मैंने किरदार को अपने पिता पर आधारित किया और इस बारे में अनु के साथ चर्चा की, क्योंकि मुझे लगा कि इससे मुझे किरदार को और वास्तविक रूप देने में मदद मिलेगी। अनु को यह पसंद आया और उन्होंने मुझे इसे और आगे बढ़ाने में मदद की। एक्टर ने आगे बताया कि स्क्रिप्ट सुनते ही तुरंत प्रोजेक्ट पसंद आ गया। उन्होंने आगे कहा, यह एक शानदार भूमिका है, जिसके लिए मुझे पता था कि मैं बिल्कुल सही हूं। मैं खुद को आशीष कपूर का किरदार निभाते हुए देख सकता हूं। व्यक्तित्व के लिहाज से, कुछ किरदारों में ढलना मुश्किल होता है, और कुछ किरदार आसान होते हैं।

ऋतिक के साथ स्टेज शेयर करना स्पेशल मोमेंट, वाणी कपूर अपने यूके टूर को लेकर कहा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर ऋतिक रोशन और वाणी कपूर अपने यूके टूर स्टार्स ऑन फायर में डांस स्टेज पर आग लगाएंगे। एक्टर ने पहले वॉर के गाने घुंघरू में डांस मूव्स से तहलका मचाया। अब पहला यूके टूर स्टार्स ऑन फायर लंदन और लीड्स में होगा। वाणी ने कहा, ऋतिक रोशन के साथ स्टेज शेयर करना स्पेशल मोमेंट है। वह बेहद टैलेंटेड हैं और मैं उनके साथ स्टेज पर डांस करने का मौका मिलने से बेहद खुश हूं। ऋतिक न केवल एक असाधारण कलाकार हैं बल्कि एक प्रेरणा भी हैं। मैं मोमेंट्स बनाने और अपने फैंस को एक रोमांचक अनुभव देने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।उन्होंने आगे कहा, मुझे अपनी फिल्मोग्राफी में सुपरहिट गाने पाने का सौभाग्य मिला है, चाहे वह गुलाबी, नशे सी चढ़ गई, या घुंघरू हो। इंडियन सॉन्ग और डांस दुनिया भर में मशहूर है और इसके बहुत बड़े फैंस हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, वाणी मैडॉक फिल्म्स की अपकमिंग फिल्म सर्वगुण संपन्न में प्रमुख महिला के रूप में दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके अलावा, वह वाईआरएफ एंटरटेनमेंट की स्ट्रीमिंग सीरीज मंडला मर्डर्स में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जो एक क्राइम थ्रिलर है, जो प्रशंसित गोपी पुथरन द्वारा निर्मित और निर्देशित है, जो मदार्नी 2 में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि यूके टूर दौरान कार्यक्रम 1 सितंबर को लंदन के ओवीओ एरिना में और 2 सितंबर को लीड्स के फर्स्ट डायरेक्ट एरिना में होगा।

शाहरुख की फिल्म जवान का इंतजार कर रहे प्रशंसक

बालीवुड स्टार शाहरुख खान की दूसरी प्रदर्शित होने वाली फिल्म जवान पर उनके फैंस की नजर लगी हुई हैं। इस फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि यह बॉक्स ऑफिस पर सुनामी लाने में कामयाब होगी। शाहरुख खान की जवान भारतीय सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर तमिल निर्देशक एटली की पहली हिंदी फिल्म है और इसमें नयनतारा और विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। डिजिटल दुनिया पर फिल्म के टीजर और रिलीज की तारीख को लेकर काफी चर्चा हो रही है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार जवान का आधिकारिक टीजर 7 जुलाई या 15 जुलाई को पूरे धूमधाम के साथ लॉन्च किया जाएगा। शाहरुख खान और एटली जवान टीजर को भव्य तरीके से लॉन्च करेंगे। यह सभी का सबसे बड़ा डिजिटल लॉन्च होगा। समय, और टीजर हर किसी के होश उड़ा देगा। इसमें शाहरुख खान को पहले कभी नहीं दिखाया गया है। निमार्ता चेन्नई में जवान के टीजर को लॉन्च करने के लिए एक विशेष अतिथि की तलाश कर रहे हैं, और एक बार यह तय हो जाने के बाद तारीख भी तय हो जाएगी। इसलिए, फिलहाल इस बात पर संशय है कि इसे कब रिलीज किया जाएगा 7 या 15 जुलाई।टीजर इस महाकाव्य एक्शन के 2 महीने लंबे मार्केटिंग अभियान की भी शरूआत करेगा, क्योंकि टीजर लॉन्च के बाद गाने और ट्रेलर होंगे। जवान 7 सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है और ठीक 7 जुलाई को अभियान शुरू होगा। पठान के बाद, शाहरुख खान एक और ब्लॉकबस्टर देने के लिए यहां हैं। इस-ाका संगीत अनिरुद्ध ने दिया है। इसे 2023 की सबसे बड़ी सिनेमाई घटनाओं में से एक माना जा रहा है। फिल्म का निर्माण एटली के साथ रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। बता दें कि वर्ष 2023 के बीते 6 माह में बॉक्स ऑफिस पर एकमात्र धमाका शाहरुख खान की फिल्म पठान ने किया। उसके बाद ऐसी कोई फिल्म नहीं आई जिसने बॉक्स-ऑफिस पर तहलका मचाने में कामयाब हुई हो।

ईशा देओल ने शेयर की धर्मेंद्र के साथ अपनी पुरानी फोटो, भावुक हुए यूजर

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया पर ईशा देओल ने फोटो शेयर कर अपने पिता धर्मेंद्र के प्रति अपना प्यार व्यक्त किया है। धूम एक्ट्रेस ईशा ने अपने पिता के साथ एक काफी पुरानी फोटो शेयर की। बताया जा रहा है कि ये ईशा देओल की शादी के समय की फोटोज हैं। जिसमें उनके पति भरत तख्तानी के साथ हेमा मालिनी और धर्मेंद्र नजर आ रहे हैं। इस ओल्ड तस्वीर में इन तीनों की खुशी देखते ही बन रही है। शादी के समय की यादगार फोटो फ्रेम को शेयर करते हुए एशा देओल ने लिखा, लव यू पापा। आप सबसे बेस्ट हैं, हम आपसे बहुत ज्यादा प्यार करते हैं और आपको ये पता है। खुद को चीयर कीजिये और जिंदगी में हमेशा खुश और स्वस्थ रहिये। लव यू हमेशा। बता दें कि धर्मेंद्र देओल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर अपने परिवार के साथ तस्वीरें शेयर करते हैं। धर्मेंद्र इस बात की पूरी कोशिश करते हैं कि उनका परिवार एकजुट होकर साथ रहे। हाल ही में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी बेटी एशा देओल के साथ एक फोटो शेयर की थी। फोटो शेयर करते हुए उन्होंने अपनी उम्र के साथ बढ़ती तकलीफों के बारे में बताया और साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर वह एशा, आहना और हेमा मालिनी को कितना मिस कर रहे हैं, इसका जिक्र भी किया। अब पिता के पोस्ट के बाद बेटी एशा देओल ने एक पुरानी फोटो शेयर करते हुए उनका हौसला बढ़ाया है। हालांकि धर्मेंद्र के इस पोस्ट को देखने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस काफी इमोशनल हो गए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, आपके माता-पिता एक-दूसरे के सोलमेट हैं। दोनों बॉलीवुड के सबसे बेस्ट कपल हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, काश ये मेरे पिता होते, भगवान इन्हें जिंदगी में हर खुशियां दें और एक लॉन्ग लाइफ दे। छह दशक से अपने दर्शकों का मनोरंजन करने वाले बॉलीवुड के हीमैन धर्मेंद्र जल्द ही करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आएंगे।

आईएफएस अधिकारी पर बनी फिल्म है उलझ

लंदन में फिल्म उलझ की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अभिनेत्री जान्हवी कपूर, गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू एक साथ काम कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर जान्हवी ने सेट से एक फोटो शेयर की। फोटो में फिल्म का क्लैपबोर्ड और उनकी आंखें देखी जा सकती हैं। गुलशन और रोशन ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यही फोटो शेयर की। फिल्म भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के बारे में है और शूटिंग का बड़ा हिस्सा अलग-अलग विदेशी जगहों पर किए जाने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण जंगली पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है, और इसमें राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। गुलशन की अपकमिंग फिल्म, गन्स एंड गुलाब, जो एक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर है, 1990 के दशक में सेट है। इसमें दुलारे सलमान, आदर्श गौरव और टीजे भानु भी हैं। जान्हवी वरुण धवन के साथ बवाल में नजर आएंगी। उनके पास राजकुमार राव अभिनीत मिस्टर एंड मिसेज माही भी है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित फिल्म उलझ जान्हवी द्वारा निभाई गई एक युवा आईएफएस अधिकारी की कहानी है।

काजोल लस्ट स्टोरीज 2 को लेकर चर्चा में

-फिल्म का कंटेंट है काफी बोल्ड

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस काजोल लस्ट स्टोरीज 2 को लेकर चर्चा में हैं। सेकेंड पार्ट में काजोल प्रमुख भूमिका में हैं। लस्ट स्टोरीज 2 को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा। उनकी यह फिल्म लस्ट स्टोरीज का सीक्वल है, जो कि 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का कंटेंट काफी बोल्ड है। हाल ही में काजोल ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कुछ चीजों में किस तरह बदलाव हुआ है, और पहले की तुलना में चीजें अब कितनी बदल गई हैं। एक इंटरव्यू में काजोल ने कहा कि फीमेल प्लेजर को नॉर्मलाइज कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह हमारी जिंदगी का नॉर्मल पार्ट है। उन्होंने कहा, एक वक्त पर हम इस बारे में खुलकर बात करते थे। बाद में हमने इस बारे में बात करना बंद कर दिया। लेकिन, आखरकार यह हमारी जिंदगी का हिस्सा है, और हम इसके बिना नहीं रह सकते। मुझे लगता है कि इसे उस तरह नॉर्मलाइज किया जाना चाहिए, जिस तरह हमने ड्रिंकिंग और ईटिंग को नॉर्मलाइज किया है। यह बिल्कुल हमारी बातचीत का हिस्सा बनाने वाली बात है। इसके बारे में बिल्कुल बात न करना इस तरह के मुद्दे को और बढ़ावा देता है, और लोगों में इसे लेकर और अटेंशन बना रहता है। काजोल ने कहा, पहले फिल्मों में लस्ट का मतलब पहले होता था कि दो फूल आपस में मिल रहे। दो गुलाब के फूल आपस में मिलाए जाते हैं, और बस हो गया। इसके बाद लेडी प्रेग्नेंट हो जाती है। तो मुझे लगता है कि हम अब आगे बढ़ चुके हैं, और लस्ट स्टोरीज 2 जैसा कुछ बनाने के बारे में सोचा। मुझे लगता है कि सिनेमा सोसाइटी को रिफ्लेक्ट करती है। काजोल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अमर प्रेम कहानियों में आज के जमाने में कोई भी यकीन रखता है। कोई किसी के लिए मरना पसंद नहीं करेगा। आजकल लोग एक से ज्यादा सोलमेट्स पर यकीन रखते हैं। आज तक जितनी भी लव स्टोरीज हमने बनाई है, वह सब बहुत अलग तरीके से बनी हैं। वह कहानियां दोस्ती, मॉर्डन रिलेशनशिप्स और सोसाइटी पर आधारित रही हैं। लस्ट स्टोरीज 2 अलग-अलग लोगों की कहानी को एक सेगमेंट में दिखाने वाली फिल्म है। काजोल के सेगमेंट को अमित आर शर्मा ने डायरेक्ट किया है।

सूडोकु नवताल- 6478

सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6477 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्दजाल - 7225

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	धे	मा	जी	
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	
चु	बा	र	पे	ट्या	छ	मि	रां	ब	वृ	डि	
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ग	ल	ष	ब्रु	
बो	आ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	ग	
य	ग	न	र	रा	गो	ली	ती	जो	घ	ढ़	
द	सं	ईं	ग	ट्रे	न	ला	स	र	व	स	
धु	ह	अ	गां	द	ब	क	घा	हो	श	क	
ब	म	तु	ला	व	म	स	या	ट	र	आ	
री	गॉ	ल	क	छा	र	कुं	भ	म	प	द	
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	का	म	रू	प	

शब्दजाल में असम के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

बारपेटा, कछार, दरांग, धेमाजी, धुबरी, गोलाघाट, डिब्रुगढ़, बोगईगांव, जोरहाट, कामरूप

शब्दजाल - 7224 का हल

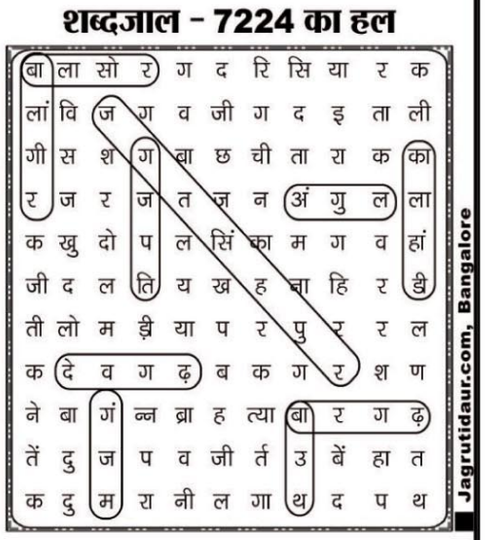

अष्टयोग- 6178

	3		1		2	5
3	32	6	36	2	30	1
	1		5		4	
5	33	1	29	4	30	
	6	5	4		3	2
2	30		32	3	31	7
1	2		7	5	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6177 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	29	6	37	2	31	1
4	3	7	1	6	2	5
5	29	1	33	4	37	6
6	1	2	5	7	4	3
2	33	4	31	3	30	7
7	6	5	4	1	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

वर्ल्ड कप में कौन होगा भारत का नंबर-4 : अय्यर, राहुल और रहाणे दावेदार; 2019 के बाद टीम इंडिया ने 8 खिलाड़ी आजमाए

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए नंबर-4 पर कौन बल्लेबाजी करेगा इंडियन मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स के लिए यह सवाल 2019 वर्ल्ड कप के पहले से ही सिरदर्द बना हुआ है। करीब 6 महीने पहले इस नंबर पर श्रेयस अय्यर का खेलना तय माना जा रहा था, लेकिन उनकी कमजोर फिटनेस ने सिलेक्टर्स को अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस स्टोरी में हम इसी सवाल का जवाब तलाशने का प्रयास करेंगे। इस क्रम में हम समझेंगे टीम में नंबर-4 की समस्या क्यों है इस समय कौन-कौन से बल्लेबाज इस नंबर के लिए दावेदार हैं

2019 वर्ल्ड कप के बाद भारत ने नंबर-4 पर 8 बैटर आजमाए

टीम इंडिया के सामने नंबर-4 की समस्या आज नहीं आई है। असल में यह समस्या युवराज सिंह के रिटायरमेंट के बाद से ही बरकरार है। युवराज ने 2011 वर्ल्ड कप में इस पोजिशन पर खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। युवी के प्रदर्शन के दम पर ही टीम इंडिया ने अपने घर में वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उठाई थी। 2019 वर्ल्ड कप के बाद का डेटा देखें तो हम पाते हैं कि भारतीय सिलेक्टर्स ने नंबर-4 की पोजिशन पर 8 खिलाड़ी आजमाए हैं। नंबर-4 पर इतनी चर्चा क्यों... नंबर-4 की पोजिशन किसी भी टीम के बैटिंग ऑर्डर के लिए रीढ़ की हड्डी कही जाती है, क्योंकि टॉप ऑर्डर के फेल होने की स्थिति में स्कोर को आगे बढ़ाने और टीम को बिखरने से बचाने की जिम्मेदारी नंबर 4 पर आने वाले बैटर की होती है। इसीलिए इस पोजिशन पर मजबूत, स्किलफुल और अनुभवी बल्लेबाज को रखा जाता है, जो हर परिस्थिति में खेलने में सक्षम हो। इतना अहम होने के बाद नंबर-4 की पोजिशन खाली क्यों है 2019 वर्ल्ड कप में विजय शंकर को इस रोल के लिए चुना गया था, लेकिन वे नाकाम रहे। इसके बाद श्रेय्यस अय्यर इस नंबर पर खेले लेकिन अभी वे चोटिल हैं। अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान चोट लगी थी। नंबर-4 पर आजमाए गए खिलाड़ियों में श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन सबसे बेहतर है। पिछले वर्ल्ड कप के बाद अय्यर इस स्थान पर भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अय्यर ने 2019 के बाद से नंबर-4 पर भारत की ओर से खेले 22 मुकाबलों में 47.35 के एवरेज से 805 रन बनाए हैं। इनमें दो शतक और 5 अर्धशतक जमाए हैं। पिछले साल भी अय्यर कमाल की फॉर्म में रहे। उन्होंने साल 2022 में सबसे ज्यादा 724 रन बनाए। इनमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल थे।

न्यूज ब्रीफ

अजीत आगरकर बन सकते हैं नए चीफ सिलेक्टर: कमेटी मेंबर बनने के लिए अप्लाय किया; दिल्ली कैपिटल्स का असिस्टेंट कोच पद छोड़ा

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व तेज अजीत आगरकर टीम इंडिया के नए चीफ सिलेक्टर बन सकते हैं। उन्होंने

नेशनल सिलेक्शन कमेटी मेंबर बनने के लिए वेस्ट जोन से अप्लाय किया है। आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने भी उन्हें असिस्टेंट कोच के पद से रिलीज कर दिया। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के मेंबर्स ने भी कन्फर्म किया कि आगरकर ने सिलेक्शन कमेटी मेंबर बनने के लिए अप्लाय किया है। सबसे पहले देखें दिल्ली कैपिटल्स की सोशल मीडिया पोस्ट। इसी पोस्ट के बाद आगरकर के सिलेक्शन कमेटी मेंबर बनने की खबरें तेजी से बढ़ने लगीं। 45 साल के आगरकर कमेटी मेंबर बने तो वह चीफ सिलेक्टर बनने के प्रमुख दावेदार होंगे। उन्होंने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में 221 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। चीफ सिलेक्टर की पोस्ट चेतन शर्मा के इस्तीफे के बाद से खाली है। शर्मा ने इसी साल फरवरी ने मीडिया चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में फंसने के बाद पद छोड़ा था। चेतन शर्मा नॉर्थ जोन से थे, ऐसे में नया सिलेक्टर भी इसी जोन से होना था। लेकिन टीम इंडिया के सिलेक्शन कमेटी मेंबर्स पद के लिए बीसीसीआई इन नियमों को मानने के लिए बाध्य नहीं है। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारी ने भी बताया कि कमेटी मेंबर्स के पांचों सिलेक्टर्स एक ही जोन से भी हो सकते हैं। आगरकर के सिलेक्ट होने पर वेस्ट जोन से 2 उम्मीदवार हो जाएंगे, फिलहाल सलिल अंकोला भी वेस्ट जोन से ही नेशनल सिलेक्शन कमेटी का हिस्सा हैं। उनके अलावा ईस्ट जोन से शिव सुंदर दास, साउथ से एस शरथ और सेंट्रल जोन से सुब्रोतो बनर्जी कमेटी के मेंबर्स हैं। चेतन शर्मा के बाद शिव सुंदर दास को इंटरिम सिलेक्टर बनाया गया, उनकी लीडरशिप में ही कमेटी ने वेस्टइंडीज दौरे की टीम भी चुनी। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खत्म होने के बाद बीसीसीआई ने सिलेक्टर पद के लिए एप्लिकेशन मांगे। पद के लिए उम्र सीमा को हटा दिया गया, पहले 60 साल से ज्यादा के उम्मीदवार ही सिलेक्टर बन सकते थे। उम्र सीमा हटने के बाद ही 45 साल के आगरकर ने अप्लाय किया। उम्र के अलावा अप्लाय करने वाले उम्मीदवारों का भारत के लिए 7 टेस्ट, 30 फर्स्ट क्लास मैच या 10 वनडे और 20 फर्स्ट क्लास मैच खेले होना भी जरूरी है। साथ ही उम्मीदवारों ने कम से कम 5 साल पहले क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया हो।

नीरज के निशाने पर होगा लगातार दूसरा डायमंड लीग स्वर्ण, श्रीशंकर भी पदक जीतने उतरेंगे

लुसाने । मांसपेशियों के खिचाव से उबरने के बाद नीरज चोपड़ा एक बार फिर हाथ में भाला उठाने के लिए तैयार हैं। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज शुक्रवार से लुसान में होने जा रहे डायमंड लीग में दावेदारी पेश करने जा रहे हैं। उनके निशाने पर लीग का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक होगा। सिर्फ नीरज ही नहीं इस एकदिवसीय मीट में लॉग जंपर मुरली श्रीशंकर भी उतरेंगे। उनके निशाने पर भी लीग का दूसरा पदक होगा। 25 वर्षीय नीरज ने पांच मई को दोहा डायमंड लीग में 88.67 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण जीता था। उसके बाद उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया, जिसके चलते उन्हें चार जून को हुए फैनी ब्लैंकर्स कोएन गेम्स और 13 जून को हुए पावो नूरमी गेम्स से नाम वापस लेना पड़ा। 29 मई को उन्होंने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। अब पूरे एक माह बाद वह फिर कंपटीशन में उतरने जा रहे हैं। हालांकि इस दौरान उन्होंने किसी डायमंड लीग में खेलने का मौका नहीं खोया। लीग के रबत, रोम, पेरिस और ओस्लो चरण में जेवेलिन थ्रो शामिल नहीं है। नीरज को लुसान में कड़ी टक्कर मिलेगी। उनके सामने टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक रिपब्लिक के याकूब वादलेज्चे (सर्वश्रेष्ठ 90.88, सत्र का श्रेष्ठ 89.51 मीटर), विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडर्सन पीटर्स (सर्वश्रेष्ठ 93.07, सत्र का श्रेष्ठ 85.88 मीटर), फिनलैंड के ओलिवर हालेंडर (सर्वश्रेष्ठ 89.83, सत्र का श्रेष्ठ 87.32 मीटर), लंदन ओलंपिक विजेता त्रिनिदाद और टोबेगो के केशर्न वॉल्काट (सर्वश्रेष्ठ 90.16, सत्र का श्रेष्ठ 85.85 मीटर) यूरोपियन चैंपियन जर्मनी के जूलियन वीबर (सर्वश्रेष्ठ 89.54, सत्र का श्रेष्ठ 88.37 मीटर) होंगे। बीते वर्ष डायमंड लीग विजेता बनने वाले नीरज अपने खिताब की रक्षा के लिए आठ अंकों के साथ लीग में शीर्ष पर चल रहे हैं, वादलेज्चे के सात और पीटर्स के छह अंक हैं। लुसान के बाद मोनाको (21 जुलाई) और ज्यूरिख (31 अगस्त) में लीग होनी हैं, जहां जेवेलिन थ्रो शामिल है। लीग का फाइनल यूजीन (अमेरिका) में 16, 17 सितंबर को होगा।

वर्ल्ड कप स्टेडियम पर 500 करोड़ खर्च करेगा बीसीसीआई

लखनऊ-चेन्नई में नई पिचें बनेंगी, दिल्ली और मुंबई के वॉशरूम सुधरेंगे

नई दिल्ली ।

अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी हो चुका है। 10 शहरों में वर्ल्ड कप के 48 मैच होंगे। टूर्नामेंट से पहले सभी स्टेडियम का इन्फ्रास्ट्रक्चर अपडेट किया जाएगा। इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड 500 करोड़ रुपए खर्च करेगा, सभी 10 स्टेडियम को 50-50 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे। मुंबई में नई फ्लडलाइट्स लगेंगी और कॉर्पोरेट बॉक्स बनेगा, लखनऊ और चेन्नई में नई पिच तैयार होंगी, कोलकाता का ड्रेसिंग रूम अपग्रेड होगा, धर्मशाला में इम्पोर्टेड घास की आउटफील्ड, पुणे में नई छत लगेगी और दिल्ली के बदहाल वॉशरूम सुधारने के साथ वहां का टिकट सिस्टम भी अपग्रेड होगा। इन अपडेट्स के साथ स्टेडियम में कुछ और भी बदलव होंगे, उन्हें ही आगे स्टोरी में हम जानेंगे

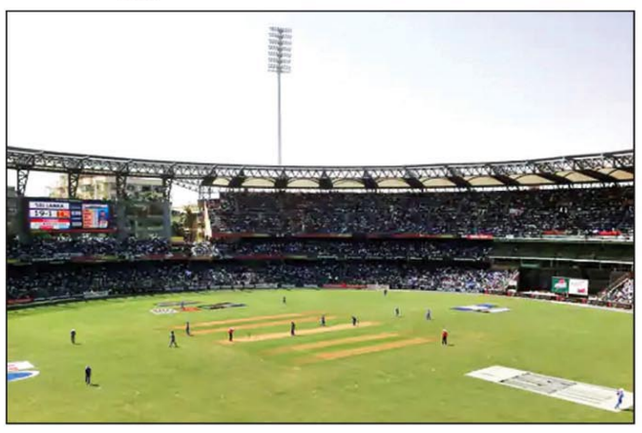

इन स्टेडियम में होंगे वर्ल्ड कप मैच

भारत के 10 शहरों को वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी मिली है। इनमें अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, धर्मशाला, दिल्ली, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, लखनऊ और कोलकाता शामिल हैं। गुवाहाटी और तिरुअनंतपुरम में हैदराबाद के साथ वॉर्म-अप मैच होंगे। मुंबई, कोलकाता में सेमीफाइनल खेले जाएंगे और अहमदाबाद में 19 नवंबर को फाइनल होगा।

मुंबई-दिल्ली के खराब वॉशरूम सुधरेंगे

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम ने 2011 में वर्ल्ड कप फाइनल होस्ट किया था, यहां इस बार 4 लीग मैच और एक सेमीफाइनल होगा। भारत यहां क्वालिफायर-2 की टीम से मैच खेलेगी। इस स्टेडियम में वर्ल्ड कप से पहले नई स्श्रष्ठ लाइटिंग्स लगेंगी। यहां के वॉशरूम और कॉर्पोरेट बॉक्स भी अपग्रेड होंगे। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम के भी खराब वॉशरूम को सुधारा जाएगा। यहां की सीटिंग व्यवस्था भी अपग्रेड की जाएगी। दिल्ली में लीग स्टेज के 5 मैच होंगे, भारत यहां 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

चेन्नई-लखनऊ में नई पिच बनेंगी

चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम में नई लाइट्स लगाई जाएंगी। यहां लाल मिट्टी की 2 नई पिच भी बनेंगी। आईपीएल के दौरान चेन्नई और लखनऊ की पिचों पर बहुत विवाद हुआ था, यहां स्लो पिच मिली थीं। इस कारण लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम की पिच में भी बदलाव होंगे। चेन्नई और लखनऊ में लीग स्टेज के 5-5 मैच होंगे। भारत वर्ल्ड कप में पहला मुकाबला ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में खेलेगा। वहीं 29 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ टीम का मुकाबला लखनऊ में होगा।

धर्मशाला में आउटफील्ड बदली गई

धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट स्टेडियम में आउटफील्ड बदलने का काम पिछले साल शुरू हुआ। इसे अब बदल दिया गया है, यहां स्कॉटलैंड से स्पेशल घास लाकर लगाई गई। आउटफील्ड के कारण ही यहां भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच मार्च में टेस्ट मैच नहीं हो सका था। इस टेस्ट को इंदौर में कराया गया, जहां भारत को हार मिली थी। यहां 6 हजार मीटर के स्पेशल पाइप के साथ नया ड्रेनेज सिस्टम लगाया गया, बारिश होने पर मैदान अब जल्दी सुखा दिया जाएगा। ड्रेसिंग रूम और वीवीआईपी बॉक्स को अपग्रेड किया गया। स्टेडियम की लीकेज व्यवस्था को सुधार कर बैठने के लिए नई सीटें भी लगाई गईं। धर्मशाला में वर्ल्ड कप के 5 मैच होंगे। भारत यहां 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

एमपीएल के बाद अपग्रेड होगा पुणे का स्टेडियम

महाराष्ट्र क्रिकेट असोसिएशन के प्रेसिडेंट रोहित पवार ने बताया कि पुणे में फिलहाल महाराष्ट्र प्रीमियर लीग जारी है। लीग के मैचों से बोर्ड ने सभी परेशानियां शॉर्टलिस्ट कर ली हैं। कुछ स्टैंड्स को कवर किया जाएगा, कई सीटों पर छत नहीं है, वहां छत लगेगी। स्टेडियम के वॉशरूम पहले से ज्यादा साफ होंगे, रोड और पार्किस फैसिलिटी भी बेहतर की जाएगी। एमपीएल खत्म होते ही फैसिलिटी इम्प्रूव करने पर काम होगा और इसे जल्द ही खत्म कर लिया जाएगा। पुणे में वर्ल्ड कप के 5 मैच होंगे, भारत यहां 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम का ड्रेसिंग रूम अपग्रेड किया जाएगा। यहां आईपीएल में हाई स्कोरिंग पिचें मिली थीं, उन पर भी काम होगा। कोलकाता में लीग स्टेज के 4 मैच और एक सेमीफाइनल होगा।

भारतीय टीम में वापसी तलाश रहे हनुमा विहारी

मध्य प्रदेश से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे; फर्स्ट क्लास में लगा चुके हैं 23 शतक

नई दिल्ली ।

भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल चुके हनुमा विहारी मध्य प्रदेश से घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। 29 साल के विहारी 2023-24 का रणजी ट्रॉफी सीजन नई टीम से खेलेंगे। विहारी अब तक आंध्र प्रदेश से घरेलू क्रिकेट खेल रहे थे। आंध्र क्रिकेट बोर्ड से परमिशन मिलते ही विहारी एमपी से जुड़ जाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, विहारी के साथ तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया भी एमपी टीम जॉइन करेंगे। एमपी में इस वक्त रजत पाटीदार, वेंकटेश अय्यर और आवेश खान जैसे आईपीएल स्टार प्लेयर्स हैं। टीम पिछले सीजन रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंची और 2021-22 का खिताब भी जीता।

साउथ जोन की कप्तानी कर रहे हैं विहारी

हनुमा विहारी इस वक्त दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के कप्तान हैं। टीम 5 जुलाई से क्वार्टर फाइनल की विजेता टीम से सेमीफाइनल खेलेगी। विहारी अगर मध्य प्रदेश आए तो अनुभव के आधार वह रणजी टीम की कप्तानी भी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, विहारी कोच चंद्रकांत पंडित के अंडर खेलना चाहते थे, इसीलिए उन्होंने अपना राज्य बदला। पंडित की कोचिंग में एमपी टीम ने पिछले 2 सीजन अच्छा प्रदर्शन किया। चंद्रकांत आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के हेड कोच हैं, वह मुंबई और विदर्भ को भी रणजी चैंपियन बना चुके हैं। विहारी भारत की टेस्ट टीम में वापसी तलाशने के लिए अपना राज्य बदल रहे हैं।

उन्होंने टीम इंडिया के लिए आखिरी मैच पिछले साल जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में ही खेला था। इस टेस्ट के बाद भारत ने 7 टेस्ट खेले, लेकिन किसी भी स्क्वॉड में विहारी को जगह नहीं दी गई। विहारी भारत के लिए 16 टेस्ट खेल चुके हैं, इनमें उन्होंने 33.56 की औसत से 839 रन बनाए।

घरेलू क्रिकेट में इंजरी के बावजूद बैटिंग की

विहारी ने पिछले दिनों घरेलू क्रिकेट में आंध्र प्रदेश रणजी टीम की कप्तानी की। राइट हैंड से बैटिंग करने वाले विहारी मध्य प्रदेश के खिलाफ ही क्वार्टर फाइनल में लेफ्ट हैंड से बैटिंग करते नजर आए थे। उन्हें एक हाथ में इंजरी थी, इसी कारण उन्होंने लेफ्टी बनकर बैटिंग की।

विहारी की तीसरी रणजी टीम होगी एमपी

इस सीजन उन्होंने आंध्र प्रदेश के लिए रणजी ट्रॉफी के 14 मैचों में 490 रन बनाए। इनमें 14 फिफ्टी शामिल रही। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्होंने 113 मैच खेले हैं। इनमें उनके बैट से 53.41 की औसत से 8600 रन निकले, इनमें 23 शतक और 45 फिफ्टी शामिल हैं।

दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल: नॉर्थ जोन ने 540 रन बनाए, 3 खिलाड़ियों के शतक; सेंट्रल जोन को 124 रन की बढ़त

बेंगलुरु/अलुर।

दलीप ट्रॉफी के साथ भारत के डोमेस्टिक सीजन की शुरुआत हो चुकी है। अलुर और बेंगलुरु में टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले जारी हैं। मुकाबलों के दूसरे दिन गुरुवार को सेंट्रल जोन और नार्थ जोन ने दबदबा बनाए रखा। कर्नाटक के अलुर में पहले क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल ने ईस्ट जोन पर 124 रन की बढ़त बना ली है। बेंगलुरु में जारी दूसरे क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ जोन ने 540 रन पर अपनी पहली पारी डिक्लेयर की। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक नार्थ ईस्ट जोन ने 65 रन तक 3 विकेट गंवा दिए, टीम अब भी 475 रन से पिछड़ रही है।

ईस्ट जोन 122 रन पर सिमटा

दूसरे दिन ईस्ट जोन ने 32/2 के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। लेकिन सुदीप कुमार घरामी (27 रन) और शहबाज नदीम (17 रन) जल्दी आउट हो गए। सुदीप ने पहले दिन के स्कोर में 8, जबकि नदीम ने 11 रन जोड़े। इन दोनों के बाद रियान पराग ने पारी संभाली, लेकिन 33 रन बनाकर वह भी आउट हो गए। उनके अलावा मणिशंकर मुरासिंह ने 30 रन बनाए। ईस्ट जोन की टीम 122 रन पर ऑल आउट हो गई, इस तरह सेंट्रल जोन को पहली पारी में 60 रन की बढ़त मिली। सेंट्रल जोन से तेज गेंदबाज आवेश खान और स्पिनर सौरभ कुमार ने 3-3 विकेट लिए। शिवम मावी को दो और यश ठाकुर को एक विकेट मिला, जबकि एक बैटर रन आउट हुआ।

दूसरी पारी में सेंट्रल जोन-64/0

पहली पारी में 60 रन की बढ़त लेने के बाद सेंट्रल जोन ने स्टंप्स तक बगैर नुकसान के 64 रन बना लिए। ओपनर हिमांशु मंत्री 25 और विवेक सिंह 34 रन बनाकर नाबाद लौटे। टीम की कुल बढ़त 124 रन हो चुकी है। सेंट्रल जोन पहली पारी में 182 रन पर ऑल आउट हो गई, यहां ईस्ट जोन के मणिशंकर मुरासिंह ने 5 विकेट लिए थे।

नार्थ जोन से 3 प्लेयर्स के शतक

बेंगलुरु में क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दूसरे दिन नार्थ जोन ने अपनी पहली पारी 540/8 के स्कोर पर घोषित की। निशांत सिंधु ने 150 और हर्षित राणा ने 122 रन बनाए। पुलकित नारंग ने भी 46 रन का योगदान दिया। टीम के लिए पहले दिन ध्रुव शोरे (135 रन) ने शतक जमाया था। नॉर्थ ईस्ट जोन से फेरोइजाम जोतिन, एल किशन सिंघा और इमलिवाटी लेम्तुर को 2-2 विकेट मिले। 540 रन के जवाब में खेलने उतरी नार्थ ईस्ट जोन को शुरुआती झटके लगे। टीम ने 65 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए।

द एशेज...दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड- 278/4: बेन डकेट 98 पर आउट; ऑस्ट्रेलिया ने 416 रन बनाए, स्मिथ का शतक

नई दिल्ली ।

द एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर खेला जा रहा है। गुरुवार को मुकाबले के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 416 रन पर ऑल आउट हो गई। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने चार विकेट 278 रन बना लिए। हैरी ब्रूक 45 और कप्तान बेन स्टोक्स 17 रन पर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया टीम ने दूसरे दिन 339/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और 416 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। स्टीव स्मिथ ने 110 रन की शानदार पारी खेली। सेंचुरी चूके डकेट, क्रॉले-पॉप अर्धशतक नहीं बना सके ऑस्ट्रेलिया के ऑल आउट होने के बाद जैक क्रॉले और बेन डकेट ने इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने 91 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। डकेट शतक बनाने से चूक गए, वह 98 रन बनाकर आउट हो गए। डकेट को जोश हैजलवुड ने डेविड वार्नर के हाथों कैच कराया। साथ ही जैक क्रॉले 48 और ओली पॉप 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

इंग्लैंड का बैजबॉल रुख जारी

इंग्लिश टीम ने दूसरे टेस्ट में भी बैजबॉल रुख अपनाया और 61 ओवर में ही 4 विकेट पर 278 रन बना लिए। टीम 4.56 के रन रेट के स्कोर कर रही है। हालांकि, टीम अब भी पहली पारी 138 रन पीछे है। हैरी ब्रूक (45) और कप्तान बेन स्टोक्स (17) तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी आगे बढ़ाएंगे। कंगारू टीम की ओर से मिचेल स्टार्क, जोश हैजलवुड, नाथन लायन और कैमरून ग्रीन को एक-एक विकेट मिला।

दूसरे दिन 77 रन ही बना सका ऑस्ट्रेलिया

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 339/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। स्मिथ ने 85 और एलेक्स कैरी 11 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। कैरी 22 रन बनाकर ही आउट हो गए। उनके बाद मिचेल स्टार्क भी पहले 20 मिनट में ही आउट हो गए। स्मिथ उस समय 97 रन पर थे, उन्होंने जेम्स एंडरसन के बॉल पर चौका लगाया और अपना शतक पूरा किया।

स्मिथ का 32वां टेस्ट शतक

स्मिथ ने अपने टेस्ट करियर का 32वां और इंग्लैंड के खिलाफ 12वां टेस्ट शतक लगाया। एशेज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों में वह चौथे नंबर पर पहुंच गए। उनके नाम 3,173 रन हैं। उनसे ज्यादा रन सिर्फ डॉन ब्रेडमैन, जैक हॉब्स और एलन बॉर्डर ने बनाए हैं। स्मिथ 110 रन बनाकर जोश टंग की गेंद पर गली पोजिशन में डकेट को कैच दे बैठे। उन्होंने 184 गेंद की पारी में 15 चौके लगाए।

रिटायरमेंट के तुरंत बाद विदेशी लीग

नहीं बीसीसीआई लाएगा नियम: क्रिकेटर्स को कुछ महीने का इंतजार करना होगा

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इंडियन प्लेयर्स के विदेशी लीग में खेलने पर नए नियम लागू कर सकता है। ऐसा होने पर खिलाड़ी रिटायर होने के ठीक बाद दूसरे देशों की फ्रेंचाइजी लीग नहीं खेल सकेंगे, उन्हें बीसीसीआई से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना पड़ेगा। साथ ही उन्हें रिटायरमेंट के बाद कुछ महीनों या साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी सर्व करना पड़ सकता है। 7 जुलाई को बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल मीटिंग होगी। मीटिंग में रिटायर्ड खिलाड़ियों के नियमों का मुद्दा होगा। इसके अलावा सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में इम्पैक्ट प्लेयर रूल पर भी चर्चा होगी। दरअसल आईपीएल और सैयद मुश्ताक अली में इम्पैक्ट प्लेयर रूल अलग-अलग हैं।

रिटायरमेंट लेने वाले इंडियन क्रिकेटर्स के लिए अभी क्या नियम - इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट से रिटायर हो चुके भारतीय खिलाड़ी पिछले दिनों की इंटरनेशनल लीग टी-20 में खेलते नजर आए। विदेशी लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए अब तक कोई पॉलिसी नहीं। बीसीसीआई नई पॉलिसी लाना चाहता है।

रिटायरमेंट के संबंध में क्या बदलाव हो सकते हैं - बीसीसीआई खिलाड़ियों के लिए कूलिंग ऑफ पीरियड का नियम भी ला सकता है। जिसके तहत खिलाड़ी रिटायर होने के कुछ महीनों या साल बाद ही विदेशी लीग खेल सकेंगे। रिटायर हो चुके खिलाड़ियों को इन लीग्स में खेलने के लिए बीसीसीआई से परमिशन लेनी पड़ सकती है।

विदेशी लीग्स के लिए नए नियमों की क्या वजह है - एक्सपर्ट के मुताबिक, रिटायरमेंट के बाद विदेशी लीग खेलने के लिए नियम बनाने की 2 वजह हैं। पहली- खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बाद भारत में घरेलू क्रिकेट खेले। दूसरी- भारतीय खिलाड़ियों से विदेशी लीग की वैल्यू बढ़ती है। आईपीएल की वैल्यू बनी रहे, इसीलिए बीसीसीआई कूलिंग ऑफ पीरियड ला सकती है। ताकि खिलाड़ी 6 महीने या एक साल का इंतजार करे और फिर विदेशी लीग में खेलने जाए।

विदेशी लीग में भारतीय खिलाड़ी

क्या हाल की कोई घटना इस फैसले की वजह है - यह अभी स्पष्ट नहीं है। ना ही बोर्ड ने इस बारे में कुछ ऑफिशियली कहा है। हां, पिछले आईपीएल सीजन के बाद अंबाती रायुडू और रॉबिन उथप्पा ने संन्यास ले लिया और 10 दिन बाद ही की इंटरनेशनल लीग टी-20 में भी खेलने चले गए। रायुडू अब अमेरिका की टी-20 लीग भी खेलेंगे, जो 14 जुलाई से शुरू होगी। इनके अलावा सुरेश रैना, युवराज सिंह, हरभजन सिंह, मुनफ पटेल, युसुफ पठान, इरफान पठान और उन्मुक्त चंद भी विदेशी लीग खेल चुके हैं। अंबाती रायुडू ने आईपीएल के बाद भारत में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया। अब वे अमेरिका में ह्रस्च्य की फ्रेंचाइजी टेक्सास सुपर किंग्स से खेलते नजर आएंगे। यानी रिटायरमेंट के 45 दिन बाद विदेशी लीग खेलेंगे।

खिलाड़ियों ने बीसीसीआई के नियम नहीं माने तो क्या होगा - अगर खिलाड़ियों ने बीसीसीआई से एनओसी सर्टिफिकेट नहीं लिया तो उन्हें भविष्य में बीसीसीआई के किसी भी सेक्शन का हिस्सा बनने में दिक्कतें होंगी। रिटायरमेंट के बाद खिलाड़ी अक्सर कोच, बॉलिंग-फील्डिंग-बैटिंग कोच जैसी भूमिकाओं में आ जाते हैं। कमेंटेटर और अंपायर-स्कोरर के तौर पर भी करियर जारी रखते हैं। बीसीसीआई इसके लिए सैलरी देता है।

इम्पैक्ट प्लेयर का मसला अहम क्यों है - सैय्यद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में इम्पैक्ट प्लेयर रूल आईपीएल से पहले लागू किया गया। लेकिन, आईपीएल और एसएमएटी में ये रूल एक जैसा नहीं है। एसएमएटी में टीमें दोनों पारियों में 16वें ओवर से पहले तक ही इम्पैक्ट प्लेयर लाया जा सकता है। जबकि आईपीएल में किसी भी वक्त नियम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्या एसएमएटी और आईपीएल के किसी और नियम में भी अंतर है - हां, एसएमएटी में दोनों टीमों के कप्तान टॉस के बाद 12 खिलाड़ियों के नाम ही दे सकते हैं। इनमें से 11 प्लेइंग-11 का हिस्सा रहते, जबकि 12वां खिलाड़ी ही प्लेइंग-11 में शामिल खिलाड़ी को रिप्लेस कर सकता था। आईपीएल में टीमें सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों के रूप में 4 खिलाड़ियों का नाम देती हैं, उनमें से किसी भी प्लेयर को मैच के दौरान रिप्लेस कर दिया जाता है।

एशियाड में टीम भेजने पर भी चर्चा होगी - 7 जुलाई की मीटिंग में बीसीसीआई कमिटी मेंबर्स एशियन गेम्स में टीमें भेजने पर भी विचार करेंगे। एशियन गेम्स 27 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के होंगझू में होंगे।

मोलर गर्भधारण बन सकता है समस्या का कारण

मोलर गर्भधारण, गर्भावस्था की एक दुर्लभ समस्या को कहा जाता है। यह समस्या गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की गलती या कमी रह जाने के कारण उत्पन्न होती है, जिस कारण से नाल का निर्माण करने वाली कोशिकाओं में खराबी आ जाती है।

मोलर गर्भधारण मोलर गर्भाधान को कभी-कभी हाइडेटिडिफॉर्म मोल भी कहा जाता है। जो कि गेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स नाम की कई स्थितियों के समूह का एक हिस्सा होता है। सामान्यतः ये हानिकारक नहीं होते हैं। यह गर्भाशय से आगे तक भी फैल सकते हैं। हांलाकि इनका अपचार किया जा सकता है। भ्रूण के विकास में आने वाली समस्या गर्भधारण की दर को कम करने वाली विकृति में मोलर गर्भधारण भी एक है। यह समस्या आमतौर पर गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उत्पन्न होती है। मोलर गर्भाधान हाइडेटिडिफॉर्म मोल के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य गर्भावस्था में निषेचित अंडे में पिता और मां दोनों के 23-23 क्रोमोजोम मौजूद होते हैं। लेकिन, एक संपूर्ण मोलर गर्भाधान में निषेचित अंडे में माता का कोई क्रोमोजोम नहीं होता, किंतु पिता के शुक्राणुओं की संख्या दोगुनी हो जाती है। जिस कारण से पिता के क्रोमोजोम की संख्या भी दुगुनी हो जाती है। ऐसा होने पर निषेचित हुए अंडे में माता का एक भी क्रोमोजोम नहीं होता पर पिता के क्रोमोजोम के 2 सेट आ जाते हैं।

जानें कुछ और ऐसी ही महत्वपूर्ण बातें

- मोलर गर्भधारण की स्थिति में महिला का कोई क्रोमोसोम निषेचित अंडे में मौजूद नहीं होता और पुरूष के शुक्राणुओं की संख्या अधिक होने से क्रामोजोम की संख्या दुगुनी हो जाती है।
- मोलर गर्भधारण होने पर त्रुटिपूर्ण ऊतकों का गुच्छा बनने लगता है जो कि अल्ट्रासाउंड में आसानी से दिखाई देता है।
- बी रक्त वाली महिलाओं में मोलर गर्भधारण की आशंका ज्यादा होती है।
- मोलर गर्भधारण में शुरूआती अवस्था सामान्य गर्भधारण के लक्षणों जैसी ही होती है लेकिन कुछ समय के अंतराल के बाद रक्तस्राव होने लगता है।
- गर्भावस्था में रक्तस्राव हमेशा किसी गंभीर रोग का लक्षण नहीं होता, पर यह मोलर गर्भधारण का लक्षण हो सकता है।
- मोलर गर्भधारण के बारे में आप अल्ट्रासाउंड स्कैन के माध्यम से पता कर सकते है।
- मोलर गर्भधारण का पता रक्तजांच के माध्यम से एचसीजी स्तर पता करके भी लगा सकते हैं। ऐसे में एचसीजी स्तर अधिक तेजी से बढ़ने लगता है।
- मोलर गर्भधारण के दौरान 6 से 16वें हफ्ते के बीच रक्त स्राव शुरू हो जाता है और उल्टियां आने लगती हैं, उदर में सूजन आना इत्यादि लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं।
- मोलर गर्भधारण का पता चलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- मोलर गर्भधारण में त्रुटिपूर्ण ऊतकों को हटाया जाता है जिसके लिए डी एंड सी (डायलेशन एंड क्युरेटेज) शल्य-चिकित्सा की जाती है या फिर दवाईयों के जरिए भी इसे दूर किया जा सकता है।
- इलाज के बाद दोबारा मोलर गर्भधारण न हो, इसके लिए लगभग 6 महीने तक निगरानी रखना आवश्यक है।
- मोलर गर्भधारण के इलाज के दौरान दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ समय का अंतराल जरूरी है। जैसे 6 महीने तक लगातार जांच उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर ही पुनः गर्भधारण की सोचें।

कैसी हो पानी की बोतल...

अक्सर लोग बोतल से पानी पी लेते हैं तो कुछ लोग प्लास्टिक के गिलास में पानी पीते हैं। बोतल और गिलास में बहुत वैराइटी आती है। आज हम आपको बताएंगे कि कौन सी बोतल पानी पीने के लिए हेल्दी हैं। बीपीए यानी बिसफेनोल ए एक खतरनाक रसायन है जो कि पानी के साथ मिलकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जब भी आप प्लास्टिक की बोतल खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें की आपकी बोतल बीपीए मुक्त हो। कांच की बोतल को नैचुरल चीजों जैसे लाइम और रेत से बनाया जाता है। इसलिए कांच की बोतल का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। कांच की बोतल में पानी कितने ही दिन तक रखें लेकिन पानी का स्वाद नहीं बदलता जबकि प्लास्टिक की बोतल में पानी का स्वाद बदल जाता है। सूरज की किरणों से प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन काफी जल्दी पानी में मिल जाता है। ऐसे में प्लास्टिक की बोतल में पानी है तो उसे धूप से बचाएं। प्लास्टिक की बोतल को यदि ठीक से साफ ना किया जाए तो उसमें जीवाणु पैदा हो जाते हैं। वैसे भी प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल साफ करना ज्यादा आसान होता है। छोटे बच्चों को भी कांच की बोतल से ही दूध पिलाना बेहतर होता है। यूं तो कांच की बोतल टूटने का डर बरकरार रहता है। ऐसे में आप ऐसी कांच की बोतल लें जिस पर सिलिकॉन की एक परत चढ़ी हो जो कांच को जल्दी टूटने से बचाती हैं। प्लास्टिक की बोतल को साफ करने के लिए कड़े क्लीनर्स का इस्तेमाल न करें। खासतौर पर उन बोतलों को जिनमें पॉलीकार्बोनेट हो क्योंकि इससे पॉलीकार्बोनेट जल्दी टूटता हैं। गर्म पानी या तरल पदार्थों को प्लास्टिक की बोतलों में न रखें क्योंकि प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन इनमें मिक्स हो जाता है जिससे तरल पदार्थ खराब होने की आशंका रहती है। हर तरह की प्लास्टिक की बोतल को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जैसे कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल, मिनरल पानी की बोतल। यदि आप गौर करेंगे तो इन बोतलों के नीरे सिरे पर एक त्रिकोण बना होता है जिस पर 1 लिखा होता है। इसका मतलब है कि इस बोतल का इस्तेमाल सिर्फ एक बार हो सकता है। इन बोतलों का दोबारा इस्तेमाल करने से आप बीमारियों को बलावा दे रहे हैं।

घर और रिश्तों की परिभाषा बदली...

एक वक्त था जब लड़कियों की दुनिया शादी और शौहर के साथ जिंदगी बिताने के ख्वाबों में जाकर खत्म हो जाया करती थी। लेकिन यह वक्त दूसरा है और लड़कियों के ख्वाब दूसरे। इन दिनों दुनिया में अविवाहित महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी है। यह ट्रेंड एशिया के देशों सहित तमाम मुल्कों में देखने को मिल रहा है। अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है।

ताइवान की नई नेता त्साई इंग-वेन पर चीन की सरकारी मीडिया में लिखे गए एक लेख पर बवाल मच गया है। लेख में कहा गया है कि शादीशुदा न होने के कारण त्साई इंग-वेन की काम करने की शैली उग्र है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लेख में कहा गया है कि वेन पर परिवार का भावनात्मक बोझ नहीं है इसलिए उनके काम करने की आक्रामक शैली है। कई महिलाएं त्साई की दृढ़ता और जोश की वजह से उनकी प्रशंसक हैं, खास कर इस तथ्य को लेकर भी कि वो बहुत मजबूत और आजाद महिला हैं और उन्हें किसी ऐसे पुरुष की जरूरत नहीं जो उनपर शासन करे। वास्तव में एशिया में महिलाओं का शादी से भागने का एक कारण यह भी है कि यहां एक शादीशुदा कामकाजी महिला के लिए ज्यादा मुश्किलें होती हैं। महिलाओं की प्राथमिकता अपने पति, उसके बुजुर्ग माता-पिता और बच्चों का ध्यान रखना होती है। काम के साथ-साथ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने इस रोल को भी कामयाबी के साथ निभाएं। वैसे तो यह दुनिया की हर महिला की परेशानी है, लेकिन एशियन महिलाओं पर यह बोझ ज्यादा लाद दिया जाता है।

आजादी का सेलिब्रेशन

अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है। पैसिफिक माइक्रोमार्केटिंग नामक अनुसंधान संस्था के अनुसार ज्यादा से ज्यादा महिलाएं जीवन भर अविवाहित रहने का फैसला कर रही हैं। ऐसे में बाजार और सरकार दोनों को यह स्वीकार करना होगा कि घर का मतलब अब पति-पत्नी और बच्चे नहीं रह गया है। शादी न करने का एक कारण यह भी है कि एशियन महिलाएं अपनी आजादी को इंजॉय करने लगी हैं। वे अपनी आजादी को सेलिब्रेट करने लगी हैं, पर इससे कई सामाजिक समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। अगर पश्चिमी देशों से तुलना की जाए तो एशिया के देश अपनी पेंशन और सोशल प्रोटेक्शन में बहुत कम इन्वेस्ट करते हैं। वे यह कल्पना कर लेते हैं कि बुढ़ापे या बीमार पड़ने पर उनका परिवार उनकी देखभाल कर लेगा। अब इस बात को इतनी आसानी से नहीं लिया जा सकता है। शादियों की संख्या में कमी आने से बर्थ रेट में भी गिरावट आई है। ईस्ट एशिया में 1960 के दौरान प्रत्येक महिला के 5.3 बच्चे होते थे जो कि अब 1.6 रेश्यो है। जिन देशों में शादियों की संख्या में गिरावट हो रही है, वहां फर्टिलिटी रेट 1.0 है। शादी करने से कोई भी व्यक्ति ज्यादा सोशल बनता है, लेकिन शादियों में कमी आने से सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव आता है। शादियों में कमी से क्राइम रेट में इजाफा होता है। शादी होने से व्यक्ति फैमिली के साथ जुड़ा रहता है।

क्या बदलाव की गुंजाइश है ?

एशियाई देशों की सरकारों को अब इस भूल में नहीं जीना चाहिए कि उनके यहां फैमिली लाइफ पश्चिमी देशों से बेहतर है क्योंकि उनका यह भ्रम कभी भी टूट सकता है। दरअसल एशियाई देशों में जिस तरह से तेजी से सामाजिक बदलाव हो रहे हैं उससे इन देशों को अब संभलने की जरूरत है और इन बदलावों से कैसे निपटा जाए, सोचने की जरूरत है। क्या एशिया में शादियां दोबारा प्रचलन में आ सकती हैं? कुछ रास्ते हैं, जिनसे ऐसा हो सकता है। इसके लिए सरकार को भी कानून बनाने पड़ेंगे। महिलाएं शादी में तभी बंधना चाहेंगी जब उन्हें पता होगा कि अगर शादी काम नहीं करती तो वह इससे कभी भी आजादी पा सकती हैं। परिवार कानून के अंतर्गत तलाक लेने वाली महिला को संपत्ति का अच्छा खासा शेयर मिले। एशियाई देशों की सरकारों को ऐसे कानून बनाने चाहिए, जिसमें वे अपने कर्मचारियों को मेटरनल के साथ-साथ पेटरनल लीव भी दें। यानी बच्चे के पैदा होने के बाद मां के साथ-साथ पिता को भी छुट्टियां मिलें, जिससे पति-पत्नी दोनों मिलकर बच्चे की देखभाल कर सकें। इन कोशिशों से फैमिली लाइफ को प्रमोट करने में काफी मदद मिलेगी और महिलाओं के ऊपर से अतिरिक्त बोझ भी थोड़ा कम होगा।

महंगाई भी बनी वजह

अविवाहित महिलाओं की बढ़ती संख्या के पीछे लगातार बढ़ती महंगाई, नौकरी की अस्थिरता और आज की चमक-धमक वाली लाइफ स्टाइल भी है, जिसे शादी करके और परिवार बढ़ाकर मेंटेन करना बहुत मुश्किल है। यह आर्थिक जिम्मेदारी को बढ़ाने वाला काम है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि कई युवक और युवतियां मकानों की बढ़ती कीमतों, घरों के बढ़ते किराए और महंगाई के चलते शादी की जिम्मेदारी उठाने से बचते हैं। वे अकेले रहकर ज्यादा पैसा जोड़ना चाहते हैं और इस तरह शादी की उम्र बीतती रहती है।

सामाजिक कारण भी

सामाजिक कार्यकर्ता मानते हैं कि महिलाओं के शादी देर से करने के पीछे मुख्य वजहों में से एक सामाजिक स्थितियां भी हैं। उनके मुताबिक शादी की महंगी आलीशान पार्टियां, शादी के बाद बढ़ने वाला खर्च और करियर को बिना किसी रोक-टोक को आगे ले जाने की इच्छा ने लड़कियों में शादी के प्रति गंभीरता को खत्म कर दिया है। मनोवैज्ञानिक महिलाओं के भीतर शादी के प्रति इस नीरसता के पीछे कई मनोवैज्ञानिक कारणों को गिनाते हैं। वे कहते हैं कि आज के हाईटेक होते समाज में इस तरह की मानसिकता स्त्री और पुरुषों दोनों में ही सामान्य है।

भारत में भी सिंगल पेरैंट

इक्कीसवीं सदी में शब्दकोश में सिंगल पेरैंट के नाम से एक नया शब्द जुड़ गया है। भारत में भी सिंगल पेरैंट का रिवाज बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। पहले बीमारी, युद्ध, मृत्यु के कारण सिंगल पेरैंट होना विवशता थी। तब विधवा या विधुर बच्चों का पालन करते थे। बच्चे वाली विधवा या बच्चे वाले विधुर को सिंगल पेरैंट के नाम से नहीं पुकारा जाता था। पहले कुंआरी मां की कल्पना भी नहीं की जाती थी, सभ्य समाज में कुंआरी मां बहुत घृणात्मक शब्द गिना जाता था, परंतु अब यह एक सामान्य शब्द है। अब इसे पसंद किया जाने लगा है। केवल इतना ही नहीं, अब तो यह रिवाज और स्टेटस सिंबल बन गया है। वैसे तो उस समय कोई कुंआरी मां नहीं थी, यदि होती भी तो ऐसी महिला को कोई किराए पर भी मकान नहीं देता था। यही स्थिति कुंआरे पुरुष की भी थी, परंतु अब समय बदल गया है। उस समय केवल विवाहित दंपती को ही बच्चे पैदा करने का अधिकार था। पति-पत्नी दोनों मिल कर बच्चों का पालनपोषण करते थे। पहले जब 2 विवाहित महिलाएं मिलती थीं, एक महिला अपने लड़के की ओर संकेत करती हुई कहती थी, इस के पिता बाहर गए हुए हैं, कहना नहीं मानता तथा बहुत परेशान करता है। कहने का तात्पर्य है कि माता-पिता दोनों मिल कर ही बच्चों का पालनपोषण करने में समर्थ थे, अकेले नहीं। यद्यपि माता की गरिमा पृथ्वी से भी भारी है तो पिता का सम्मान आकाश से भी उच्चतर है। इस के विपरीत अब सिंगल मदर सहर्ष फुलटाइम काम भी करती है तथा बच्चों को पालती भी है।

भारत की स्थिति

जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 39 फीसदी की वृद्धी हुई है। वर्ष 2001 में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 51.2 मिलियन पाई गई थी जबकि 2011 के आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़े बढ़ कर 71.4 मिलियन हुए हैं। अकेली रहने वाली महिलाओं में विधवाएं, तलाकशुदा महिलाएं, अविवाहित एवं पति से अलग रहने वाली महिलाएं शामिल हैं। एकल महिलाओं की संख्या में वृद्धि की कारण पति की मृत्यु होना, पति से अलग होना एवं तलाक लेना है। 20 से 24 की आयु वर्ग की महिलाओं (16.9 मिलियन) में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 23 फीसदी है। यह आंकड़े संकेत है कि देश में लड़कियों की विवाह की उम्र और उपर हुई है। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 1990 में जहां लड़कियों की शादी की आयु 19.3 वर्ष थी वहीं 2011 में यह बढ़ कर 21.2 वर्ष हुई है। 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के बाद सबसे अधिक अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 से 64 के आयु वर्ग में है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या सात मिलियन है। 2001 से 2011 के बीच 25 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि (68 फीसदी) देखी गई है, वहीं 20 से 24 आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी दर्ज की गई है। यह आंकड़े निश्चित तौर पर विवाह व्यवस्था में विकार का संकेत देती है। ग्रामीण इलाकों में विधवाओं की संख्या, 29.2 मिलियन, सबसे अधिक दर्ज की गई है। वहीं अविवाहित महिलाओं की संख्या 13.2 मिलियन पाई गई है। शहरी इलाकों में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। यहां भी विधवा महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, 13.6 मिलियन है जबकि अविवाहित महिलाओं की संख्या 12.3 मिलियन दर्ज की गई है। देश के ग्रामीण इलाकों में करीब 44.4 अकेले रहने वाली महिलाएं रहती हैं यानी देश की 62 फीसदी अकेले रहने वाली महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं। हालांकि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है, शहरों में अकली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 58 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 2001 में शहरी इलाकों में ऐसी महिलाओं की संख्या 17.1 मिलियन थी जबकि 2011 में यह बढ़ कर 27 मिलियन हुए हैं।

चीन की स्थिति

चीन के शहरों में अविवाहित महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चीन में तेज आर्थिक प्रगति के बीच महिलाओं का वित्तीय विकास तेजी से हो रहा है। इस बीच ऐसी महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है जो शादी करने की बजाए अकेले जिंदगी गुजारना पंसद करती हैं। आर्थिक तरक्की के बीच महिलाओं को स्वतंत्र होकर रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां के पारंपरिक समाज में उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। जनगणना के मुताबिक शंघाई में पांच लाख से अधिक अविवाहित महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 20 से 50 साल के बीच है। एक शोधकर्ता का कहना है, चीन के समाज में अब भी अविवाहित महिलाओं को 'एलियन' माना जाता है। यहां का मीडिया भी 30 पार कर चुकी अवविवाहित महिलाओं को अकेला करार देता है। युवा अविवाहित महिलाएं अब समाज में प्रचलित अपमानजनक लेबल शेंग नू या लेफ्टओवर वुमन को सख्ती से नकार रही हैं। वे साफ कर रही हैं कि अविवाहित महिलाएं कैसे अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता का आनंद ले रही हैं। अपनी पहचान को केवल शादी से जुड़ा न मानते हुए वे पूरे समाज को इसे नए नजरिए से दिखा रही हैं। सफल अविवाहित लड़कियों पर एक खास उम्र तक शादी कर लेने का दबाव उन्हें पावर वुमन मानने के बजाए लेफ्टओवर वुमन की संज्ञा देने से नहीं चूकता। चीन के कई शहरों में लगने वाले शादी के बाजार भी अपने आप में अनोखे होते हैं। यहां शादी के लायक लड़के-लड़की के माता-पिता उनके इश्तेहार लगाते हैं।

जापान की स्थिति

जापानी महिलाएं जो कि ऑफिस में एक हफ्ते में 40 घंटे काम करती हैं, वहीं उन्हें 30 घंटे घर का काम भी करना पड़ता है। उनके पति घर का काम सिर्फ 3 घंटे करते हैं। ऑफिस और घर संभालने के साथ-साथ बच्चों को देखना उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। इस साल एक सर्वे के अनुसार जापानी पुरुषों की अपेक्षा बहुत कम जापानी महिलाएं शादी को लेकर पोजिटिव महसूस करती हैं। बाहर के वर्क कल्चर ने शादी को लेकर महिलाओं को अकेले रहने का एक विकल्प दे दिया है। ज्यादातर महिलाएं फाइनैंशली इंडिपेंडेंट हैं और इस वजह से वे आसानी से अकेले जिंदगी गुजार सकती हैं। महिलाओं में बढ़ते एजुकेशन के ग्राफ ने भी शादियों की संख्या घटाई है। आज कई एशियन महिलाएं बेहद पढ़ी लिखी हैं और वे शादी को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं होती हैं।

सऊदी अरब का हाल

चौंकाने वाली बात यह है कि अविवाहित महिलाओं की संख्या के मामले में सऊदी अरब दूसरे पायदान पर है। एक तरह से सऊदी अरब दुनिया में अविवाहित महिलाओं और पुरुषों का गढ़ बनता जा रहा है। सऊदी समाज में हो रहे इस बदलाव को समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिक दोनों ही अलग-अलग निगाह से देखते हैं। सऊदी सरकार के विवाहित महिलाओं और पुरुषों की संख्या को लेकर जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 1995 के बाद से देश में अविवाहित महिलाओं की संख्या में तकरीबन 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये पिछले दो दशकों में सर्वाधिक है। विशेषज्ञों की मानें तो अविवाहित महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में अन्य देशों की तुलना में सऊदी अरब दूसरे नंबर पर है। उनके मुताबिक अकेले रहने वाली स्त्रियों की संख्या में अब तक की यह सबसे बड़ी बढोतरी है। सऊदी समाज में लगातार बढ़ती अविवाहित महिलाओं की संख्या के पीछे समाजशास्त्रियों की अपनी-अपनी राय है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लड़कियां शादी का फैसला मानसिक और शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करने लगी हैं, जब तक वे खुद को शादी के लिए इस स्तर पर तैयार नहीं पातीं तब तक वे शादी जैसे बंधन में बंधने से हिचकने लगी हैं।

अब बन गई सेकेंड स्किन...

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी कृत्रिम त्वचा विकसित की है, जिसे आप किसी टाइट कपड़े की तरह शरीर पर पहन सकते हैं। मजे की बात यह कि कोई इसे देख नहीं पाएगा यानी यह कृत्रिम त्वचा तकरीबन अदृश्य होगी। शोधकर्ताओं ने इसे 'सेकेंड स्किन' नाम दिया है, क्योंकि इसे मूल त्वचा के ऊपर धारण किया जाएगा। इससे आपकी झुर्रियां नहीं दिखेंगी और आप अपनी वास्तविक उम्र से काफी जवां दिखेंगे। इसलिए इसे लेकर दुनियाभर में व्यापक जिज्ञासा है।

उम्र बढ़ने के साथ इंसान की त्वचा ढीली पड़ने लगती है और उसके अनेक हिस्सों में झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसा किसी बीमारी के कारण नहीं होता, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन, ज्यादातर लोग, खासकर महिलाएं, त्वचा की कसावट को बरकरार रखना चाहती हैं, ताकि ढलती उम्र में भी वे युवा दिख सकें।

इसके लिए महिलाएं अनेक प्रकार की कॉसमेटिक्स का इस्तेमाल करती हैं। साधन संपन्न परिवारों की महिलाएं इसके लिए नवीनतम तकनीक आधारित स्किन ट्रीटमेंट भी करवाती हैं।

अब इनके नए विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 'सेकेंड स्किन' का विकास किया है, जिसे शरीर पर धारण किया जा सकेगा।

क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर

वैज्ञानिकों ने एक्सपीएल यानी क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर के रूप में इलास्टिक की तरह पहना जानेवाला एक नया प्रोडक्ट तैयार किया है, जिसमें प्राकृतिक त्वचा की तरह अनेक गुण मौजूद हैं और यह बिल्कुल उसका डुप्लीकेट प्रतीत होता है। एक्सपीएल एक ट्यूनेबल पॉलिसाइलोक्सेन आधारित मैटेरियल है, जिसे खास इलास्टिसिटी और ऐसे अनेक गुणों के साथ इंजीनियर्ड किया जा सकता है। एक्सपीएल को बिना किसी हीट या लाइट मीडिएटेड एक्टिवेशन के प्रयुक्त किया जा सकता है। हाल ही में इनसानों पर इसका एक पायलट अध्ययन किया गया है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि त्वचा के खिंचाव की दशा में एक्सपीएल के टेन्सिल मॉड्यूल्स ने ठीक वैसी ही प्रतिक्रिया दी, जैसी सामान्य प्राकृतिक त्वचा देती है। वैज्ञानिकों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है। इसके विकास से यह उम्मीद भी जगी है कि जल्द ही हम सनबर्न से सुरक्षा के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा एक्जिमा जैसी त्वचा की बीमारियों का इलाज भी इससे मुमकिन होगा। हालांकि, सामान्य लोगों में इसके प्रति जो उत्साह पैदा हुआ है, वह कुछ अलग तरीके का देखने में आ रहा है। उन्हें यह एहसास काफी गुदगुदाता है कि वे सुबह में इस डुप्लीकेट त्वचा को पहन लेंगे और दिनभर पहनने के बाद रात में उसे निकाल देंगे।

आंखों के नीचे पहला परीक्षण

शोधकर्ताओं ने इसका सबसे पहला परीक्षण इंसान की आंखों के हिस्से में किया है, जिससे बेहद आशाजनक नतीजे सामने आए हैं। शोधकर्ताओं को इससे एक नई उम्मीद जगी है कि वे शरीर के अन्य भागों में ढीली पड़ चुकी या झुर्रियोंवाली त्वचा को ठीक कर पाएंगे। इस शोध टीम में शामिल अमेरिका के मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डेनियल एंडरसन का कहना है कि ओरिजनल स्किन पर पहनी जानेवाली यह अदृश्य परतवाली त्वचा मूल त्वचा को किसी प्रकार के बाहरी खराब असर से बचाती है, जिसके लिए आम तौर पर लोग दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई है कि भविष्य में यदि इसे किसी अन्य कम्पोनेंट के साथ मिला कर कोई नया उत्पाद बनाया जाएगा, तो वह इनसान की त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने में सक्षम होगा। हालांकि, मौजूदा समय में त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए ज्यादातर लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसका इस्तेमाल सही नहीं माना जाता और अनेक लोगों में उसका साइड इफेक्ट देखा गया है।

सुरक्षित रसायनों का इस्तेमाल

त्वचा रूपी इस 'सेकेंड स्किन' को बनाने में इस्तेमाल किए गए तत्व और रायायनिक पदार्थों को अमेरिका की संबंधित एजेंसी 'फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' ने सुरक्षित बताया है। इसमें इस्तेमाल किए गए केमिकल्स साइलोक्सेंस हैं, जिसमें ऑक्सीजन का एक अणु और सिलिकॉन के दो अणु होते हैं। शोधकर्ताओं ने इनके आण्विक गुणों में सुधार करते हुए इनका एक बड़ा समूह तैयार किया और इन्हीं गुणों के आधार पर इस उत्पाद को विकसित करने में कामयाब हुए। उन्होंने इसे दो प्रक्रियाओं में विभाजित किया। पहला, पॉलिमर को अप्लाई किया, जो पूरी तरह से द्रव है। हालांकि, सीरीज में यह ज्यादा मजबूत नहीं होते, लेकिन अगले चरण में इसे दूसरे प्रोडक्ट के साथ जोड़ दिया जाता है। सीरीज की केमिस्ट्री में सुधार लाते हुए शोधकर्ता सेकेंड स्किन के गुणों में विविधता ला सकते हैं, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल किया जाना है। बायोटेक्नोलॉजी विधा से संबंधित कैंब्रिज की एक निजी कंपनी लिविंग प्रूफ ने अपनी प्रयोगशाला में इसे विकसित किया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**